THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 184 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.8 2081 बुधवार, 25 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT **GACHIBOWLI** Ph: 9289220863, RENAULT **HITECH CITY** Ph: 9311733970, RENAULT **KUKATPALLY** Ph: 7067322620, RENAULT **LB NAGAR** Ph: 9311700671. RENAULT **KARIMNAGAR** Ph: 9582305983. RENAULT **KHAMMAM** Ph: 8527234093. RENAULT **KOTHAGUDEM** Ph: 7428439271. RENAULT **MAHBUBNAGAR** Ph: 7799766431. RENAULT **MANCHERIAL** Ph: 9582571953. RENAULT **NIZAMABAD** Ph: 9311700672. RENAULT **SATHUPALLY** Ph: 8130499615. RENAULT **SHADNAGAR** Ph: 9311700675.

बदलापुर मामले के आरोपी की मौत पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

मुंबई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर पहले से ही माहौल गरमाया हुआ था। अब एक और विवाद खड़ा हो गया है। बदलापुर कस्बे के एक स्कूल में दो बच्चियों का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी अक्षय शिंदे की पुलिस की जवाबी गोलीबारी में मौत हो गई। अब आरोपी की मौत पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं।

पुलिस और आरोपी के बीच हुई थी मुठभेड़

पुलिस ने बताया कि स्कूल में सफाईकर्मी के रूप में काम करने वाले शिंदे को सोमवार को एक अन्य मामले की जांच के सिलसिले में जब तलोजा जेल से बदलापुर ले जाया जा रहा था तभी उसने पुलिसकर्मियों में से एक की बंदूक छीन ली और गोली चला दी। इसके जवाब में पुलिस ने भी गोलीबारी की। घटना के बाद आरोपी को कालवा स्थित एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चोटों के चलते उसने दम तोड़ दिया।

सीएम बोले-पहले फांसी की मांग की और अब सियासत

क्या बोले सीएम?

विपक्ष द्वारा घटना पर आश्चर्य जताए जाने और इसकी व्यापक व न्यायिक जांच की मांग के बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पुलिस ने आत्मरक्षा में उन्हें गोली आरोपी को गोली मारी। उन्होंने आगे कहा, 'इससे पहले विपक्षी दलों ने अक्षय शिंदे को फांसी देने की मांग की थी। अब ये लोग आरोपी का पक्ष ले रहे हैं और महाराष्ट्र पुलिस की निष्ठा पर सवाल उठा रहे हैं। विपक्षी नेताओं का ऐसा कृत्य निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है।' उन्होंने विपक्ष द्वारा राजनीतिक सहानुभूति हासिल करने का आरोप लगाए जाने पर कहा कि वे लोग हमारी सरकार की मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना की सफलता से परेशान हैं।

डिप्टी सीएम ने भी किया पलटवार

राज्य का गृह विभाग संभालने वाले उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विपक्ष हर मुद्दे पर सवाल उठाता है। वे (विपक्ष) चाहता था कि उसे फांसी दी जाए। अब जब पुलिस ने लोगों की जान बचाने की कोशिश की तो ऐसे सवाल किया जाना गलत है।

विपक्ष ने सवाल खड़े किए

बदलापुर मामले के आरोपी शिंदे की मौत के बाद विपक्ष लगातार सत्तारूढ़ गठबंधन पर हमला बोल रहा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने सवाल उठाते हुए कहा था कि क्या यह सबूत नष्ट करने की कोशिश है। क्या पुलिस ने आरोपी को ले जाते समय उसके हाथ नहीं बांधे थे? उसने बंदूक कैसे ले ली? पुलिस इतनी लापरवाह कैसे थी? उन्होंने कहा कि भाजपा से जुड़े स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, लेकिन गिरफ्तार आरोपी को संदिग्ध परिस्थितियों में मार गिराया जाता है।

बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में एनकाउंटर की जांच सीबीआई करेगी

मुंबई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बदलापुर मामले का आरोप अक्षय शिंदे सोमवार को पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। मंगलवार को एक अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) आरोपी की मौत की जांच करेगी।

फॉरेंसिक साइंस विशेषज्ञों की एक टीम ने मंगलवार को पुलिस वाहन की जांच की, जिसमें आरोपी अक्षय शिंदे को एक पुलिसकर्मी ने गोली मार दी थी। बता दें कि शिंदे को सोमवार की शाम करीब 6:15 बजे पुलिस की गाड़ी में ले जाया जा रहा था। तभी उसने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी की बंदूक छीन ली। इसके बाद उसने एक सहायक पुलिस निरीक्षक (एपीआई) पर गोली चला दी।

जिसमें एपीआई घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें शिंदे की मौत हो गई। आरोपी को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह घटना पुलिस हिरासत में मौत से संबंधित है। इसकी जांच महाराष्ट्र सीआईडी करेगी। उन्होंने आगे बताया कि सीआईडी की एक टीम मुंब्रा बाईपास पर उस स्थान का दौरा करेगी, जहां घटना हुई थी। वे उन पुलिसकर्मियों के बयानों को भी रिकॉर्ड करेंगे, जो घटना के दौरान वाहन में मौजूद थे। सीआईडी अधिकारी आरोपी अक्षय शिंदे के माता-पिता के बयान को भी रिकॉर्ड करेंगे।

अक्षय शिंदे के शव को मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए ठाणे के कलवा नागरिक अस्पताल से सरकारी जेजे अस्पताल ले जाया गया। वरिष्ठ डॉक्टरों की उपस्थिति में कैमरे में पोस्टमार्टम किया जाएगा। अक्षय शिंदे के पिता ने अपने बेटे की मौत पर जांच की मांग की। आरोपी के परिवारवालों ने पुलिस के दावों को चुनौती दी। गौरतलब है कि 17 अगस्त को पुलिस ने इस मामले में स्कूल के अटेंडेंट को गिरफ्तार किया था। शख्स पर किंडरगार्टन में पढ़ रहीं तीन और चार साल की दो बच्चियों से उत्पीड़न का आरोप था।

नर्सिंग छात्रा ने अपहरण और दुष्कर्म की रची थी झूठी साजिश

पुलिस की जांच में अहम खुलासा

चेन्नई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में एक और नर्सिंग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। नर्सिंग छात्रा ने दावा किया था कि, अज्ञात आरोपियों ने उसका अपहरण कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। जिसके बाद आरोपी उसे डिंडीगुल रेलवे स्टेशन के पास छोड़ कर फरार हो गए। अब इस मामले में पुलिस की ओर से अहम जानकारी सामने आई है।

छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने जब इस मामले की छानबीन की तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई। पुलिस ने बताया कि, घटना की शिकायत के बाद छात्रा को मेडिकल जांच के लिए डिंडीगुल सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में पुलिस को अपहरण या यौन उत्पीड़न का कोई सबूत नहीं मिला है। जांच में पाया गया है कि छात्रा ने मानसिक तनाव के कारण झूठी शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले पर अब डिंडीगुल जिला पुलिस ने कहा कि, नर्सिंग छात्रा ने आरोप लगाया था कि वह कॉलेज जाने के लिए थेनी पुराने बस स्टैंड पर आई थी, वहां से वॉशरूम गई थी, तभी अज्ञात लोगों ने उसे कार से अगवा कर लिया और उसका यौन उत्पीड़न किया और उसे डिंडीगुल रेलवे स्टेशन पर छोड़ दिया। उसने दावा किया था कि बाद में वह शिकायत दर्ज कराने के लिए ऑटोरिक्शा से डिंडीगुल ऑल विमेन पुलिस स्टेशन गई। शिकायत के आधार पर जांच की गई और मामला दर्ज किया गया था।

प्रारंभिक जांच के बाद डिंडीगुल पुलिस ने दावा किया है कि उन्होंने थेनी से डिंडुगल रेलवे स्टेशन तक के सीसीटीवी फुटेज की जांच की और पाया कि नर्सिंग छात्रा बस में सवार हुई। इसके बाद वह डिंडुगल रेलवे जंक्शन पर उतरी और मानसिक तनाव में रेलवे पुलिस के पास झूठी शिकायत दर्ज कराने चली गई।

बड़ा हादसा टला मालगाड़ी की पांच डिब्बे पटरी से उतरे

कोलकाता, 24 सितंबर (एजेंसियां)। अलीपुरद्वार डिवीजन के न्यू मैनागुड़ी स्टेशन पर एक खाली मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गईं। यह घटना मंगलवार की सुबह छह बजे के करीब घटी। इस हादसे के बाद अन्य ट्रेनों को दूसरे मार्गों से भेजा गया, जिससे आवाजाही प्रभावित नहीं हुई।

घटना की जानकारी पाकर डीआरएम अलीपुरद्वार समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर मरम्मत का काम जारी है। स्टेशन अधीक्षक मुकेश कुमार ने कहा, "हमें यह जानकारी मिली की ट्रेन पटरी से उतर गई। यह घटना आज सुबह के छह बजे के करीब घटी। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। मरम्मत का काम जारी है।" अलीपुरद्वार डिवीजन के डीआरएम अमरजीत गौतम ने कहा, आज सुबह न्यू मैनागुँी स्टेशन पर एक खाली मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गईं।

मंडी सांसद कंगना पर मंत्री जगत नेगी का तंज

अनपढ़ जैसी बातें करती हैं, देशभर में हम मजाक का पात्र बने, हमने बेवकूफी की

शिमला, 24 सितंबर (एजेंसियां)। मंडी से सांसद कंगना रनोट पर हिमाचल के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा, जिस तरह की बातें कंगना करती हैं। ऐसी तो कोई अनपढ़ भी नहीं कर सकता। हिमाचल सरकार द्वारा कर्ज की राशि सोनिया गांधी को देने के कंगना के बयान पर पलटवार करते हुए जगत नेगी ने कहा कंगना के कारण पूरे देश में हमारा सिर शर्म से नीचे गिरा है। देश में हम मजाक के पात्र बन गए हैं। दूसरे प्रदेशों के लोग सोचते होंगे कि हमने किस तरह का सांसद चुन कर भेजा है, जिसको कोई समझ ही नहीं है।

उन्होंने कहा कि कंगना अब सांसद है। इनको सोच समझकर बयान देने चाहिए। इसका मतलब यह है कि हमने जो सांसद चुना है, हमसे बहुत बड़ी बेवकूफी हुई है। हमने कैसे मूर्ख व्यक्ति को चुन कर संसद भेजा है। मंडी के मतदाता आज पछता रहे हैं, क्योंकि मतदाताओं ने कंगना को भारत के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर में चुन कर भेजा है। कंगना वहां भी ऐसी बातें करनी से नहीं हटती। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

कंगना ने सोनिया गांधी को लेकर दिया था ये बयान

दरअसल, कंगना रनोट ने 2 दिन पहले मनाली में एक कार्यक्रम में कहा था कि हिमाचल सरकार कर्ज लेती है और सोनिया गांधी की झोली में डाल देती है। इस पर कांग्रेस पार्टी भड़क उठी है। बीते कल पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भी कंगना रनोट को कम शिक्षित बोला था। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कौल सिंह ठाकुर ने भी कंगना को निशाने पर लिया। कंगना रनोट के बयान को लेकर विक्रमादित्य सिंह ने कहा, यदि कंगना रनोट पैसे सोनिया गांधी को देने के सबूत नहीं दिखाती और माफी नहीं मांगती तो सोनिया गांधी की छवि को खराब करने के लिए मानहानि का केस करेंगे।

कांग्रेस ने हरियाणा में बागी को निकाला

बहादुरगढ़ से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे; चित्रा सरवारा के बाद दूसरे नेता पर कार्रवाई

रोहतक, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में झज्जर जिले की बहादुरगढ़ विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे राजेश जून को कांग्रेस ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने के बाद 6 साल के लिए निकाला गया है। राजेश जून बहादुरगढ़ से कांग्रेस का टिकट मांग रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें टिकट न देकर राजेंद्र सिंह जून को उम्मीदवार बनाया है। इसके कारण उन्होंने बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला लिया। बहादुरगढ़ विधानसभा से फिलहाल 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। इससे पहले अंबाला कैंट विधानसभा सीट से टिकट मांग रहीं नेता चित्रा सरवारा को भी कांग्रेस ने 6 साल के बाहर का रास्ता दिखा दिया है। कांग्रेस ने अंबाला कैंट से उनकी टिकट काटकर परविंदर परी को अपना उम्मीदवार बनाया है।

पहली लिस्ट में नाम न आने के बाद की बगावत

बहादुरगढ़ विधानसभा सीट से टिकट कटने से नाराज होकर राकेश जून ने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी। कांग्रेस की पहली लिस्ट में नाम न होने के बाद ही राजेश जून ने बगावत कर दी थी। इसके साथ ही 11 सितंबर को नामांकन दाखिल कर उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था। कांग्रेस ने यहां से मौजूदा विधायक राजेंद्र जून को चुनाव में उतारा है। राजेश जून ने 2014 के विधानसभा चुनाव में बहादुरगढ़ विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। इस चुनाव में उन्हें 28 हजार 242 वोट मिले थे, और वह तीसरे स्थान पर थे। इसके बाद वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने राजेंद्र जून के पक्ष में अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया था।

डबल वोट लेकर विधायक बनने का दावा किया

बहादुरगढ़ विधानसभा से 3 बार के एमएलए राजेंद्र जून राजेश जून के चाचा हैं। टिकट कटने पर ही राजेश जून ने समर्थकों की मीटिंग बुलाई थी। उसमें उन्होंने ऐलान करते हुए कहा था, 'मेरे साथ कांग्रेस नेतृत्व ने धोखा किया है। अब मैं कांग्रेस उम्मीदवार से डबल वोट लेकर विधायक बनूंगा।' राजेश जून ने कहा था कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने टिकट देने का वादा किया था, लेकिन वादा नहीं निभाया। अब तक हुए 16 विधानसभा चुनावों में बहादुरगढ़ से 8 बार कांग्रेस, लोकदल 5 बार, ओल्ड कांग्रेस, हविपा और भाजपा एक-एक बार चुनाव जीती है।

हरियाणा में लालू यादव के दामाद का विरोध

रेवाड़ी, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की रेवाड़ी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के दामाद चिरंजीव राव का चुनाव प्रचार के दौरान विरोध हुआ है। जब वह गिंदोखर गांव में प्रचार के लिए पहुंचे तो युवकों ने उनके सामने गो बैक के नारे लगाए। इतना ही नहीं उनसे विकास कार्यों को लेकर तीखे सवाल भी पूछे। काफी देर हंगामे के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध करने वाले युवकों को धक्के देकर कार्यक्रम से निकाल दिया। इस दौरान कुछ देर के लिए माहौल काफी गहमागहमी वाला हो गया था। दोपहर को चिरंजीव राव गिंदोखर गांव के पंचायत घर में कार्यक्रम के लिए पहुंचे थे। वह चुनाव में खुद को वोट देने की अपील करने के लिए ग्रामीणों के बीच गए। कार्यक्रम में काफी भीड़ थी। तभी गांव के युवक अजय यादव, विकास, प्रवीण, देवेंद्र सहित अन्य कार्यक्रम में पहुंचे।

राव बोले-मनोहर लाल खट्टर अध्यक्ष थोड़ी हैं

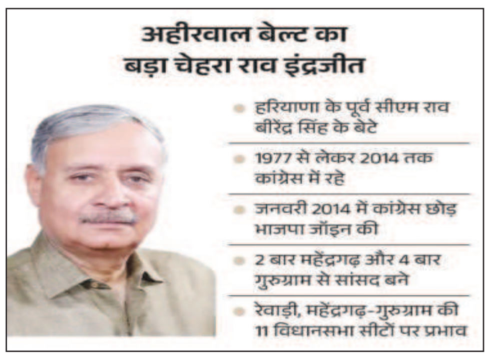

रेवाड़ी, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में नाराज कांग्रेस की सांसद कुमारी सैलजा पर सियासत तेज है। उनकी इस नाराजगी को बीजेपी भुनाने की कोशिश में लगी हुई है। कुछ दिन पहले केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सैलजा को भाजपा में आने का ऑफर दे डाला। जिस पर केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत ने कहा कि मनोहर लाल पार्टी के अध्यक्ष थोड़ी हैं। दरअसल, कुमारी सैलजा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के प्रचार से दूरी बना ली है। वह टिकट बंटवारे में तवज्जो न मिलने और पार्टी समर्थक के जातिगत टिप्पणी करने से नाराज बताई जा रही हैं। ऐसे में वह अपने आपको हरियाणा चुनाव से दूर रखे हुए हैं। जबकि उनका नाम पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची में भी शामिल है।

भूपिंदर हुड्डा मेरे परम मित्र, हम क्लास फेलो रहे हैं : रणजीत चौटाला

चंडीगढ़, 24 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में मतदान की तारीख में अब दो हफ्ते से भी कम का समय रह गया है। राज्य में तमाम दल और प्रत्याशी साम, दाम, दंड, भेद के जरिए चुनाव जीतना चाहते हैं। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीजेपी से नाता तोड़ने वाले रणजीत सिंह चौटाला द्वारा अब एक बड़ा बयान दिया गया है। उन्होंने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि वो चुनाव परिणाम बाद भूपिंदर सिंह हुड्डा से हाथ मिला सकते हैं।

भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा, "मैं लोगों से पूछूंगा, ये जहां कहेंगे, वहां जाएंगे। हुड्डा मेरे परम मित्र हैं, हम क्लास फेलो रहे हैं। ये पार्टियां तो कल आई हैं। मैं और हुड्डा साहब 60 साल से दोस्त हैं। हम चंडीगढ़ पढ़ते थे। हमारे परिवारों को बहुत पुराना प्यार है। हुड्डा साहब के फादर और मेरे पिताजी और ताऊजी ने लाहौर और मुलतान की जेलें इकट्ठा काटी हैं। ब्रिटेश टाइम से भी हमारे संबंध हैं। वो एक अलग विषय है, राजनैतिक निर्णय मैं इन लोगों (समर्थकों) से पूछकर लूंगा। इसकी बात भी मैं इनसे पूछकर करूंगा। हो सकता है उनके साथ भी चला जाऊं, मुझे जो लोग कहेंगे वो करूंगा।" हरियाणा कांग्रेस में सीएम पद को लेकर रार मची हुई है। अब मीडिया से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर निर्णय चुनाव परिणाम के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी करेंगे। उन्होंने कहा, "कौन मुख्यमंत्री बनेगा, हर आदमी की आकांक्षा है।

सैलजा जी भी बनना चाहेंगे, क्यों नहीं? मेरी बड़ी बहन है, चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी भी बनना चाहेंगे। हम तीनों के अलावा कोई और साथी का भी राइट हो सकता है। यहां प्रजातंत्र है, आखिर में यह निर्णय राहुल गांधी जी और खड़गे साहब करते हैं, जो वो निर्णय करेंगे वह हम सबको स्वीकार्य होगा।" कुमारी सैलजा को लेकर बीजेपी के दावों से जुड़े सवालों पर उन्होंने कहा कि इन बातों में कोई वजन नहीं है।

सीएम सिद्धारमैया को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए राहुल गांधी भी दें सफाई : राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री की याचिका खारिज किए जाने का हवाला देते हुए मुदा घोटाले में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच के लिए तुरंत सीएम सिद्धारमैया से अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी से भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भ्रष्टाचार के मामले में सफाई देने की मांग की। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि कर्नाटक हाई कोर्ट ने मुदा मामले में सीएम सिद्धारमैया और उनके परिवार की संलिप्तता के खिलाफ कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा जांच को दी गई मंजूरी के आदेश पर रोक लगाने के मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की याचिका को खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे गंभीर मसला बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच के लिए मुख्यमंत्री को तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा नेता ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कांग्रेस के कई अन्य नेताओं पर भ्रष्टाचार के कई अन्य मामलों का आरोप लगाते हुए कहा कि यह शर्मनाक है कि कैसे एक मौजूदा सीएम ने अपने पद का दुरुपयोग किया।

खास खबरें

मच्छरों के लिए 'सेंट्रल जेल', शख्स ने किया ऐसा कारनामा

लोग करने लगे जमानत और अधिकारों की बात!

सोशल मीडिया पर आप तरह-तरह के वीडियो देखते हैं, जिसमें से कुछ वीडियो आपके काम के होते हैं तो कुछ को आप नज़रअंदाज़ करके आगे बढ़ जाते हैं. वहीं पर कुछ वीडियो इतने मज़ेदार होते हैं कि आप हंसने के लिए इन्हें बार-बार देखते हैं. एक ऐसा ही दिलचस्प वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

दुनिया में इतने फुरसतिये लोग पड़े हैं कि वो मक्खी और मच्छर पकड़ने में भी अपना वक्त बर्बाद कर रहे हैं. जो वीडियो हम आपको दिखाने जा रहे हैं, उसमें एक आदमी ने तो बाकायदा मच्छर के लिए जेल भी बनाई है, जिसमें वो इन्हें बंद करता है. आप इस पूरे प्रोसेस को देखेंगे, तो हंसे बिना रह ही नहीं पाएंगे.

मच्छरों के लिए बनी सेंट्रल जेल

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक मच्छर शख्स के शरीर पर बैठा हुआ है. वो इसे पकड़ने के लिए पेन की कैप का इस्तेमाल करता है और इसमें मच्छर को कैद कर लेता है. फिर वो कैप में बंद मच्छर को लेकर एक छोटे से पिंजरे के पास जाता है, जिस पर सेंट्रल जेल लिखा हुआ है. वो धीरे से जेल का छोटा सा दरवाज़ा खोलता है और फिर उसमें मच्छर को डालकर दरवाज़ा बंद कर देता है.

मच्छर के लिए अधिकारों की मांग करने लगे लोग

वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अकाउंट से शेयर किया जा रहा है. अब तक इस वीडियो को 24.1 मिलियन यानि 2.4 करोड़ से भी ज्यादा लोग देख चुके हैं और 14 लाख से भी ज्यादा लोग इसे पसंद कर चुके हैं. वीडियो पर कमेंट करते हुए लोगों ने कहा है क्या क्रिएटिविटी है. वहीं कुछ यूज़र्स ने लिखा- मच्छर के रहने के लिए चादर-तकिया और दूसरी चीज़ें दी जाएं. एक यूज़र ने तो मच्छर के वकील के तौर पर उसकी जमानत की मांग भी रख दी.

जुड़वां बहनों को जिनसे हुआ प्यार, वो भी निकले जुड़वां भाई

एक साथ की सगाई और शादी, अब रहते हैं साथ!

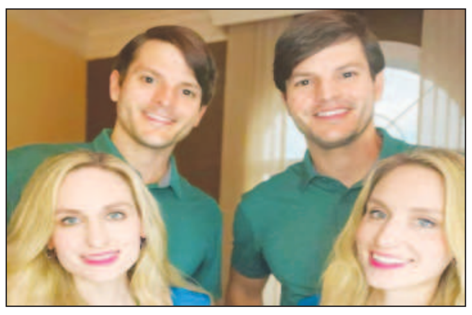

जुड़वां भाई या बहनों के साथ एक साथ कई घटनाएं होने कई बार देखा जाता है. पर कई पर ऐसी समानताएं देखने को मिलती है, जो हैरान ही करता है. जैसे क्या किसी जुडवां के जीवन साथी भी जुड़वां होते हैं? ऐसा ही एक अमेरिका की जुड़वां बहनों के साथ हुआ जिनकी शादी ही नहीं जिनसे प्यार भी हुआ वे भी जुड़वां ही निकले और फिर दोनों ने उनसे शादी भी एक ही दिन की. अब वे सभी मिल कर साथ साथ रहते हैं. इस परिवार के सोशल मीडिया पर काफी फैन फॉलोइंग है.

जुड़वां बहनों ब्रिटनी और ब्रियाना की मुलाक़ात जुड़वां भाइयों जोश और जेरेमी सैलियर्स से हुई और अगस्त 2018 में एक साथ शादी के बंधन में बंधने से पहले वे दोनों एक दूसरे से प्यार करने लगीं. आजकल, 2021 में अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के बाद, चारों अमेरिका के वर्जीनिया में एक ही घर में रहते हैं. जेरेमी और ब्रियाना ने उस साल जनवरी में अपने बेटे जैक्स का स्वागत किया, कुछ महीने बाद जोश और ब्रिटनी ने अप्रैल में जेट को जन्म दिया. इस तरह से जैक्स और जेट चचेरे भाई और आनुवंशिक भाई-बहन भी हुए. अब परिवार इंस्टाग्राम पर अपने जीवन की कई झलकें शेयर करता रहता है, जहां उनके 322,000 फॉलोअर हैं. उनकी एक लोकप्रिय क्लिप के कैप्शन में लिखा है, "जब आइडेंटिकल जुड़वा आइडेंटिकल जुड़वा से शादी करते हैं. " इस क्लिप को 3 करोड़ 79 लाख व्यूज मिले हैं."और हाल ही में एक पोस्ट में, जुड़वां बच्चों ने दिखाया कि वे वास्तव में कैसे एक साथ रहते हैं, जैसा कि कैप्शन में लिखा है, "हमने जन्म के क्रम से जोड़ी बनाई, जानबूझकर नहीं. यह एक प्राकृतिक आकर्षण था!"

अनूठा कैफे : दिल पर हाथ रखने से चटनी, आंखों के इशारे पर मिलता प्याज

यहां बल्ब की रोशनी से होता है ऑर्डर

अगर आप किसी कैफे में जाएं और वहां वेटर बिना ऑर्डर लिए खाना या सॉफ्ट ड्रिंक लाता दिखेगा तो चौकिएगा नहीं, वेटर को इशारों में ऑर्डर दिया गया है। आपको बिना बोलें ही ऑर्डर देना हो, तो चौंकिएगा मत। सत्य निकेतन में एक इकोज साउंड ऑफ साइलेंस नाम का अनूठा कैफे है। इसका संचालन मूक-बधिर कर्मचारी करते हैं। यहां सांकेतिक भाषा में ऑर्डर लेकर ग्राहकों को खाना परोसा जाता है। इन विशेष कर्मचारियों ने सांकेतिक भाषा को अपना हथियार बनाकर रोजगार का सृजन किया है।

खास बात यह है कि इस कैफे के माध्यम से दिव्यांग लोगों के प्रति सोच बदलने का काम भी हो रहा है। अमूमन तमाम कैफे व अन्य जगहों में दिव्यांग पर्दे के पीछे कार्य करते हुए दिख जाते हैं। लेकिन, यहां कर्मचारी कैफे में आने वाले मेहमानों का स्वागत पूरी सहजता के साथ करते हुए उनकी मांग को भी पूरा करते हैं। यह इकोज साउंड ऑफ साइलेंस कैफे है। यहां ऑर्डर देने के लिए विशेष सांकेतिक भाषा का उपयोग किया जाता है। कैफे में सांकेतिक भाषा के चिह्न भी बने हुए हैं। कर्मचारी ग्राफिक बोर्ड व सांकेतिक भाषा का उपयोग करके मेहमानों को खाना परोसते हैं। इतना ही नहीं, लोगों को मामूली सांकेतिक भाषा भी सिखाते हैं। पहले जब कहीं नौकरी नहीं करते थे तो लोग नकारात्मक नजर से देखते थे। लेकिन, अब कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गए हैं। यह कहना है 45 वर्षीय प्रमोद का। वह कैफे में वरिष्ठ कैशियर के रूप में कार्यरत हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 184 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.8 2081 बुधवार, 25 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर में सेकेंड फेज की 26 सीटों पर आज वोटिंग

श्रीनगर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कल बुधवार (25 सितंबर) को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 25.78 लाख मतदाता वोट डाल सकेंगे। सेकेंड फेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 239 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 233 पुरुष और 6 महिलाएं हैं। दूसरे फेज में 131 कैंडिडेट्स करोड़पति और 49 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने अपनी संपत्ति केवल 1,000 रुपये घोषित की है। पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बीरवाह से चुनाव लड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर जमीन घोटाले का केस चलेगा

> हाईकोर्ट ने गवर्नर के आदेश को बरकरार रखा > सिद्धारमैया की याचिका खारिज

बेंगलुरू, 24 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन घोटाले से जुड़े मामले में केस चलेगा। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने मंगलवार को कहा, याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 218 के तहत सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दी थी। मुख्यमंत्री ने 19 अगस्त को इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी।

मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टी.जे. अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि मुख्यमंत्री ने मुडा अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल किया। सिद्धारमैया की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी और प्रो. रविवर्मा कुमार पेश हुए। राज्यपाल की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पैरवी की। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने अपनी दलीलें रखीं। मनिंदर सिंह, प्रभुलिंग के. नवदगी, लक्ष्मी अयंगर, रंगनाथ रेड्डी, के.जी. राघवन सहित अन्य ने शिकायतकर्ताओं की ओर से दलीलें पेश कीं।

विपक्ष की इस्तीफे की मांग को ठुकराया

बेंगलूरू, 24 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर राज्य सरकारों के खिलाफ बदले की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने विपक्ष की उस मांग को भी ठुकरा दिया कि उन्हें हाईकोर्ट के फैसले के बाद पद से इस्तीफा देना चाहिए। राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। लेकिन हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया। यह मामला मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के जमीन आवंटन से जुड़ा है।

उन्नाव रेप पीड़िता की सीआरपीएफ सुरक्षा हटाने की मांग पर अड़ा केंद्र

अब शीर्ष अदालत ने पीड़िता से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बहुचर्चित माखी रेप कांड की पीड़िता, परिवार के सदस्यों और उसके वकीलों को सीआरपीएफ की सुरक्षा दी गई है। इस जिम्मेदारी से सीआरपीएफ को हटाने की अनुमति के लिए केंद्र सरकार ने कोर्ट का रुख किया है। अब अदालत ने केंद्र की याचिका पर मंगलवार को पीड़िता और उसके परिवार से जवाब मांगा है।

यह है मामला :

गौरतलब है, भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर साल 2017 में उन्नाव इलाके में नाबालिग लड़की का अपहरण और उसका दुष्कर्म करने के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता और अन्य लोगों को एक अगस्त 2019 को सीआरपीएफ की सुरक्षा देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने घटना के संबंध में दर्ज सभी पांच मामलों को लखनऊ की अदालत से दिल्ली की एक अदालत में स्थानांतरित कर दिया था। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार को पीड़िता को 25 लाख रुपये देने का भी आदेश दिया था। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि पीड़िता और उसके परिवार के सदस्यों को केंद्र की अर्जी दी जाए। पीठ ने यह भी कहा कि चूंकि खतरे की कोई आशंका नहीं है, इसलिए वह मामले को बंद करना चाहेगी। केंद्र के अधिवक्ता ने कहा कि पीड़िता और उसके परिवार के सदस्यों के खतरे के विश्लेषण के अनुसार किसी सुरक्षा की जरूरत नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पेश वकील रुचिरा गोयल ने कहा कि शीर्ष अदालत के आदेश के बाद घटना के बाद मुकदमे सहित सभी चीजें दिल्ली स्थानांतरित कर दी गईं। पीठ ने गोयल से जानना चाहा कि पीड़िता इस समय कहां रह रही है। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि महिला और उसका परिवार दिल्ली में रहता है।

रामेश्वर कैफे ब्लास्ट के आरोपी शाजिब और ताहा फंडिंग से युवाओं को कट्टरपंथी बना रहे थे

एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट

बेंगलूरू, 24 सितंबर (एजेंसियां)। रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट में शामिल दो आरोपी शाजिब और ताहा के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तीसरी बार चार्जशीट दाखिल की है। एनआई की विशेष अदालत में दायर की गई चार्जशीट में आरोप लगाया गया है कि दोनों आरोपी आईएसआईएस से जुड़कर आतंकी फंडिंग के जरिये मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बना रहे थे। इन पर राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का भी आरोप है।

एनआईए ने चार्जशीट में कि आरोपी अब्दुल मथीन अहमद ताहा उर्फ ताहा और मुसाविर हुसैन शाजिब उर्फ शाजिब रामेश्वरम कैफे विस्फोट में भी शामिल थे। इस मामले में पहले ही दोनों खिलाफ आरोप पत्र दायर किया जा चुका है। एनआईए ने कहा कि आरोपी आतंक फैलाने, देश को अस्थिर करने की आईएस की साजिश के तहत कट्टरपंथ, भर्ती, आतंकी फंडिंग के अलावा आगजनी, विस्फोट और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को जलाने जैसी हिंसक गतिविधियों में शामिल थे। बता दें कि इस साल एक मार्च को आईटीपीएल बेंगलूरू के ब्रुकफील्ड स्थित रामेश्वरम कैफे में हुए आईईडी विस्फोट में 10 लोग घायल हो गए थे। होटल की संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा था।

तमिलनाडु में एनआईए का बड़ा एक्शन

चेन्नई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में इस्लामिक शासन की साजिश करने वाले कट्टरपंथी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) के खिलाफ एनआईए ने बड़ी कार्रवाई की। तमिलनाडु में कम से कम 11 जगहों पर एनआईए ने छापेमारी की। यह संगठन दुनियाभर के कई देशों में प्रतिबंधित है। युवाओं का ब्रेनवॉश करके देशविरोधी कामों में लगाने के आरोप में चेन्नई सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने मुकदमा दर्ज किया था।

अब इस मामले को एनआईए को सौंप दिया गया है। हिज्ब-उत-तहरीर भड़काऊ तकरीरें सुनाकर युवाओं को बरगलाने की कोशिश करता है। यह युवाओं को जिहाद के लिए तैयार करने के अलावा उन्हें हथियारों की ट्रेनिंग भी देता है।

सेक्स एजुकेशन वेस्टर्न कॉन्सेप्ट नहीं : सुप्रीम कोर्ट

भारत में इसकी शिक्षा बेहद जरूरी, इससे यूथ में अनैतिकता नहीं बढ़ती

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा कि सेक्स एजुकेशन को वेस्टर्न कॉन्सेप्ट मानना गलत है। इससे यूथ में अनैतिकता नहीं बढ़ती। इसलिए भारत में इसकी शिक्षा बेहद जरूरी है।

कोर्ट ने कहा कि लोगों का मानना है कि सेक्स एजुकेशन भारतीय मूल्यों के खिलाफ है। इसी वजह से कई राज्यों में यौन शिक्षा को बैन कर दिया गया है। इसी विरोध की वजह से युवाओं को सटीक जानकारी नहीं मिलती। फिर वे इंटरनेट का सहारा लेते हैं, जहां अक्सर भ्रामक जानकारी मिलती है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के एक फैसले को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना पास्को और आईटी एक्ट के तहत अपराध है। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ऐसा कंटेंट डाउनलोड करता और देखता है, तो यह अपराध नहीं, जब तक कि इसे प्रसारित करने की नीयत न हो।

सुप्रीम कोर्ट के 4 बड़े स्टेटमेंट...

> एक रिसर्च से पता चला है कि सही सेक्स एजुकेशन देना जरूरी है। महाराष्ट्र में 900 से ज्यादा किशोरों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन छात्रों को प्रजनन और यौन स्वास्थ्य की सही जानकारी नहीं थी। उनमें जल्दी यौन संबंध बनाने की संभावना ज्यादा थी।

> यह बहुत जरूरी है कि हम सेक्स एजुकेशन के बारे में गलत धारणाओं को दूर करना शुरू करें।

त्रिपुरा में 500 उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सीएम माणिक साहा बोले-उग्रवाद किसी समस्या का हल नहीं

अगरतला, 24 सितंबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में मंगलवार को प्रतिबंधित समूहों नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) से जुड़े करीब 500 उग्रवादियों ने मुख्यमंत्री माणिक साहा के सामने आत्मसमर्पण किया है। सिपाहिजाला जिले के जम्पुइजाला में एक समारोह में उग्रवादियों का मुख्यधारा में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि उग्रवाद किसी भी समस्या का समाधान नहीं है।

पूरी तरह से उग्रवाद मुक्त हुआ पूर्वोत्तर राज्य :

इस सामूहिक आत्मसमर्पण के बाद सीएम माणिक साहा ने पूर्वोत्तर राज्य को पूरी तरह से उग्रवाद मुक्त घोषित किया। सीएम साहा ने कहा, केंद्र और राज्य कई योजनाएं शुरू करके स्वदेशी लोगों के समग्र विकास के लिए काम कर रहे हैं। मैं उन लोगों का स्वागत करता हूं जिन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं।

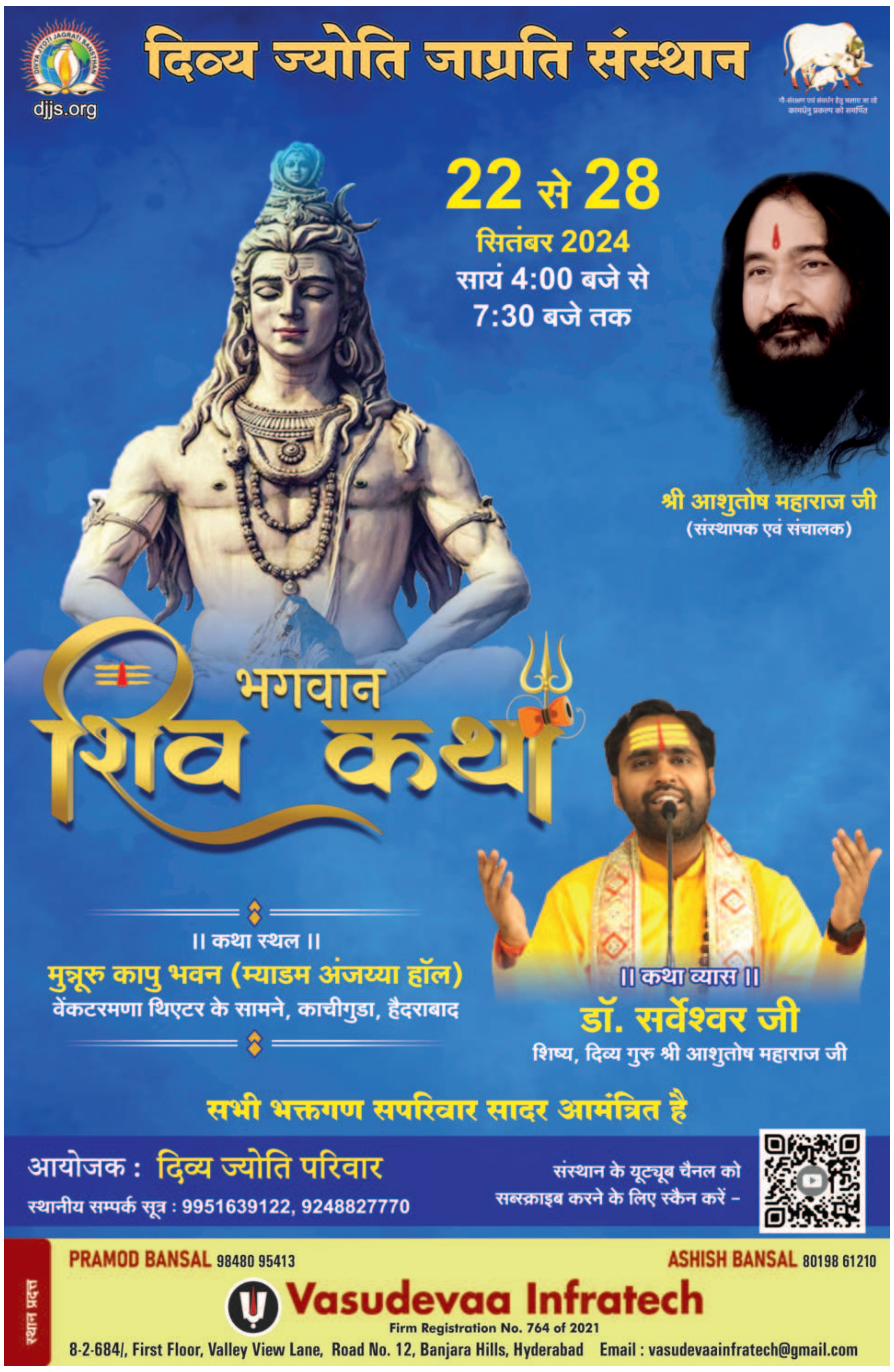

'10 अक्तूबर से पहले प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाएं', मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश

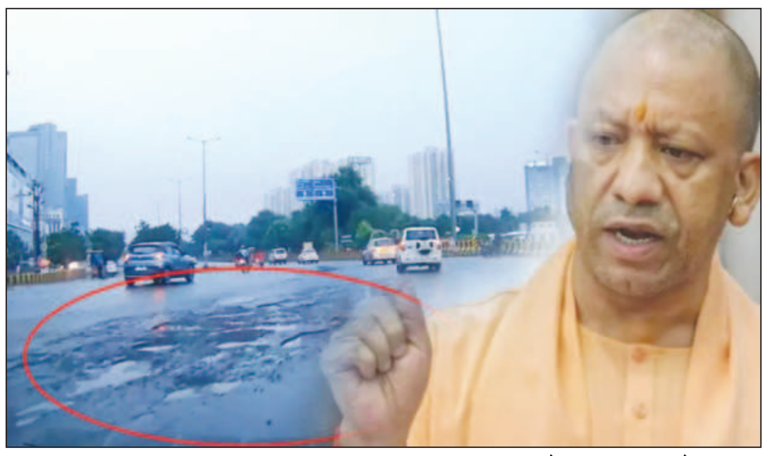

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी दिनों में शारदीय नवरात्रि, दशहरा तथा दीपावली आदि पर्व और त्योहारों के दृष्टिगत प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए जारी विशेष अभियान 10 अक्तूबर तक सम्पन्न करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को विभिन्न विभागों के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्व व त्योहारों पर प्रदेश में आवागमन सामान्य की अपेक्षा अधिक होता है। बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हर एक आदमी के लिए सड़क पर चलना सुखद अनुभव वाला हो, यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। गड्ढामुक्ति और सड़कों की मरम्मत का काम अच्छी गुणवत्ता के साथ होना चाहिए। उन्होंने मंडी परिषद को निर्देश देते हुए कहा कि किसान सड़कों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। किसानों की सुविधा का खास ध्यान रखा जाए। एफडीआर पद्धति से सड़कें बनाई जाएं। इस पद्धति के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों, धन व समय की बचत होती है तथा कार्य की गुणवत्ता में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि मंडी समिति के अंतर्गत आने वाली सभी सड़कों की मरम्मत एवं ड्रेनेज का कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए। क्वालिटी का विशेष ध्यान रखा जाए।

वहीं, एनएचएआई के अधिकारियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक हाईवे का निर्माण कार्य पूर्ण न हो जाए तब तक टोल टैक्स की वसूली न की जाए।

गड्ढा मुक्ति अभियान के लिए विभागीय कार्ययोजना से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़कों के लिए बजट का कोई अभाव नहीं है, आवश्यकता है कि सभी विभाग बेहतर नियोजन करें। उन्होंने सभी विभागों को यह निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क बनाने वाली एजेंसी व ठेकेदार सड़क बनने के अगले पांच वर्ष तक उसके अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएगा। इस बारे में नियम-शर्तें स्पष्ट रूप से उल्लिखित की जाएं। विभागीय मंत्री व अधिकारी फील्ड में रैंडम दौरा कर निर्माण परियोजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा करें। कार्यों के प्रति जवाबदेही भी तय की जाय। मुख्यमंत्री ने कार्य को मैनुअल के स्थान पर मैकेनाइज़्ड किये जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के पास सड़क मरम्मत के लिए पर्याप्त इक्विपमेंट होने चाहिए। सड़कों के पैच ठीक करने की कार्रवाई ऑटो मोड पर की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों पर किए जाने वाले बेतरतीब कार्यों से दुर्घटना होने की संभावना बनती है। सड़कों पर सीवर लाइन तथा पाइपलाइन आदि डालने के बाद ठीक ढंग से मरम्मत की जानी चाहिए। सड़कों पर ऊंचे ब्रेकर से दुर्घटना होने की संभावना बनती है। अतः सड़कों पर टेबल टॉप

मदरसा कांड के आरोपियों को रिमांड में लेगी पुलिस

प्रयागराज, 24 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के मदरसे में 100-100 के नकली नोट छापने के आरोपियों की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर हो गई है। सभी चार आरोपी नैनी सेंट्रल जेल में बंद हैं।

पुलिस टीम इन्हें लेने नैनी जेल पहुंची है। कागजी कार्रवाई की जा रही है। सिविल लाइन थाना पुलिस मौलवी समेत चारों आरोपियों को थाने लाएगी। यहां इनसे केस से जुड़े तमाम सवाल पूछे जाएंगे। आरोपियों पर जाली नोट के अलावा मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों का ब्रेन वॉश करने का भी आरोप है। इसके अलावा ये कहां-कहां जाली नोट खपाते थे? इनके नेटवर्क में और कौन-कौन जुड़ा था? क्या कोई विदेशी फंडिंग की जा रही थी या विदेश से इनका कोई लिंक है? इन सवालों पर पड़ताल की जाएगी। आरोपियों से एविडेंस के लिए भी सवाल जवाब होंगे। गौरतलब हो कि जाली नोटों की खेप पकड़े जाने के बाद IB की टीम ने भी जांच पड़ताल की थी। ऐसे में यह भी कहा जा रहा है कि खुफिया सुरक्षा एजेंसी भी आरोपियों से पूछताछ कर सकती है। पुलिस के साथ ही आईबी भी इस मामले की पड़ताल में जुटी है। इतने सनसनीखेज मामलों का खुलासा होने के बाद पीडीए ने मदरसे को सील कर दिया था। अवैध निर्माण किए जाने को लेकर पीडीए ने दो नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। मदरसे पर बुलडोजर एक्शन की तैयारी भी थी। हालांकि मदरसा कमेटी ने 100 पन्नों की रिपोर्ट पीडीए को सौंप सफाई दी है। अब पीडीए जांच कर रहा है। इस मामले में सिविल लाइंस थाने की पुलिस चार्जशीट से पहले आरोपियों को रिमांड पर लेकर कई राज को खोलना चाहती है। नकली नोटों की बरामदगी के बाद पुलिस को आरोपियों को जेल भेजना पड़ा था।

मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम में जाली करेंसी छापने, आरएसएस आतंकी संगठन शीर्षक किताबों के जरिए छात्रों का ब्रेन वॉश करने का मामला काफी तूल पकड़ गया था। पुलिस, खुफिया एजेंसियों की की पड़ताल के बाद प्रयागराज विकास प्राधिकरण यानि पीडीए ने मदरसे के खिलाफ एक्शन शुरू किया था।

यूपी में खाने की दुकानों पर नेमप्लेट अनिवार्य

पूरे रेस्टोरेंट में सीसीटीवी लगाने होंगे, मास्क-ग्लव्स पहनना जरूरी

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)। तिरुपति मंदिर के प्रसादम में जानवर की चर्बी मिलने की खबरों के बीच यूपी सरकार ने खाने की दुकानों पर नेमप्लेट यानी दुकानदार का नाम लिखना अनिवार्य कर दिया है। सीएम योगी ने मंगलवार को यह आदेश दिए। उन्होंने कहा- खाने-पीने की चीजों में मानव अपशिष्ट मिलाना वीभत्स है। यह कतई बर्दाश्त नहीं। ऐसा करने पर कठोर कार्रवाई होगी।

मंगलवार को योगी ने खाद्य विभाग के साथ बैठक की। सीएम ने कहा- प्रदेश के सभी होटलों, ढाबों, रेस्टोरेंट की गहन जांच की जाए। हर कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन किया जाए। उन्होंने खाने की चीजों की शुद्धता के लिए खाद्य सुरक्षा अधिनियम में आवश्यक संशोधन के निर्देश भी दिए हैं।

सरकार के नए आदेश के मुताबिक, खान-पान के केंद्रों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर का नाम और पता डिस्प्ले करना अनिवार्य होगा। रेस्टोरेंट में सीसीटीवी लगाने होंगे। इसके अलावा कर्मचारियों को मास्क-ग्लव्स पहनना जरूरी होगा। इससे पहले यूपी सरकार ने कांवड़ रूट की दुकानों पर नेमप्लेट अनिवार्य किया था। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर रोक लगा दी थी। सीएम ने कहा- हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की चीजों में मानव अपशिष्ट की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं। लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे प्रयास कतई स्वीकार नहीं। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाएं।

ढाबों और रेस्टोरेंट की जांच की जानी आवश्यक है। प्रदेश में अभियान चलाकर कर्मचारियों का वैरिफिकेशन किया जाए। इसे खाद्य सुरक्षा, पुलिस और प्रशासन की टीम जल्द से जल्द करे। खान-पान के प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर के नाम और पता डिस्प्ले किया जाए। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा अधिनियम में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किया जाए।

खान पान के केंद्रों पर साफ-सफाई होनी चाहिए। शेफ और वेटर को मास्क और ग्लव्स पहनना जरूरी है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। लोगों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।

भाजपा विधायक बोले-आगरा पुलिस माफिया को संरक्षण दे रही

आगरा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा से भाजपा विधायक और पूर्व राज्यमंत्री डॉ. जीएस धर्मेश ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने लेटर जारी कर लिखा- आगरा पुलिस कमिश्नरेट नहीं, बल्कि कमीशन का रेट है। अधिकारी से लेकर पुलिसकर्मी तक मुख्यमंत्री की अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को बर्बाद करने में लगे हैं। भू-माफिया और अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है।

भाजपा विधायक ने कहा- छत्ता थाने से तीन लोगों को गिरफ्तारी के बाद छोड़ दिया गया। उनके पास कई साक्ष्य हैं। इसको लेकर वो जल्द ही सीएम योगी से मुलाकात करेंगे। इस मामले में हमने पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ से बात करने की कोशिश की, लेकिन उनका फोन नहीं उठा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। उन्होंने X पर लिखा- भाजपा राज में 'कमिश्नरेट' दरअसल 'करेपश्नेट' बन गये हैं। कमिश्नरेट वसूली का विकेंद्रीकरण है। भाजपा विधायक ने कहा- कोर्ट में पुलिस की लचर पैरवी के चलते अपराधी, बलात्कारी और भू-माफिया आए दिन बरी हो रहे हैं।

औरंगाबाद में इस माह 39 डेंगू मरीज मिले

औरंगाबाद, 24 सितंबर (एजेंसियां)। औरंगाबाद जिले में डेंगू का कहर बरप रहा है। डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस माह में एलिजा टेस्ट में अबतक 39 लोग डेंगू के पॉजिटिव पाए गए हैं। एनएस1 के माध्यम से 185 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं।

हालांकि 771 लोगों का 1 अगस्त से अब तक सैंपल लिया गया है। इन सभी का औरंगाबाद सदर अस्पताल के डेंगू वार्ड में इलाज किया गया है। अभी चार से पांच मरीजों का वार्ड में इलाज चल रहा है। 22 और 23 सितंबर को सैंपल के बाद एक भी डेंगू पॉजिटिव नहीं मिले। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. आशुतोष कुमार ने बताया कि डेंगू वार्ड में डेंगू के शिकार उन्ही मरीजों को भर्ती किया जाता है, जिनका प्लेटलेट्स काउंट कम पाया जाता है।

'जाहिद सब्जी बेचता था, गाजीपुर में मुठभेड़ दिखाकर पुलिस ने मार डाला' पटना में परिवार का आरोप

पटना, 24 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में सोमवार की आधी रात को फुलवारी शरीफ के निवासी जाहिद उर्फ सोनू को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। हालांकि जाहिद उर्फ सोनू के परिजनों ने इस एनकाउंटर को फर्जी मुठभेड़ बताते हुए जांच की मांग की है। परिवार वालों का कहना है कि मोहम्मद जाहिद उर्फ सोनू सब्जी बेचता था। पुलिस उसे पटना से गिरफ्तार कर उत्तर प्रदेश ले गई और फिर एक फर्जी एनकाउंटर में उसे मार गिराया। परिवार के लोगों ने यह भी बताया कि पुलिस ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम होने की बात कही है,जो बिल्कुल गलत और तथ्यहीन है।

आरपीएफ के दो जवानों की हत्या का भी था आरोप

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर की पुलिस और एसटीएफ ने संयुक्त अभियान में सोमवार की रात 1:00 बजे एक लाख रुपये के इनामी मोहम्मद जाहिद उर्फ सोनू को एनकाउंटर में मार गिराने का दावा किया है। मोहम्मद जाहिद उर्फ सोनू पर आरपीएफ के दो जवानों की हत्या करने के आरोप के साथ-साथ उस पर शराब तस्करी सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस का दावा है कि मोहम्मद जाहिद उर्फ सोनू पर एक लाख का इनाम घोषित था। पुलिस ने यह भी आरोप लगाया है कि मोहम्मद जाहिद उर्फ सोनू ने आरपीएफ के दो जवानों को 20 अगस्त को गुवाहाटी एक्सप्रेस में हत्या करने के बाद उसके शव को चलती ट्रेन से फेंक दिया था। झूठा केस कर के पुलिस ने किया है एनकाउंटर, इसकी हो सही से जांच

मोहम्मद जाहिद उर्फ सोनू के पिता मोहम्मद मुस्तफा और भाभी आवरीन का कहना है कि मोहम्मद जाहिद उर्फ सोनू पर लगाए गए सभी आरोप झूठे और गलत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुसलमान होने के नाते मोहम्मद जाहिद उर्फ सोनू पर झूठा आरोप लगाकर उसे एनकाउंटर में मार गिराया गया। परिवार के लोगों ने यह भी बताया कि अभी 2 दिन पहले उत्तर प्रदेश और फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस मोहम्मद जाहिद उर्फ सोनू को खोजते हुए मंसूर गली के घर पहुंची थी। उनके पिता मोहम्मद मुस्तफा ने बताया कि मोहम्मद जाहिद कुछ वर्ष पूर्व एक महिला से शादी कर लिया था और वह उसके साथ घर से अलग एक कॉलोनी में किराए पर मकान लेकर रहता था।

जयंत चौधरी का योगी को लेटर

किसानों को मुआवजा दें: ब्रज में बाढ़ से फसलें बर्बाद हुई 4 फीट तक पानी भरा, एटा में किसान ने दम तोड़ा

मेरठ, 24 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने सीएम योगी को लेटर लिखा है। ब्रज क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित किसानों की फसलों के नुकसान पर चिंता जाहिर की है। किसानों को राहत देने की मांग की है। जयंत ने लेटर में लिखा- पिछले दिनों मैंने उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया। जहां देखा कि बाढ़ के कारण किसानों की फसलों को बहुत नुकसान हुआ है। उन्हें तत्काल राहत पहुंचाए जाने की जरूरत है। जयंत ने योगी से अपील की है कि पूरे उत्तर प्रदेश के साथ-साथ ब्रज क्षेत्र के प्रभावित गांवों का भी प्राथमिकता के आधार पर सर्वे कराया जाए। किसानों को फसल बीमा योजना के तहत उचित मुआवजा दिया जाए। मथुरा में खेतों में पानी भरने से धान की फसलें डूब गई हैं। छाता क्षेत्र के खायरा गांव के खेतों में 3 से 4 फीट तक पानी भर गया है। किसान बनवारी पांडेय ने बताया- हमारी फसल डूब गई है। हम तो बर्बाद हो गए हैं। अब गेहूं की फसल की बुवाई भी नहीं हो पाएगी।

एटा में 21 सितंबर को किसान बलवीर सिंह (52) खेत गए। बारिश से खराब फसल देखकर उन्हें हार्ट अटैक आ गया। बेटे रोहित ने बताया- खेत में खड़ी मिर्च और बाजरे की फसल में पानी भर गया था। पिता जी फसल की हालत देखकर रोने लगे। कहा- अब तो मैं बर्बाद हो गया, इतने में वो खेत में गिर पड़े। रोहित ने थाना सकरौली में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। अलीगढ़ में 11 से 13 सितंबर तक भारी बारिश हुई। इसके बाद फिर 17 और 18 सितंबर को मूसलाधार बारिश हुई। खेत पानी से भर गए। धान की फसल पक चुकी है, इसी बीच बारिश में कहीं फसल डूब गई तो कहीं गिर गईं।

30 की उम्र में आवेदन, 57 में फिजिकल टेस्ट

10 नाती-पोते वाले रिटायमेंट की उम्र में होमगार्ड भर्ती में लगा रहे दौड़

आरा (भोजपुर), 24 सितंबर (एजेंसियां)। आरा के पुलिस लाइन में पिछले तीन दिनों से सैकड़ों लोगों की भीड़ दिख रही है। तकरीबन सभी लोगों के सिर के बाल सफेद हो चुके हैं या फिर आधे उड़ चुके हैं। झुलसा देने वाली धूप में इनमें से कुछ लोग ट्रैक सूट में तो कुछ बनियान और हाफ पैंट में नजर आ रहे हैं। यह नजारा है होमगार्ड भर्ती का। अभ्यर्थियों में से ज्यादातर की उम्र अब रिटायरमेंट तक जा पहुंची है पर वो जॉब की तलाश में होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा में दौड़ लगाने पहुंच रहे हैं।

दरअसल, 2006 में होमगार्ड में कॉन्स्टेबल पद की जॉब के लिए आवेदन भरने वाले अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा 18 साल बाद अब ली जा रही है। 21 हजार 724 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। ऐसे में जो अभ्यर्थी आवेदन भरते वक्त 30 साल के थे वो अब 48 के हो चुके हैं। कई के नाती-पोते तक अब जॉब की तैयारी में जुटे हैं। ऐसे अभ्यर्थियों से दौड़ना भी मुश्किल हो रहा है। चरपोखरी प्रखंड के ध्रुवदीहा निवासी 57 साल के योगेंद्र पाठक भी इन अभ्यर्थियों में से एक हैं। फिलहाल वो पूजा पाठ करवा कर गुजर बसर करते हैं। वो कहते हैं कि जब 2006 में इस होमगार्ड भर्ती के लिए आवेदन भरा था तो 25 साल का था। अब दो बेटा, तीन बेटी है और 10 नाती-पोते हैं। योगेंद्र पाठक कहते हैं कि 'नौकरी मिल भी गई तो कुछ ही साल कर पाऊंगा। हालांकि, चिंता यह सता रही है कि ढाई मिनट में 800 मीटर की दौड़ कैसे पूरा करूंगा। इनके साथ ही अभ्यर्थी कृष्ण कांत मिश्रा 50 साल के हैं। इन्हें दो बेटे और दो बेटियां हैं। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है।

होमगार्ड में कॉन्स्टेबल पद की भर्ती के विज्ञापन संख्या 1/2006 के लिए अभ्यर्थियों ने प्रखंडवार आवेदन भोजपुर डीएम कार्यालय में जमा किया था। इस जॉब के लिए 5 साल तक कुछ नहीं हुआ। इसके बाद 2011 में दूसरी भर्ती निकाली गई और इसके बाद अभ्यर्थियों ने आवेदन जिला समादेष्टा कार्यालय में जमा किया। लेकिन, सभी फॉर्म का रखरखाव ठीक से नहीं होने की वजह से वो खराब हो गए। इसके बाद तत्कालीन डीएम संजीव कुमार ने बहाली प्रक्रिया को रद्द करने के लिए मुख्यालय को चिट्ठी लिखी। पर 2011 में भर्ती आवेदन के अभ्यर्थियों ने इस मामले को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश के बाद 2011 में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की 2022 में भर्ती आयोजित की गई।

बैग छीना-कार में खींचा होटल ले जाकर गैंगरेप

5वीं की छात्रा के साथ हैवानियत; दो युवकों पर पिता ने दर्ज कराया केस

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में 5वीं की एक छात्रा से गैंगरेप किया गया। दो युवकों ने उसे स्कूल से लौटते वक्त किडनैप किया। पहले बैग छीना, फिर कार में खींचकर बैठा लिया। जबरन उसे होटल ले गए और गलत काम किया। घटना सरोजनी नगर थाना क्षेत्र की है। युवकों ने मासूम की अश्लील तस्वीरें लीं और वीडियो भी बनाया। उन्होंने धमकी दी, कि किसी से घटना का जिक्र किया, तो वीडियो वायरल कर देंगे। दोनों आरोपियों ने वापस मासूम को उसके घर के पास छोड़ा और फरार हो गए। किसी तरह घर पहुंची मासूम ने पिता को आपबीती सुनाई। सुनते ही पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई, पिता ने कहा- वह इतना रो रही थी, कि कुछ बता ही नहीं पा रही थी। फिलहाल सरोजनी नगर थाने की पुलिस ने पिता की शिकायत के आधार पर जांच शुरू की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जो भी फैक्ट सामने आते हैं, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, सरोजनी नगर निवासी एक परिवार की बेटी रोजाना की तरह सोमवार को स्कूल गई थी। वह कक्षा पांच में पढ़ती है, उम्र करीब 14 साल है। स्कूल से छुट्टी होने के बाद दोपहर करीब 1 बजे वह वापस घर लौट रही थी। उसी समय दो युवक पहुंचे और बच्ची का बैग छीनने लगे। जब उसने विरोध किया, तो दोनों ने हाथ पकड़कर उसे कार में खींच लिया और दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद वे कृष्णा नगर एरिया में होटल पैराडाइज शांति इन पहुंचे। आरोप है कि दोनों युवकों ने इसी होटल में बच्ची के साथ गैंगरेप किया। अश्लील वीडियो बनाए। दोनों ने मासूम को धमकाया, कि किसी को बताया, तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे। पीड़िता के पिता ने पुलिस को बताया कि शाम करीब 4 बजे आरोपियों ने उनकी बेटी को घर के पास छोड़ दिया और भाग गए। बेटी को बदहवास हालत में देखकर हम उसको घर में ले गए। वहां, कई बार उससे पूछा, तब बेटी ने पूरी बात बताई।

पटना एम्स के निदेशक पुत्र के ओबीसी प्रमाण पत्र में अनियमितता

स्वास्थ्य मंत्रालय ने गठित की जांच समिति

पटना, 24 सितंबर (एजेंसियां)। पटना एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. गोपाल कृष्ण पाल के बेटे डॉ. अरुप्रकाश पाल के गैर-क्रीमी लेयर ओबीसी प्रमाण पत्र में अनियमितता की शिकायतें मिली हैं। इसे लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मामले की जांच के लिए एक समिति का गठन किया है। इस समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, शिकायतों में आरोप लगाए गए हैं कि डॉ. अरुप्रकाश पाल को ओबीसी (गैर-क्रीमी लेयर) प्रमाण पत्र जारी करने में अनियमितताएं की गई हैं। इस संदर्भ में मिली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मंत्रालय ने तत्काल कार्रवाई की है और एक समिति गठित की है, जो सभी तथ्यों और प्रमाणों की जांच करेगी। समिति इस मामले की गहनता से जांच करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता या नियमों का उल्लंघन न हुआ हो। समिति को अपनी जांच पूरी कर एक सप्ताह के भीतर स्वास्थ्य मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। इस मामले को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अनियमितता की शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है और अगर कोई दोष पाया जाता है, तो उचित कार्रवाई की जाएगी। यह मामला वर्तमान में एम्स पटना और स्वास्थ्य मंत्रालय के उच्चाधिकारियों के ध्यान में है और इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। जानकारी के मुताबिक, इससे पहले गोरखपुर और पटना एआईआईएमएस के डायरेक्टर डॉ. गोपाल कृष्ण पाल पर फर्जी ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) प्रमाणपत्र बनवाकर अपने बेटे और बेटी को गोरखपुर और पटना एआईआईएमएस में नौकरी दिलाने के गंभीर आरोप लग चुके हैं। गोरखपुर एआईआईएमएस के सर्जरी विभाग के प्रमुख (एचओडी) डॉ. गौरव गुप्ता ने उनके खिलाफ गोरखपुर एआईआईएमएस पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि डायरेक्टर ने फर्जी ओबीसी प्रमाणपत्र बनाकर अपने बच्चों को नियुक्ति दिलाई है। मामले की जांच के दौरान पता चला कि डॉ. गोपाल कृष्ण पाल ने अपने बेटे अरुप्रकाश पाल के लिए फर्जी ओबीसी सर्टिफिकेट का उपयोग कर उसे गोरखपुर एआईआईएमएस में एमडी-पीजी कोर्स में दाखिला दिलाया।

क्या है पूरा मामला?

डॉ. गौरव गुप्ता के अनुसार, डॉ. गोपाल कृष्ण पाल और उनका परिवार सामान्य वर्ग (ठाकुर) से आता है, लेकिन उन्होंने अपने बेटे अरुप्रकाश पाल और बेटी के लिए फर्जी ओबीसी प्रमाणपत्र बनवाया। इस प्रमाणपत्र में उनकी पारिवारिक आय 80 लाख रुपये के बजाय केवल आठ लाख रुपये दर्शाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस फर्जीवाड़े में डॉ. गोपाल कृष्ण पाल, उनकी पत्नी प्रभाती पाल और उनका बेटा अरुप्रकाश पाल शामिल हैं। शिकायत में इन तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की गई है।

बढ़ती उम्र में छोड़ दीजिए पोस्ट पर अशोक चौधरी तलब

सीएम हाउस में नीतीश से मिले; राजद बोली- ये तो ट्रेलर है, पिक्चर बाकी है

पटना, 24 सितंबर (एजेंसियां)। जेडीयू के भीतर सब कुछ सही नहीं चल रहा है। एक बार फिर से पार्टी का मतभेद खुलकर जमीन पर आ गया है। सीएम नीतीश के करीबी और सरकार में मंत्री अशोक चौधरी के एक्स पर किए एक पोस्ट के बाद बवाल हो गया है। इस पोस्ट में उन्होंने बिना किसी का नाम लिए एक कविता शेयर की है। इसकी पहली ही पंक्ति है कि बढ़ती उम्र में इन्हें छोड़ दीजिए। इस पोस्ट के कई मायने निकाले जा रहे हैं। अंदर खाने ये चर्चा चल रही है कि इशारों में सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा गया है।

इस पोस्ट के बाद मंत्री अशोक चौधरी को मंगलवार को नीतीश कुमार ने सीएम हाउस तलब किया है।। लगभग 45 मिनट तक अशोक चौधरी सीएम हाउस के अंदर रहे। सीएम से मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि इस पोस्ट का पॉलिटिक्स से कोई लेना-देना नहीं है। इस घटना क्रम पर राजद ने तंज कसा है, कहा है कि ये ट्रेलर, पिक्चर अभी बाकी है।

अशोक चौधरी के पोस्ट पर जदयू के ही एमएलसी और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि 'नीतीश कुमार पर कौन निशाना साध लेगा। नीतीश कुमार जनता के दिल में बसते हैं।

सुविचार: अतीत में मत रहो, भविष्य के सपने मत देखो, मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।

मूसी जलग्रहण क्षेत्र में रहने वाले पात्र गरीबों का विवरण इकट्ठा करने का निर्देश

सीएम ने मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट और हैदराबाद मेट्रो रेल पर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा की

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में अतिक्रमित तालाबों और नहरों के साथ मुसी जलग्रहण क्षेत्र में रहने वाले पात्र गरीबों का विवरण इकट्ठा करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को सुझाव दिया गया कि योग्य गरीबों को सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास अवश्य करें। निर्देश दिया गया कि योग्य गरीब परिवारों को सड़कों पर न छोड़ा जाए, उन्हें डबल बेडरूम का घर आवंटित किया जाए या कोई अन्य विकल्प दिखाया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आउटर रिंग रोड के अंदर के तालाबों और पोखरों के संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का निर्देश दिया। उन्होंने उन्हें प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के लिए भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उनकी रक्षा करने की आवश्यकता की याद दिलाई। उन्होंने आदेश दिया कि निगरानी को और सख्त किया जाए ताकि झीलों और नहरों पर अतिक्रमण न हो सके। इसके तहत शहर के सभी तालाबों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और उन्हें कमांड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि आउटर रिंग रोड के अंदर जितने भी तालाब, पोखर एवं नालियां हैं, उन्हें चिन्हित कर एफटीएल एवं बफर जोन चिन्हित किया जाए। अधिकारियों को हैदराबाद शहर में बाहरी रिंग रोड के भीतर हर तालाब और नहर के अतिक्रमण का विवरण इकट्ठा करने का आदेश दिया गया था। अधिकारियों को इनसे संबंधित पूरी रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उन्होंने आगाह किया कि सरकार को वास्तविक और योग्य गरीबों को नुकसान रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट और हैदराबाद मेट्रो रेल पर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इस बैठक में नगर निगम विभाग के प्रधान सचिव दानकिशोर, मेट्रो रेल एमडी एनवीएस रेड्डी, सलाहकार श्रीनिवास राजू, सीएम के विशेष सचिव अजित रेड्डी, जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली कटा, एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद, रंगारेड्डी, हैदराबाद जिला कलेक्टर और अन्य उच्च अधिकारियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट से भावी शहर तक मेट्रो लाइन को लेकर पूरी रिपोर्ट तैयार करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि ओल्ड सिटी मेट्रो के विस्तार का काम तेजी से किया जाना चाहिए। यदि मेट्रो लाइनों से संबंधित भूमि अधिग्रहण और अन्य बाधाएं हैं, तो अधिकारियों को उन पर विशेष ध्यान देना चाहिए और उनका समाधान करना चाहिए। इस मौके पर अधिकारियों ने सीएम को एलबी नगर से हयात नगर, एमजीबीएस से चंद्रायणगुट्टा तक मेट्रो विस्तार से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। सीएम ने कहा कि मेट्रो विस्तार रूट को लेकर पूरी डीपीआर तैयार कर दशहरे से पहले केंद्र को सौंपी जाए।

राष्ट्रीय लोक अदालत 28 को

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सीवी आनंद ने कहा कि तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण विवादों और समझौता योग्य आपराधिक मामलों आदि से संबंधित लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए 28 सितंबर को तेलंगाना राज्य की सभी अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसलिए सभी पक्ष इस अवसर का उपयोग आपके मामलों को निपटाने के लिए कर सकते हैं। इस लोक अदालत में मामले का निपटारा करके आप अपना समय और पैसा बचा सकते हैं।

जोगुलाम्बा देवी शरणनवरात्रि ब्रह्मोत्सवम के लिए पुलिस महानिदेशक को निमंत्रण

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देवस्थानम की ओर से डीजीपी जितेंद्र को तेलंगाना राज्य के एकमात्र शक्तिपीठ आलमपुरम जोगुलम्बा बाला ब्रह्मेश्वर स्वामी मंदिर में 3 से 12 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले देवी शरणनवरात्रि ब्रह्मोत्सव का निमंत्रण मिला है।

इस संबंध में मंगलवार को मंदिर के ईओ पुरेंद्र कुमार, मंदिर के मुख्य पुजारी ब्रह्माश्री डिंडीगल आनंद शर्मा डीजीपी और अतिरिक्त डीजीपी महेश भागवत के साथ आईजीपी एम. रमेश ने ब्रह्मोत्सवम का निमंत्रण पत्र सौंपा। इसी प्रकार देवस्थानम प्रसाद के साथ देवी की अस्थियां भेंट कर वैदिक आशीर्वाद दिया गया।

हाइड्रा की आड़ में गरीबों का जीवन बर्बाद कर रहे सीएम

केटीआर ने रेवंत रेड्डी पर कसा तंज

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके भाई ए तिरुपति रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वे हाइड्रा संचालन की आड़ में गरीबों का जीवन बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना की कि वह वंचितों के घरों और व्यवसायों को बिना पर्याप्त सहायता या पुनर्वास के लिए समय दिए बेरहमी से ध्वस्त कर रही है। उन्होंने पूछा कि हाइड्रा के नाम पर गरीबों को सड़कों पर फेंका जा रहा है लेकिन तिरुपति रेड्डी को नोटिस दिया गया, जिससे उन्हें अदालत में जाने और स्थगन आदेश प्राप्त करने की अनुमति

मिल गई, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस विनाश के दौरान उनकी संपत्ति अछूती रहे। क्या गरीबों के लिए एक नियम है और मुख्यमंत्री और उनके परिवार के लिए दूसरा?

मंगलवार को सेरलिंगमपल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में बोलते हुए रामा राव ने रेवंत रेड्डी और उनके परिवार पर राज्य को लूटने और कमजोर समुदायों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि सेरलिंगमपल्ली के विधायक अरेकापुडी गांधी ने खुद आरोप लगाया था कि तिरुपति रेड्डी माधापुर में 'कमीशन की दुकान' चला रहे थे। उन्होंने घोषणा की कि सेरलिंगमपल्ली में उपचुनाव आसन्न है और विश्वास जताया कि बीआरएस विजयी होगी। उन्होंने कहा कि लोग कांग्रेस से नाराज हैं और वे बदलाव के लिए वोट करेंगे। सेरलिंगमपल्ली को जल्द ही नया विधायक मिलेगा।

विधायकों को हाईकोर्ट का नोटिस

बीआरएस टिकट पर निर्वाचित होकर कांग्रेस में हुए शामिल

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 2023 विधानसभा चुनाव के बाद अपनी मूल पार्टी से इस्तीफा दिए बिना कांग्रेस में शामिल होने वाले बीआरएस के 10 विधायकों को नोटिस जारी किया है। जिन विधायकों के नाम हैं, उनमें दानम नागेंद्र, बंडला कृष्ण मोहन रेड्डी, कडियम श्रीहरि और पोचाराम

श्रीनिवास जैसे प्रमुख नेता शामिल हैं।

अदालत प्रजा शांति पार्टी के प्रमुख केए पॉल द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) का जवाब दे रही थी, जिसमें भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत दलबदल विरोधी प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए इन विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की गई थी। पॉल ने तर्क दिया कि बीआरएस टिकट पर चुने गए ये विधायक इस्तीफा दिए बिना कांग्रेस में शामिल हो गए, जो संवैधानिक कानून का उल्लंघन है।

मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति श्रीनिवास राव की पीठ ने तेलंगाना विधानसभा के सचिव और भारत के निर्वाचन आयोग के सचिव को भी नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। सुनवाई के दौरान डॉ. पॉल ने अदालत से आग्रह किया कि दलबदलू विधायकों को आगामी विधानसभा सत्र में भाग लेने या मतदान के अधिकार का प्रयोग करने से रोकने के लिए अंतरिम आदेश पारित किया जाए। पीठ ने याचिकाकर्ता द्वारा यह स्पष्ट नहीं किए जाने का हवाला देते हुए ऐसा करने से इनकार कर दिया कि तेलंगाना राज्य विधानसभा वर्तमान में सत्र में है या नहीं। अदालत ने मामले को स्थगित कर दिया तथा प्रतिवादियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया।

सभी को स्वच्छता का हिस्सा बनना चाहिए : पोन्नम

मंत्री ने स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद एलम्मा तालाब में स्वच्छता ही सेवा-2024 कार्यक्रम में हिस्सा लिया। एल्लम्मा तालाब में गणेश विसर्जन के बाद मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने खुद कचरा हटाया। मंत्री ने तालाब में फैले कचरे को फावड़े से उठाकर ट्रैक्टर में डाला। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष अकुला राजिथा वेंकन्ना, उपाध्यक्ष अनिता, नगर पार्षद, टाउन कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता आरडीओ, नगर आयुक्त, एमएमएआरओ और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि पूरे राज्य में गणेश नवरात्रि उत्सव बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। प्रतिमाओं का जुलूस के रूप में विसर्जन किया गया। विसर्जन के साथ कार्यक्रम समाप्त नहीं हुआ। विसर्जन के बाद गणेश को जिस भी तालाब में रखेंगे, कूड़ा-कचरा हटाने के बाद ही गणेश उत्सव पूरा होगा।पूरे तेलंगाना में गणेश के आयोजक जो गणेश उत्सव में सक्रिय हैं, उन्हें स्वच्छ भारत, स्वच्छ तेलंगाना को आपके और आपके गांवों के लिए अच्छा बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए, जिस स्थान पर गणेश का विसर्जन किया जाता है, उसके आसपास के जलाशयों से कचरा हटाकर और आसपास के वातावरण को साफ रखना चाहिए। स्वच्छता की सेवा में भागीदारी के लिए सभी को गांधी जी के बताए सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। हुस्नाबाद को स्वच्छ हुस्नाबाद बनाने के लिए नगर निगम का अमला जुटा हुआ है। इससे पहले हमने 2 अक्टूबर को सफाई कर्मचारियों का सम्मान किया था। ऐसे ही कार्यक्रम भी किये जाने चाहिए। सभी को स्वच्छता का हिस्सा बनना चाहिए।

हैदराबाद में कई जगहों पर पड़े आयकर छापे

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर (आईटी) विभाग द्वारा हैदराबाद में विभिन्न पॉश स्थानों पर मंगलवार सुबह से शुरू की गई एक साथ तलाशी जारी है। आयकर अधिकारियों की 10 टीमें मंगलवार सुबह से ही कुकटपल्ली, बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स, माधापुर, बशीरबाग और अन्य क्षेत्रों में विभिन्न परिसरों में तलाशी ले रही हैं और छापेमारी कुछ और घंटों तक चलने की उम्मीद है।

संदिग्ध वित्तीय अनियमितताओं की जांच के तहत आवासीय और व्यावसायिक दोनों परिसरों में तलाशी ली जा रही है। आयकर विभाग की टीम ने जिन जगहों पर छापेमारी की, उनमें व्यवसायी बोल्ला रामकृष्ण का परिसर भी शामिल है, जो एक टेलीविजन चैनल भी चलाते हैं। एक टीम ने कुकटपल्ली में रेनबो विस्टास रॉक गार्डन स्थित उनके आवास की तलाशी ली। 8 अधिकारियों की एक टीम ने उनके अपार्टमेंट की गहन तलाशी ली और वित्तीय लेनदेन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। रामकृष्ण वित्त, स्वास्थ्य सेवा, शराब और रियल एस्टेट सहित विभिन्न व्यवसायों में शामिल हैं। आयकर अधिकारियों की एक टीम एक वित्त कंपनी के मुख्यालय पर भी छापेमारी कर रही है। आयकर छापे आय विसंगतियों और संभावित कर चोरी की जांच का हिस्सा हैं।

डीजीपी ने जैनूर सांप्रदायिक हिंसा को बताया 'दुर्भाग्यपूर्ण'

अब तक 38 लोगों को किया गया है गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र ने आसिफाबाद जिले के जैनूर मंडल में हुई सांप्रदायिक हिंसा को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। मंगलवार को डीजीपी कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए डॉ. जितेन्द्र ने कहा कि कथित यौन उत्पीड़न की घटना के विरोध में जैनूर में बंद की घोषणा के बाद हितधारकों के साथ एक बैठक हुई और आयोजकों ने आश्वासन दिया कि यह एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन होगा।

डीजीपी ने कहा कि बंद का आह्वान करने वाले लोग अपनी बात पर कायम नहीं रहे। अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात करके स्थिति को नियंत्रण में लाया गया और कई मामले दर्ज किए गए। अब तक 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि हिंसा भड़कने के तुरंत बाद अतिरिक्त बलों को प्रभावित क्षेत्र में भेजा गया।

उन्होंने कहा कि हिंसा के बाद अतिरिक्त डीजीपी (कानून व्यवस्था) और महानिरीक्षक ने प्रभावित क्षेत्र में जाकर डेरा डाला। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे।

डीसीए ने दो क्लीनिकों पर मारे छापे

दवाओं का अवैध स्टॉक जब्त

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए), तेलंगाना ने वानापर्थी और नारायणपेट जिलों में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा संचालित दो क्लीनिकों पर छापे मारे और बिक्री के लिए रखे गए दवाओं के अवैध स्टॉक को जब्त कर लिया। विशिष्ट अलर्ट के आधार पर, डीसीए के औषधि निरीक्षकों ने दो व्यक्तियों के प्रतिष्ठानों पर छापा मारा, जो झूठा दावा कर रहे थे कि वे एलोपैथिक चिकित्सक हैं।

पहली छापेमारी वानापर्थी जिले के पंगल मंडल में एक अयोग्य चिकित्सक (क्वैक) मोहम्मद नवाज मिया द्वारा संचालित एक क्लिनिक पर की गई। टीएसडीसीए अधिकारियों ने बिक्री के लिए अवैध रूप से संग्रहित 28 विभिन्न प्रकार की दवाइयां जब्त कीं। दूसरा छापा नारायणपेट जिले के निदुगुर्थी गांव में बट्टी श्रीनिवास गौड़ द्वारा संचालित एक क्लिनिक पर मारा गया, जहां डीसीए ने बिक्री के लिए अवैध रूप से भंडारित 30 प्रकार की दवाइयां जब्त कीं।

डीजी, डीसीए, वी.बी. कमलासन रेड्डी ने छापेमारी के दौरान बताया कि टीएसडीसीए अधिकारियों ने क्लीनिकों में कई उच्च पीढ़ी के एंटीबायोटिक्स और स्टेरॉयड पाए तथा इस प्रक्रिया में कुल 55,000 रुपये मूल्य का स्टॉक जब्त किया। तेलंगाना का औषधि नियंत्रण प्रशासन औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार औषधियों के भंडारण और बिक्री के लिए औषधि लाइसेंस जारी करता है और औषधि लाइसेंस के बिना बिक्री के लिए औषधियों का भंडारण करना अधिनियम के तहत दंडनीय है, जिसके लिए पांच वर्ष तक का कारावास हो सकता है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Army No.15440510K, L/Nk RAVI L KAMANI, want to change my wife's name from BHAGI-RATHI to BHAGIRATHI KAMANI in my Service Documents.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन ने नए मानक स्थापित

प्रतिदिन औसतन लगभग 2 लाख यात्री आते हैं स्टेशन पर

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे पूरे क्षेत्र में रेलवे स्टेशनों और अन्य रेलवे परिसरों में पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं के कार्यान्वयन में सबसे आगे रहा है। उसी के हिस्से के रूप में, एससीआर के सिकंदराबाद डिवीजन ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता और स्थिरता बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं। स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन लगभग 2 लाख यात्री आते हैं और स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 197 यात्री ट्रेनें संचालित होती हैं। सिकंदराबाद स्टेशन पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं के लिए एक मॉडल बन गया है, जो यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करते हुए स्थिरता प्राप्त करने के भारतीय रेलवे के लक्ष्य के अनुरूप है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर ऊर्जा कुशल और पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। स्टेशन 100 प्रतिशत एलईडी लाइटिंग, ऊर्जा कुशल बीएलडीसी पंखे और इनवर्टेड स्टार रेटेड एयर कंडीशनिंग इकाइयों से सुसज्जित है। स्टेशन को 500 केडब्ल्यूपी सौर ऊर्जा प्रणाली से भी लाभ मिलता है, जो इसके कार्बन पदचिह्न को कम करने में मदद करता है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन को आईजीबीसी- सीआईआई से 'प्लेटिनम' ग्रेड की प्रतिष्ठित ग्रीन रेटिंग मिली है, जिसमें भारतीय रेलवे में पहली बार 94 प्रतिशत का उच्चतम स्कोर है। स्टेशन को 12

जुलाई 2027 तक वैधता के साथ आईएसओ 14001:2015 से प्रमाणित किया गया है। नियमित जल और ऊर्जा ऑडिट संसाधन प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं का निरंतर पालन सुनिश्चित करते हैं।

सिकंदराबाद स्टेशन पर किए जा रहे कुछ पर्यावरण अनुकूल उपाय इस प्रकार हैं : जल संरक्षण और पुनर्चक्रण प्रयास 2400 किलोलीटर की दैनिक जल खपत के साथ, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर एक प्रभावी जल प्रबंधन रणनीति अपनाई गई है। स्टेशन पर स्थापित 500 केएलडी क्षमता वाला जल पुनर्चक्रण सीवेज उपचार संयंत्र न्यूनतम अपव्यय सुनिश्चित करता है, जो स्टेशन के शून्य जल अपव्यय के लक्ष्य का समर्थन करता है। यह प्रणाली स्टेशन भर में विभिन्न उपयोगों के लिए पानी को पुनर्चक्रित करती है, जिससे संरक्षण में महत्वपूर्ण प्रगति होती है। प्लास्टिक कचरे से निपटने के लिए, स्टेशन में दस प्लास्टिक बोतल श्रेडिंग मशीनें लगाई गई हैं, जो यात्रियों को पुनर्चक्रण प्रयासों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। 26 वर्ग मीटर में फैली एक सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधा (अपशिष्ट पृथक्करण शेड) कुशल अपशिष्ट पृथक्करण सुनिश्चित करती है। यात्रियों को डबल-डस्टबिन सिस्टम द्वारा निर्देशित किया जाता है, जहां हरे रंग के डिब्बे बायोडिग्रेडेबल कचरे को इकट्ठा करते हैं और नीले रंग के डिब्बे गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे को संभालते हैं।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर हाउसकीपिंग सेवाओं को पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों का उपयोग करके मशीनीकृत सफाई समाधानों के साथ आधुनिक बनाया गया है। 10.09 करोड़ मूल्य का तीन साल का अनुबंध किया गया है, जिसमें कूड़ा बीनना, कीट नियंत्रण और कृंतक प्रबंधन सहित विभिन्न सफाई कार्य शामिल हैं। स्टेशन पर 24 उन्नत सफाई मशीनें हैं, जिनमें ग्रेनाइट प्लेटफॉर्म सतहों के लिए राइड-ऑन स्क्रबर और ड्रायर, फुट-ओवर-ब्रिज की सफाई के लिए वॉक-बिहाइंड स्वीपिंग मशीनें और सूखे, फिसलन-मुक्त वॉशरूम को बनाए रखने के लिए वैक्यूम क्लीनर शामिल हैं। कांच और टाइल सतहों के लिए स्टीम क्लीनिंग मशीनों का उपयोग किया जाता है, जिससे स्वच्छता और सफाई दोनों सुनिश्चित होती है।

तेलंगाना विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनावों की तैयारियों की घोषणा

तीन एमएलसी निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदाता सूची तैयार करने का कार्यक्रम

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के दो शिक्षक और एक स्नातक एमएलसी का कार्यकाल 29 मार्च 2025 को समाप्त होने के साथ, तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), सी. सुदर्शन रेड्डी ने आगामी द्विवार्षिक चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंगलवार को जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ) और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के साथ आयोजित एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में सीईओ ने राज्य विधान परिषद में नियमित रिक्तियों को भरने के लिए चुनाव कराने के लिए आवश्यक कदमों की रूपरेखा तैयार की। विधान परिषद के जिन तीन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, वे हैं

1. मेडक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र 2. मेडक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र 3. वारंगल-खम्मम-नलगोंडा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। सीईओ ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नए मतदाता सूची तैयार करने का आदेश दिया है, जिसके लिए 1 नवंबर, 2024 को अर्हता तिथि माना गया है। ईसीआई द्वारा 5 सितंबर 2016 को जारी परिपत्र में जारी व्यापक दिशा-निर्देशों के अनुसार रोल तैयार किए जाएंगे। आज वीसी ने 30 सितंबर 2024 तक सभी फॉर्म 6, 7 और 8 का घर-घर जाकर सत्यापन पूरा करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 31 (3) के तहत सार्वजनिक सूचना जारी करना, 30 सितंबर 2024 (सोमवार), निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 31 (4) के तहत समाचार पत्रों में सूचना का पहला पुनर्प्रकाशन, 16 अक्टूबर 2024 (बुधवार), निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 31 (4) के तहत समाचार पत्रों में सूचना का दूसरा पुनर्प्रकाशन, 25 अक्टूबर 2024 (शुक्रवार), फॉर्म 18 या 19 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि, जैसा भी मामला हो, 6 नवंबर 2024 (बुधवार), पांडुलिपियों की तैयारी और मसौदा मतदाता सूची की छपाई की अवधि, 20 नवंबर 2024 (बुधवार), निर्वाचक नामावलियों का मसौदा प्रकाशन नामावलियां, 23 नवंबर 2024 (शनिवार), दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि, 23 नवंबर 2024 (शनिवार) से 9 दिसंबर 2024 (सोमवार), दावे और आपत्तियों का निपटारा करने और अनुपूरक तैयार करने और मुद्रित करने की तिथि, 25 दिसंबर 2024 (बुधवार), मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन, 30 दिसंबर 2024 (सोमवार) को होगा।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 25 सितंबर- 2024

दिल्ली में खड़ाऊं सरकार

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद से ही राजनीतिक गलियारों में चर्चा चल पडी थी कि आतिशी ही उनकी उत्तराधिकारी बनेंगी, जो सही भी निकली। सोमवार को जब आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद का कार्यकाल सँभाला तो आतिशी ने केजरीवाल के नाम का सिंहासन ख़ाली छोड़ा और बग़ल में एक कुर्सी रखकर उस पर बैठ कर शासन चलाने लगीं। जाहिर है उन्हें इसी स्वामीभक्ति का इनाम मिला है। लेकिन जब आतिशी ने कुर्सी खाली छोड़ते वक्त जो तर्क दिया वह तो और भी हैराना कर देने वाला था। आतिशी ने स्पष्ट कहा कि जिस तरह भगवान राम वनवास गए थे तब चौदह साल तक उनके छोटे भाई भरत ने राम की खड़ाऊं रखकर राज चलाया था, उसी तरह मैं भी दिल्ली का शासन चलाऊंगी। जब चुनाव में जीतकर केजरीवाल वापस आएंगे तो वे अपनी इसी कुर्सी पर बैठकर फिर से दिल्ली का शासन चलाएंगे। यही नहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री पद का शपथ लेने के बाद आतिशी ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के पैर छूकर से आशीर्वाद लिए। इसके साथ ही उन्होंने रामायण के आख्यानों का लंबा-चौडा व्याख्यान भी दिया। जबकि होना तो यह चाहिए कि इन राजनेताओं को अपनी चालें चलने और नित नए समीकरण भिड़ाने के लिए कम से कम पौराणिक पात्रों के उदाहरण देना बंद कर देना चाहिए। खड़ाऊं रखकर राज ज़रूर चलाए जा रहे हैं, लेकिन आज की राजनीति में न तो जिसकी खड़ाऊं रखी जा रही है वे राम है और न ही जो खड़ाऊं रख कर शासन चलाने की बात कर रहे हैं वे भरत हैं। बात केवल आम आदमी पार्टी की तक ही हो तो गनीमत होती, यहां तक सभी राजनीतिक दलों में ही कोई न कोई किसी न किसी की खड़ाऊं रखकर किसी न किसी प्रदेश का राज चला रहा है। हो सकता है ज्यादातर राज्य सरकारें रिमोट से चलाई जा रही होंगी, लेकिन आतिशी की तरह राम और भरत का उदाहरण देकर तो कदापि नहीं। दिल्ली के पहले भी कुछ इसी तरह की खडाऊं संस्कृति की झलक भारतीय राजनीति के इतिहास में मिलती है। तमिलनाडु की सीएम जे. जयललिता को जब जेल हो गई थी तो उन्होंने भी पन्नीरसेलवम को डमी मुख्यमंत्री बनाया था। पन्नीरसेल्वम कई कार्यक्रमों में जयललिता का आशीर्वाद लेते हुए देखे जाते थे। 2016 में उन्होंने जयललिता की कार तक की पूजा की थी। तब पन्नीरसेल्वम भी आतिशी की तरह ही जयललिता का सिंहासन ख़ाली छोड़कर बग़ल की कुर्सी पर बैठकर सरकार चलाया करते थे। जयललिता की दहशत इतनी थी कि जब कभी-कभार जेल से फ़ोन आ जाया करता था तो केवल सीएम पन्नीरसेल्वम ही नहीं, पूरा मंत्रिमंडल कुर्सी से खड़ा होकर बात किया करता था। फोन पर भी बैठ कर बात करने की हिम्मत किसी नेता में नहीं थी। बहरहाल, आतिशी चार महीने के लिए दिल्ली की सीएम बन गई हैं लेकिन यह तो तय है कि रिमोट के जरिए सरकार केजरीवाल ही चलाने वाले हैं। जैसे जेल में बैठकर जयललिता चलाया करती थीं। जैसे मनमोहन सिंह के वक्त सरकार दस, जनपथ से चलाई जाती रही। ऐसे में सरकार क्या प्रदर्शन कर पाएगी यह तो चुनाव के बाद आने वाले परिणाम ही बताएंगे।

विहिप चलायेगा अस्पृश्यता मुक्त और समरसता युक्त भारत की मुहिम

अजय कुमार

अयोध्या में रामलला का मंदिर निर्माण हो, इसके लिये संघर्ष के साथ बड़ा आंदोलन चलाने और कोर्ट-कचहरी में रामलला का पक्ष रखने वाला विश्व हिन्दू परिषद,(विहिप) अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पिछले कुछ समय से नेपथ्य में नजर आ रहा था। यह बात कुछ लोगों को भले ही सही नजर आ रही हो,लेकिन विहिप एक बार फिर उठ खड़ा हुआ है। अबकी से विहिप समरस समाज और समर्थ भारत का संदेश लेकर अगले वर्ष जनवरी 2025 में देशभर में सामाजिक समरसता यात्रा निकालेगी। इस दौरान विहिप द्वारा सेवा बस्तियों में समरसता संगोष्ठी, समरसता महायज्ञ और संतों की पदयात्राएं आयोजित की जाएंगी। यह जानकारी विहिप के केंद्रीय मंत्री और सामाजिक समरसता अभियान के अखिल भारतीय प्रमुख देवजी भाई रावत ने दी। देवजी अयोध्या के कारसेवकपुरम में अवध प्रांत के सामाजिक समरसता विभाग के दो दिवसीय अभ्यास वर्ग में शामिल होने के लिए आए थे। देवजी ने बताया कि प्रत्येक जिले में बेरोजगार युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि दलित युवाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाया जा सके। इसके अलावा, अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रावासों में पढ़ने वाले बच्चों से संपर्क और सहयोग की योजना बनाई गई है। विहिप कार्यकर्ता प्रत्येक जिले में सेवा बस्ती के एक-एक परिवार को गोद लेकर हिंदू परिवार मित्र बनाएंगे। समरसता यात्रा के दौरान अस्पृश्यता मुक्त और समरसता युक्त भारत बनाने के लिए गांवों में आम जनता से संकल्प करवाया जाएगा। देवजी भाई रावत ने बताया कि विहिप का सामाजिक समरसता विभाग वाल्मीकि जयंती के अवसर पर देश के 10,000 स्थानों पर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। उन्होंने कहा कि भारत को सामाजिक समन्वय के आधार पर ही एक सूत्र में बाधा जा सकता है। समाज को खंडित करने के लिए कई प्रकार के कुचक्र विधर्मियों द्वारा प्रयास किए गए हैं, जबकि हिंदू सर्वे भवन्तु सुखिनः के मंत्र को आत्मसात करके सभी के कल्याण का संदेश देता आ रहा है। विहिप की ओर से 16 से 19 अक्टूबर तक देश के 10,000 स्थानों पर सहभोज, कन्या पूजन, समरसता यज्ञ और समरसता गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। अवध प्रांत में एक जनवरी से सात जनवरी तक समरसता यात्रा निकाली जाएगी। सामाजिक विषमता और छुआछूत के कलंक को मिटाने के लिए अवध प्रांत के सभी जिलों में समाज के विविध वर्गों की समरसता टोली का गठन किया जाएगा। इस मौके पर विहिप के उपाध्यक्ष और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने कहा कि हिंदू जीवन मूल्य श्रेष्ठ हैं, लेकिन व्यवहार में अंतर आया है। विहिप भेदभाव और छुआछूत की बुराई को खत्म करने के लिए गत 60 वर्षों से काम कर रही है। दो दिवसीय अभ्यास वर्ग को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल राव, संत निराला दास महाराज, समरसता अभियान अवध और गोरक्ष के प्रमुख मुकेश ने भी संबोधित किया। इस अभ्यास वर्ग में अवध प्रांत के 25 जिलों के कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर प्रांत प्रमुख गोविंद शाह, प्रांत सह प्रमुख राज कुमार सोनी, भगवती सिंह, अमरेंद्र और पारसनाथ भी उपस्थित थे।

भारतीय राजनीति के पुरोधा - पंडित दीनदयाल उपाध्याय

अशोक प्रवृद्ध

हमारी राष्ट्रीयता का आधार भारतमाता है, केवल भारत ही नहीं। माता शब्द हटा दीजिए, तो भारत केवल ज़मीन का टुकड़ा मात्र बनकर रह जाएगा। यह उक्ति घर -गृहस्थी की तुलना में देशसेवा को अधिक श्रेष्ठ मानकर देशसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय (25 सितम्बर 1916- 11 फरवरी 1968) की है। उनके अनुसार राजनैतिक जीवन दर्शन का पहला सूत्र है- भारत में रहने वाला और इसके प्रति ममत्व की भावना रखने वाला मानव समूह एक जन हैं। उनकी जीवन प्रणाली, कला, साहित्य, दर्शन सब भारतीय संस्कृति है। इसलिए भारतीय राष्ट्रवाद का आधार यह संस्कृति है। इस संस्कृति में निष्ठा रहे, तभी भारत एकात्म रहेगा। वसुधैव कुटुम्बकम् भारतीय सभ्यता से प्रचलित है। इसी के अनुसार भारत में सभी धर्मों को समान अधिकार प्राप्त हैं। संस्कृति से किसी व्यक्ति, वर्ग, राष्ट्र आदि की वे बातें, जो उसके मन, रुचि, आचार, विचार, कला-कौशल और सभ्यता की सूचक होती हैं, पर विचार होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह जीवन जीने की शैली है। भारतीय राजनीति के पुरोधा पंडित दीनदयाल मज़हब और संप्रदाय के आधार पर भारतीय संस्कृति का विभाजन करने वालों को देश के विभाजन का ज़िम्मेदार मानते थे। उनकी मान्यता थी कि हिन्दू कोई धर्म या संप्रदाय नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय संस्कृति हैं। भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद नामक इस प्रकार की नवीन विचारधारा देने वाले ऐसे हिन्दू राष्ट्रवादी राजनेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को उत्तरप्रदेश के मथुरा ज़िले के छोटे से गांव नगला चंद्रभान निवासी राजस्थान के जयपुर अजमेर रेलवे लाइन के पास धनकिया नामक स्थान में रेलवे में नौकरी कर रहे पिता भगवती प्रसाद उपाध्याय तथा माता रामप्यारी के घर में हुआ था। दो वर्ष बाद उनका एक छोटा भाई शिवदयाल हुआ। देख -रेख के लिए पर्याप्त अवसर नहीं मिलने के कारण रेलवे की नौकरी में व्यस्त पिता ने दोनों भाइयों को पालन -पोषण के लिए उनके ननिहाल आगरा जिले में फतेहपुर सीकरी के समीप अवस्थित गुड़ की मंढ़ई भेज दिया लेकिन दीनदयाल के तीन वर्ष की उम्र होते तक पिता भगवती प्रसाद का देहांत हो गया। बाद में 8 अगस्त 1924 को उनकी माता रामप्यारी, 1926 में नाना चुन्नीलाल, 1931 में पालन- पोषण करने वाली मामी, 18 नवम्बर 1934 को अनुज शिवदयाल तथा 1935 में स्नेहमयी नानी की मृत्यु हो जाने के बाद विपरीत परिस्थिति में जीवन जीते हुए उन्होंने मैट्रिक और फिर इण्टरमीडिएट (1937) दोनों ही परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी प्राप्त की। कानपुर विश्वविद्यालय से 1939 में बी.ए. उत्तीर्ण की। वे प्रशासनिक परीक्षा में भी ऊत्तीर्ण हुए, किन्तु ब्रिटिश सरकार की नौकरी नहीं की। 1941 में प्रयाग से बी.टी. की परीक्षा उत्तीर्ण की। बी.ए. और बी.टी. करने के बाद भी उन्होंने नौकरी नहीं की। 1937 में ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे लेकिन 1942 से पूरी तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए कार्य करना शुरू किया जहां वे एक मजबूत और सशक्त भारत की इच्छा रखने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गंभीर चिंतक और संगठनकर्ता सिद्ध हुए। वे आजीवन संघ के जीवनव्रती प्रचारक रहे। 21 सितम्बर 1951 को उत्तरप्रदेश में भारतीय जनसंघ की स्थापना होने के बाद से ही वे आजीवन उससे जुड़े रहे। वे आज भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजनीतिक संगठन भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष तथा उसके उत्तरवर्ती संस्करण भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक मार्गदर्शक और नैतिक प्रेरणा स्रोत के रूप में स्मरणीय हैं। दीनदयाल उपाध्याय जनसंघ के राष्ट्रजीवन दर्शन के निर्माता माने जाते हैं। उनका उद्देश्य स्वतंत्रता की पुनर्रचना के प्रयासों के लिए विशुद्ध भारतीय तत्व दृष्टि प्रदान करना था। उन्हें जनसंघ की आर्थिक नीति का रचनाकार भी माना जाता है। उनका विचार था कि आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य सामान्य मानव का सुख है। पंडित दीनदयाल एक गंभीर दार्शनिक एवं गहन चिंतक होने के साथ ही एक ऐसे समर्पित संगठनकर्ता और नेता थे जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत शुचिता एवं गरिमा के उच्चतम आयाम स्थापित किए। एक प्रखर विचारक, उत्कृष्ट संगठनकर्ता दीनदयाल उपाध्याय ने जीवनपर्यंन्त अपनी व्यक्तिगत ईमानदारी व सत्यनिष्ठा को महत्त्व दिया। उनका राजनीतिक दर्शन मानव मात्र की आवश्यकताओं के अनुरूप और प्राकृतिक आवास के अनुकूल राजनीतिक कार्यप्रणाली एवं शासकीय कौशल का मार्ग प्रशस्त करने वाला एक चहुंमुखी वैकल्पिक जीवन दर्शन है। अनेकता में एकता और विभिन्न रूपों में एकता की अभिव्यक्ति भारतीय संस्कृति की सोच रही है। राजनीति के अतिरिक्त साहित्य में भी गहरी अभिरुचि रखने वाले दीनदयाल उपाध्याय पत्रकार होने के साथ-साथ चिन्तक और लेखक भी थे। उनके द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं में लिखे गये अनेक लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। अपने जीवन के एक-एक क्षण को पूरी रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक गहराई से जीने वाले दीनदयाल उपाध्याय के द्वारा पत्रकारिता जीवन के दौरान लिखे गए शब्द आज भी उपयोगी हैं। प्रारंभ में वे समसामयिक विषयों पर पॉलिटिकल डायरी नामक स्तम्भ लिखा करते थे। पंडित दीनदयाल ने राजनीतिक लेखन को भी दीर्घकालिक विषयों से जोडकर रचना कार्य को सदा के लिए उपयोगी बनाया है। उन्होंने लखनऊ में राष्ट्र धर्म प्रकाशन नामक संस्थान की स्थापना कर वहाँ से राष्ट्र धर्म नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन आरम्भ किया। राष्ट्रधर्म, पाञ्चजन्य और स्वदेश जैसी पत्र-पत्रिकाएँ प्रारम्भ की। वे हिन्दुत्व की धारा में भारतीय राजनीति को ले जाने की इच्छा रखते थे। उनकी लिखी प्रमुख पुस्तकों से भी इसके संकेत मिलते हैं। उनकी कुछ प्रमुख कृत्तियों में- दो योजनाएँ, राजनीतिक डायरी, दीनदयाल उपाध्याय द्वारा दिए गए भाषणों का संग्रह- राष्ट्र चिन्तन, भारतीय अर्थ नीति : विकास की एक दिशा, भारतीय अर्थनीति का अवमूल्यन, सम्राट चन्द्रगुप्त, जगद्गुरु शंकराचार्य, अखंड भारत, हमारा कश्मीर, बेकारी की समस्या और उसका हल, एकात्म मानववाद (अंग्रेजी संस्करण- इंटीगरल ह्यूमेनिज्म), लोकमान्य तिलक की राजनीति, जनसंघ का सिद्धांत और नीति, जीवन का ध्येय राष्ट्र जीवन की समस्यायें, राष्ट्रीय अनुभूति, राष्ट्र जीवन की दिशा, भारतीय राष्ट्रधारा का पुनः प्रवाह, भारतीय संविधान, इनको भी आज़ादी चाहिए, अमेरिकी अनाज, टैक्स या लूट, विश्वासघात, द टू प्लान्स, डिवैलुएशन ए, ग्रेटकाल, एक प्रेम कथा आदि शामिल हैं। पंडित दीनदयाल के लेखन का केवल एक ही लक्ष्य था -भारत की विश्व पटल पर लगातार पुनर्प्रतिष्ठा और विश्व विजय। पंडित दीनदयाल कृत अत्यंत चर्चित कृत्ति एकात्म मानववाद एक अद्वितीय, विशिष्ट, एवं मौलिक रचना है, जिसमें उन्होंने समकालीन भारत की दुर्दशा, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों का विश्लेषण किया है। मानव पूंजीवाद, मार्क्सवाद और गांधीवाद जैसे विचारों से अंतर्निहित विडंबनाओं के कारण एक राष्ट्रीय समस्या का निदान करने में असफल रहा था। ऐसी स्थिति में उन्होंने व्यक्ति, परिवार, समाज एवं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने में सक्षम एक ऐसी मौलिक और सशक्त विकल्प विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया है, जिस एकात्म मानववाद में वर्तमान भारत भी आशा की नई किरण खोज रहा है। एकात्म मानववाद दर्शन, मानव के सामाजिक, आर्थिक तथा मानसिक विकास, राष्ट्रीयता एवं राष्ट्रीय चुनौतियों तथा समकालीन समस्याओं पर होने वाले किसी भी विचार-विमर्श का अनिवार्य अंग बनता जा रहा है। यह वर्तमान भोगवादी संस्कृति में उपजी तमाम आधुनिक विसंगतियों को जानने, समझने तथा उसके निराकरण की कुंजी भी उपलब्ध करवाता है। पंडित दीनदयाल के अनुसार एकात्म मानववाद का शाब्दिक अर्थ मानव के शरीर, मस्तिष्क, बुद्धि और आत्मा को चार पुरुषार्थ- धर्म, अर्थ काम और मोक्ष से एकमत होते हुए तदनुरूप होना है। यह दर्शन मानव जाति की मानसिक स्वतंत्रता तथा उसके पशुत्व से मनुष्यत्व और फिर मनुष्यत्व से देवत्व तक की यात्रा का परिचय प्रस्तुत करता है। यह मानव के सर्वोच्च आत्मिक और मानसिक विकास का दर्शन है।

यह एक ऐसा नवीन घोषणा पत्र है, जिसमें भौतिक तत्वों पर नैतिक मूल्यों की सर्वोच्चता स्थापित की गयी है। एकात्म मानववाद बंबई अब मुंबई में 22-24 अप्रैल 1965 को पंडित दीनदयाल के द्वारा दिए गए चार विशेष क्रमिक व्याख्यानों का संग्रह है, जो उनके चिंतन और विचारों का दर्पण है। यह एक शास्त्रीय कृति है, जिसका उद्देश्य भारत तथा भारतीयों का पुनरुत्थान करना है। इसमें नेहरू के विकास की अवधारणा की आलोचनात्मक व्याख्या तो की ही गई है, संपूर्ण पाश्चात्य एवं भौतिक, खासकर पूंजीवाद, मार्क्सवाद, समाजवाद तथा अंधाधुंध औद्योगिकीकरण की समालोचना भी की गई है। लेकिन उनका एकमात्र मुख्य उद्देश्य था- नये भारत राष्ट्र का निर्माण करना।

किलर ड्रोन और हरक्यूलस विमान की अमेरिका से की डील

रामस्वरूप रावतसरे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे पर हैं। उन्होंने 21 सितंबर 2024 की देर रात डेलावेयर में क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इसमें वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा करते हुए सदस्य देशों के नेताओं ने पूर्वी और दक्षिण चीन सागर की स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई। इसके साथ ही अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की स्थायी सदस्यता की जमकर वकालत की। संयुक्त बयान में कहा गया है, "हम पूर्वी और दक्षिण चीन सागर की स्थिति को लेकर गंभीर हैं। हम विवादित क्षेत्रों के सैन्यीकरण और दक्षिण चीन सागर में जबरदस्ती करने और डराने वाले युद्धाभ्यास पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं।

हम तटरक्षक और समुद्री मिलिशिया जहाजों के इस्तेमाल की निंदा करते हैं, जिसमें खतरनाक युद्धाभ्यास का बढ़ता उपयोग भी शामिल है।" हिंद महासागर में भारत की भूमिका को लेकर क्वाड के नेताओं ने भारत और पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत हिंद महासागर में महाशक्ति बनकर उभरा है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि भारत के अनुभवों से अमेरिका को बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज विश्व तनाव और संघर्षों से घिरा हुआ है। इसलिए साथ मिलकर चलना जरूरी है। क्वाड को वैश्विक भलाई की शक्ति बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि क्वाड सहयोग और साझेदारी के लिए है, किसी के खिलाफ नहीं। बता दें कि क्वाड में चार सदस्य देश हैं, जिनमें अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल है। पीएम मोदी ने कहा, "स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी साझा प्राथमिकता और साझा प्रतिबद्धता है।" उन्होंने कहा कि गठबंधन ने पहले ही स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन, सुरक्षा, उभरती हुई तकनीक और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में पहल की है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडेन को भी संबोधित किया और गठबंधन में उनके योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, "अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान इस क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने पर मुझे बहुत खुशी हो रही है। आपके नेतृत्व में 2021 का पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। इतने कम समय में हमने हर दिशा में अपने सहयोग को अभूतपूर्व तरीके से बढ़ाया है। आपने इसमें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं क्वाड के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और योगदान के लिए आपका शुक्रिया अदा करता हूँ।"क्वाड सम्मेलन से हटकर प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री ने एक बयान में कहा कि बातचीत 'पारस्परिक हितों के क्षेत्रों' में अमेरिका-भारत द्विपक्षीय साझेदारी को बेहतर बनाने पर केंद्रित थी। नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए, जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र भी शामिल था। इसी तरह व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, "राष्ट्रपति बाइडेन और प्रधानमंत्री मोदी ने निरंतर विश्वास व्यक्त किया कि हमारे लोगों, हमारे नागरिक और निजी क्षेत्रों और हमारी सरकारों के गहरे संबंधों को मजबूत करने के अथक प्रयासों ने अमेरिका-भारत साझेदारी को आने वाले दशकों में और भी अधिक ऊँचाइयों की ओर अग्रसर किया है।"एमक्यू -9 बी ड्रोन पीएम मोदी और राष्ट्रपति बाइडेन ने दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी पर चर्चा की, जिसमें ड्रोन की खरीद और संयुक्त सैन्य अभ्यास शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत द्वारा 31 जनरल एटॉमिक्स एमक्यू-9बी (16 स्काई गार्जियन और 15 सी गार्जियन) ड्रोन की खरीद का स्वागत किया। यह ड्रोन भारत के सशस्त्र बलों की खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) क्षमताओं को बढ़ाएगा। इस साल फरवरी में अमेरिका ने भारतीय सेना को 3.99 बिलियन डॉलर (लगभग 33,000 करोड़ रुपए) की अनुमानित लागत से 31 एमक्यू-9बी ड्रोन की बिक्री को मंजूरी दी थी। 31 ड्रोन में से भारतीय नौसेना को 15 सी गार्डियन ड्रोन मिलेंगे, जबकि भारतीय वायुसेना और सेना को आठ-आठ स्काई गार्डियन ड्रोन मिलेंगे। एमक्यू-9बी प्रीडेटर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह बिना किसी शोर-शराबे के काम कर सकता है। यह ड्रोन जमीन से 250 मीटर की दूरी तक उड़ सकता है और लक्ष्य को इसकी भनक तक नहीं लगती, जब तक कि इसे देखा न जाए। यह ड्रोन किसी कमर्शियल विमान से भी ज्यादा ऊँचाई पर उड़ सकता है, जो जमीन से करीब 50,000 फीट ऊपर है और इसकी अधिकतम गति 442 किमी/घंटा है। प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान पर लॉकहीड मार्टिन और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा हस्ताक्षरित संयुक्त समझौते पर भी चर्चा की। व्हाइट हाउस ने कहा, "नेताओं ने जेट इंजन, युद्ध सामग्री और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम के लिए प्राथमिकता वाले सह-उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए चल रहे सहयोग को मान्यता दी।" पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने राजस्थान में चल रहे द्विपक्षीय युद्ध अभ्यास के दौरान भारत में जैवलिन और स्ट्राइकर प्रणालियों के पहले प्रदर्शन सहित रक्षा अभ्यास के दौरान नई तकनीकों और क्षमताओं को शामिल करने की भी सराहना की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग की भी सराहना की।

पीएम मोदी और बाइडेन ने कोलकाता में एक नए सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट की स्थापना पर चर्चा की। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने "राष्ट्रीय सुरक्षा, अगली पीढ़ी के दूरसंचार और हरित ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए उन्नत संवेदन, संचार और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स पर केंद्रित एक नए सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट की स्थापना के लिए समझौते की सराहना की।" बयान में कहा गया है कि यह संयंत्र भारत सेमीकंडक्टर मिशन के समर्थन के साथ-साथ भारत सेमी, थर्डटेक और अमेरिकी अंतरिक्ष बल के बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी से स्थापित किया जाएगा। व्हाइट हाउस ने कहा कि ग्लोबलफाउंड्रीज कोलकाता पावर सेंटर चिप निर्माण में अनुसंधान और विकास में पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधों को बढ़ाएगा। वार्ता के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि अमेरिका भारत की महत्वपूर्ण आवाज़ को प्रतिबिंबित करने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार की पहल का समर्थन करता है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता भी शामिल है।

बदलापुर रेप कांड – पहले फांसी की मांग, अब एनकाउंटर पर राजनीति !

अशोक भाटिया

कुछ समय पूर्व महाराष्ट्र के बदलापुर के एक स्कूल में केजी में पढ़ने वाली दो बच्चियों के साथ शारीरिक शोषण के मामले में मुख्य आरोपी अक्षय शिंदे की अब एनकाउंटर में मौत पर बवाल मच गया है। इस मुद्दे पर इस वक्त महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आ गया है। जहां एक तरफ मुख्य मंत्री एकनाथ शिंदे ने इसे सेल्फ डिफेंस में उठाया गया कदम बताया। वहीं विपक्षी कांग्रेस राज्य सरकार के खिलाफ हमलावर हो गई है। कांग्रेस ने एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए इसे गलत करार दिया लेकिन बड़ा सवाल यह है कि एक तरफ रेप जैसे मामलों में सख्ती से निपटने के लिए कांग्रेस की लीडरशिप वाली केंद्र सरकार निर्भया एक्ट लेकर आई थी लेकिन आज वही कांग्रेस अब इस घटना पर सवाल क्यों उठा रही है। बदलापुर एनकाउंटर के बाद ना सिर्फ शारीरिक शोषण का शिकार हुई दो बच्चियों के घर वाले खुश हैं बल्कि पूरे बदलापुर में खुशी का माहौल है। सभी का मानना है कि बच्चियों से गलत काम करने वालों को उनके किए की सजा मिली और उनकी मौत के साथ इस मामले में सही इंसाफ हुआ है। शहर में पटाखे फोड़े जा रहे हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि इस वक्त बदलापुर में जश्न का माहौल है। कांग्रेस पार्टी के लिए सबसे बड़ी चिंता आरोपी अक्षय शिंदे की एनकाउंटर में मौत नहीं बल्कि महाराष्ट्र में जल्द होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। साल 2012 में जब निर्भया कांड हुआ था तो लोग सड़कों पर उतर आए थे। तब देश में मनमोहन सिंह की सरकार थी। बच्चों से यौन शोषण के मामलों से सख्ती से निपटने के लिए बेहद सख्त पोक्सो एक्ट बनाया गया जिसमें दोषी के लिए उम्र कैद से लेकर फांसी तक का प्रावधान किया गया। कांग्रेस पार्टी अक्सर इस कानून को बनाने का श्रेय भी लेती है और लेना भी चाहिए क्योंकि कानून कड़े होने से ही आरोपियों के हौसले पस्त होते हैं। अब कांग्रेस पार्टी को राज्य में नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव सामने दिख रहे हैं। ऐसे में उन्हें पता है कि इस एनकाउंटर के बाद लोगों के मन में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के बीच सहानुभूमि बढ़ेगी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मॉडल अगर महाराष्ट्र में फेमस हुआ तो सीधे तौर पर बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की पार्टी को इसका फायदा मिलेगा। महाराष्ट्र के ताजा राजनीतिक हालातों पर नजर डालें तो इस वक्त वहां खिचड़ी पकी हुई है। साल 2019 में वहां भाजपा और शिवसेना ने मिलकर चुनाव जड़ा था लेकिन मुख्य मंत्री पद को लेकर दोनों पार्टियों में तकरार हो गई। इसके बाद उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई। यह सरकार ज्यादा दिन नहीं टिक सकी। शिवसेना से एकनाथ शिंदे गुट अलग हो गया और उन्होंने जून 2022 में भाजपा के समर्थन से नई सरकार का गठन किया। बाद में शरद पवार की एनसीपी में भी फूट पड़ गई। अजित पवार गुट भी एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल हो गया। मौजूदा वक्त में एक तरफ कांग्रेस के साथ शिवसेना का उद्धव और एनसीपी का शरद पवार गुट है तो दूसरी तरफ भाजपा के साथ शिवसेना का एकनाथ शिंदे और एनसीपी का अजित गुट है। कांग्रेस यह मुद्दा बना रही है कि भाजपा दूसरे दलों में तोड़फोड़ कर सत्ता तक पहुंचने में लगी है। ऐसे में बदलापुर एनकाउंटर हवा का रुख भाजपा की तरफ मोड़ सकता है। दूसरी तरफ महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी की तरफ से इस एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की आलोचना की जा रही है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इसे महायुति सरकार की अक्षमता करार देते हुए कहा कि मामले के सह आरोपी अभी तक भाग रहे हैं और मुख्य आरोपी का एनकाउंटर कर दिया गया। ऐसा लग रहा है जैसे यह पूरी कहानी राज्य सरकार द्वारा लिखी गई है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर सांसद प्रियंका ने राज्य सरकार पर तंज कसते हुए लिखा कि आरोपी मर चुका है और POCSO के तहत अन्य सह आरोपी जो स्कूल बोर्ड के सदस्य और साथ ही भाजपा पदाधिकारी थे, भाग रहे हैं। अक्षम सरकार द्वारा लागू की गई गोली मारो और भाग जाओ रणनीति का ऐसा किताबी मामला। अगले भाग में देखिए, किसी ने भी 6 साल के बच्चों का यौन उत्पीड़न नहीं किया। राज्य सरकार द्वारा लिखित,प्रायोजित और क्रियान्वित एक कहानी। वहीं शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि गृह मंत्री और पुलिस को मामले की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन करना चाहिए क्योंकि इसमें कई संदेह हैं।

लुगदी बनता साहित्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

लेखक का मन आहत था। सामने बैठी वृद्ध महिला, जो उसकी पुरानी साथी थी, और लेखक के मन में उठ रहे विचारों के बीच एक विचित्र समन्वय था। विवाह के बंधन में बंधे उनके बीच अब न कोई गर्मजोशी थी, न कोई अनौपचारिकता। बस एक ठंडी सी दूरी और आशीर्वाद की तरह खोई हुई संवेदनाएँ थीं। वह महिला, जो कभी उसके लिए एक आदर्श थी, अब एक लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद अपने जीवन के एक अज्ञात अध्याय को छोड़ रही थी। महिला के परिवार के सदस्य, स्त्री-पुरुष, शोक या अचरज में नहीं, बल्कि सामान्य भावनाओं के साथ उपस्थित थे। लेखक के लिए यह एक नई समस्या थी। उनके द्वारा छोड़े गए यादों के बक्से और गहनों का एक पूरा कोना था, लेकिन इस बार वह पुराना अंदाज़ नहीं था। सिर्फ एक कानूनी पत्र और अटूट अंतःकरण की उपस्थिति थी। लेखक की आंखों में हल्का सा ठंडापन था, जैसे वह अपने पुराने दोस्त को अंतिम बार देख रहा हो। उसका दिल धड़क रहा था, लेकिन उसने अपनी भावनाओं को संयमित रखा। उसके मन में कई यादें तैर रही थीं—जब वह और महिला युवा थे, जब दोनों की बातचीत होती थी, और कैसे वे एक-दूसरे को समर्थन प्रदान करते थे। महिला की पतली काया और चश्मे का पुराना चेहरा, जो अब जीवन के इस नये मोड़ पर था। महिला और लेखक की पहली मुलाकात एक स्थानीय क्लब में हुई थी, जहाँ वह एक सक्रिय सदस्य थी और लेखक एक नवोदित लेखक था। तब वह एक साधारण लेकिन समर्पित सदस्य थी, और लेखक एक नये लेखक के तौर पर हर किसी से सीखने की कोशिश कर रहा था। क्लब के आयोजन से लेकर उसकी समाप्ति तक, महिला कभी भी अपनी ऊर्जा और उत्साह को कम नहीं होने देती थी। वह समय की पाबंद थी और अपने कार्यों को सजीवता के साथ पूरा करती थी। समय बीतते-बीतते, लेखक बड़ा हुआ और महिला के साथ उसकी दोस्ती और गहरी होती गई। लेखक ने साहित्य में नाम कमाया और महिला ने समाज सेवा के क्षेत्र में अपना स्थान स्थापित किया। दोनों के बीच की दोस्ती ने न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को आकार दिया, बल्कि समाज की दिशा भी बदली। अब वह महिला अपने जीवन के एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही थी, एक ऐसे मोड़ पर जहाँ विवाह टूटने की प्रक्रिया चल रही थी।

पिंडदान और श्राद्ध-तर्पण के लिए प्रसिद्ध हैं ये 5 तीर्थ

बिहार के गया, मध्यप्रदेश के उज्जैन और उत्तराखंड के ब्रह्मकपाल में पिंडदान करने से तृप्त होते हैं पितर

ब्रह्म कपाल, बद्रीनाथ

कहां स्थित है - उत्तराखंड

ये तीर्थ चार धामों में से एक बद्रीनाथ के पास स्थित है। ये जगह पिंडदान और तर्पण के लिए बहुत प्रसिद्ध है।

मान्यताएं

पुराने समय में शिव जी ने अपने त्रिशूल से ब्रह्मा जी का एक सिर काटा तो वह सिर त्रिशूल से चिपक गया था।

ब्रह्म हत्या के पाप से मुक्ति के लिए शिव जी बद्रीनाथ के पास अलकनंदा नदी के किनारे पहुंचे थे, इस जगह पर शिव जी के त्रिशूल से ब्रह्मा का सिर हट गया था।

इस कथा की वजह से ये स्थान ब्रह्मकपाल नाम से प्रसिद्ध हो गया। पांडवों ने भी इस स्थान पर पितरों के लिए तर्पण किया था। जो व्यक्ति यहां आकर पिंडदान करता है, उसके पितरों को तृप्ति मिलती है।

फल्गु नदी, गया

कहां स्थित है - बिहार

बिहार में फल्गु नदी के किनारे पर बसा तीर्थ गया पिंडदान करने के लिए सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। पितृ पक्ष में यहां मेला लगता है, जिसमें देश-दुनिया से लाखों लोग अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान करने पहुंचते हैं।

मान्यताएं

गया में पिंडदान से पितरों को मोक्ष मिलता है। इस तीर्थ का वर्णन रामायण से जुड़ा है। पौराणिक कथा के मुताबिक पुराने समय में गयासुर नाम का एक दैत्य था, जिसे देखने और छूने से ही लोगों के पाप दूर जाते थे।

इस जगह का नाम उसी गयासुर के नाम पर रखा गया है। गयासुर का शरीर पांच कोस था। उसने इसी जगह पर देवताओं को यज्ञ के लिए अपना शरीर दिया था।

यहां मुख्य रूप से फल्गु नदी, विष्णुपद मंदिर, नदी के किनारे अक्षयवट पर पिंडदान किया जाता है।

सिद्धवट, उज्जैन

कहां स्थित है - मध्यप्रदेश

सिद्धवट उज्जैन के भैरवगढ़ क्षेत्र में शिप्रा नदी के किनारे स्थित है। इसे सिद्धनाथ तीर्थ भी कहते हैं। इस मंदिर में विशाल वट वृक्ष है, इसे ही सिद्धवट कहा जाता है।

मान्यताएं

जिस तरह प्रयाग और गया में अक्षयवट है, उसी तरह उज्जैन में सिद्धवट है।

पौराणिक मान्यता है कि इस वृक्ष को स्वयं देवी पार्वती ने लगाया था। इस जगह पर भगवान शिव के पुत्र कार्तिकेय का मुंडन भी हुआ था।

स्कंद पुराण के अवंतिका खंड में भी इस तीर्थ का वर्णन मिलता है।

त्र्यंबकेश्वर, नासिक

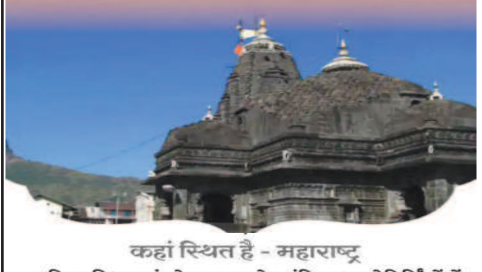

कहां स्थित है - महाराष्ट्र

नासिक स्थित त्र्यंबकेश्वर महादेव मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यहां के ज्योतिर्लिंग में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के स्वरूप में तीन शिवलिंग स्थापित हैं।

मान्यताएं

त्र्यंबकेश्वर मंदिर के पास तीन पर्वत स्थित हैं, जिन्हें ब्रह्मगिरी, नीलगिरी और गंगा द्वार के नाम से जाना जाता है। ये जगह पवित्र गोदावरी नदी का उद्गम स्थल भी है।

ब्रह्मगिरी को शिव स्वरूप माना जाता है। गंगा द्वार पर्वत पर देवी गोदावरी का मंदिर है। मूर्ति के चरणों से बूंद-बूंद करके जल टपकता रहता है, जो कि पास के एक कुंड में जमा होता है।

ब्रह्मगिरी पर्वत पर देवी अहिल्या के पति ऋषि गौतम तपस्या करते थे। एक बार कुछ ऋषियों ने गौतम ऋषि पर गौ हत्या का आरोप लगा दिया।

सभी ने कहा कि इस हत्या के पाप के प्रायश्चित में देवी गंगा को यहां लेकर आना होगा। तब गौतम ऋषि ने शिवलिंग की स्थापना करके पूजा शुरू कर दी।

भक्ति से प्रसन्न होकर शिव-पार्वती प्रकट हुए। ऋषि गौतम ने शिव जी से देवी गंगा को वहां भेजने का वरदान मांगा।

देवी गंगा ने कहा था कि अगर शिव जी भी यहां रहेंगे, तभी मैं भी यहां रहूंगी। गंगा के ऐसा कहने पर शिव जी त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप विराजित हो गए और गंगा नदी गौतमी के रूप में वहां बहने लगी। गौतमी नदी का एक नाम गोदावरी भी है।

प्रयागराज

कहां स्थित है - उत्तर प्रदेश

प्रयागराज की सभी तीर्थों में सबसे अधिक महिमा बताई गई है। इस जगह किए गए पूजा-पाठ और श्राद्ध कर्म अक्षय पुण्य प्रदान करते हैं।

मान्यताएं

प्रयागराज में प्रवेश करते ही भक्तों के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। माना जाता है कि ब्रह्मा जी ने यहां यज्ञ किया था।

प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती, इन तीन नदियों का संगम है। तीन पवित्र नदियों का संगम स्थल होने से इस जगह का धार्मिक महत्व काफी अधिक है।

संगम में स्नान करने और यहां दान-पुण्य करने की परंपरा है। प्रयागराज को तीर्थराज भी कहते हैं, पितृ पक्ष के अलावा भी इस क्षेत्र में साल भर भक्तों की भीड़ लगी है।

अभी श्राद्ध पक्ष चल रहा है, पितरों के लिए पिंडदान, श्राद्ध और तर्पण करने का ये पर्व 2 अक्टूबर तक चलेगा। इन दिनों में घर के अलावा पितरों से जुड़े तीर्थों में भी पितरों के लिए धर्म-कर्म किए जाते हैं। देशभर में कई ऐसी जगहें हैं, जो पिंडदान, श्राद्ध और तर्पण आदि धर्म-कर्म के लिए प्रसिद्ध हैं।

अश्विन माह में 3 में से लगाएं कोई भी 1 पौधा

धन संकट होगा दूर होगी आर्थिक उन्नति!

इसे मां लक्ष्मी का प्रिया माना गया है। ऐसे में जब आप इस पौधे को अश्विन महीने में अपने घर में लगाते हैं, पौधे के शुभ प्रभाव से आपके घर में धन की देवी का वास बना रहता है, जिससे धन में वृद्धि होती है।

हिन्दू पंचांग का सातवां महीना अश्विन, 19 सितंबर से शुरू हो गया है और यह महीना कई मायनों में खास माना गया है। यह महीना भगवान विष्णु, सूर्य देव और पितरों के लिए समर्पित माना जाता है। महीने की शुरुआत पितृ पक्ष के साथ ही होती है, जब हम अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंड दान करते हैं। इस महीने में दान करना भी बेहद शुभ माना जाता है, जिससे आपके पूर्वज आपसे प्रसन्न होते हैं। यह महीना धन लाभ की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। आप इस महीने में अपने घर कुछ खास पौधों को लगाकर ये लाभ ले सकते हैं। हालांकि, इन्हें किस तरह लगाना चाहिए और इनके नियम क्या हैं? इसका ध्यान भी रखना जरूरी है। तो आइए जानते हैं इन पौधों के नाम और लगाने के नियम...

कुबेराक्षी का पौधा

माना जाता है कि यह पौधा आपके घर में सकारात्मक माहौल बनाता है, साथ ही इसे कुबेर देव का प्रतीक भी माना गया है। माना जाता है कि यदि आप कुबेराक्षी का पौधा अश्विन माह के दौरान अपने घर में लगाते हैं तो इससे आपको धन लाभ होता है। यदि आपका धन लंबे समय से कहीं फंसा हुआ तो वापस आ जाता है और यदि आप व्यापारी हैं तो लाभ बढ़ता है।

गुड़हल का पौधा

इस पौधे में खिलने वाले फूलों को मां दुर्गा का पसंदीदा फूल माना जाता है, जिसे मां को अर्पित करने से वह खुश होती हैं। वहीं यह पौधा धन को आकर्षित करने वाला भी माना गया है। ऐसे में यदि आप अश्विन माह में गुड़हल का पौधा अपने घर में लगाते हैं तो धन से संबंधित दोष दूर होंगे और आपके पास धन आने के नए मार्ग भी प्रशस्त होंगे।

हरसिंगार का पौधा

भारत में यह पौधा कहीं भी आसानी से मिल जाता है, इसे हरसिंगार या पारिजात के नाम से भी जाना जाता है। इसके फूल को पूजा-पाठ में उपयोग किया जाता है क्योंकि

उत्तर दिशा में मुंह करके करें तर्पण

श्राद्ध पक्ष, जिसे पितृ पक्ष भी कहा जाता है, हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन मास की पूर्णिमा से अमावस्या तक का समय होता है। यह समय पितरों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके आशीर्वाद प्राप्त करने का होता है। इस दौरान तर्पण या श्राद्ध करने के विशेष दिशा निर्देश भी होते हैं, जो वास्तु शास्त्र के अनुसार महत्वपूर्ण होते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, श्राद्ध पक्ष के दौरान तर्पण करते समय उत्तर दिशा की ओर मुंह करके बैठना चाहिए। इसका कारण यह है कि उत्तर दिशा को पितरों और पूर्वजों की दिशा माना जाता है। उत्तर दिशा में ध्यान केंद्रित करने से पितरों को श्रद्धा और सम्मान का अहसास होता है, जो कि उन्हें आर्शीवाद देने की ओर प्रेरित करता है। उत्तर दिशा में तर्पण करने का एक

महत्वपूर्ण कारण यह है कि उत्तर दिशा की ओर इशारा करते हुए तर्पण करने से पूजा स्थल की पवित्रता बनी रहती है। इस दिशा की ओर मुंह करके तर्पण करने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और पितरों के प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट होती है। उत्तर दिशा को ज्ञान और समृद्धि की दिशा भी माना जाता है इसलिए इस दिशा की ओर मुंह करके तर्पण करने से पितरों के आशीर्वाद के साथ-साथ पारिवारिक समृद्धि और सुख-शांति की प्राप्ति होती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, तर्पण करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पूजा स्थल स्वच्छ और पवित्र हो। इसके अलावा, तर्पण के समय सही दिशा का पालन करने से परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है और पितर भी अपने संतोष और आशीर्वाद से परिवार को लाभ पहुंचाते हैं। इसलिए उत्तर दिशा की ओर मुंह करके तर्पण करना श्राद्ध पक्ष में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के आगे अंग्रेज भी झुकाते थे सिर
वर्षों तक किया इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम

बात उस समय की है जब भारत अंग्रेजी गुलामी का दंश झेल रहा था। उस दौर में मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया ने अपनी इंजीनियरिंग के कौशल के साथ आम लोगों के हित का ऐसा गारा तैयार किया कि अंग्रेज भी उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह सके। ब्रिटिश भारत में एक रेलगाड़ी चली जा रही थी जिसमें ज्यादातर अंग्रेज सवार थे। एक डिब्बे में एक भारतीय यात्री गंभीर मुद्रा में बैठा था। सांवले रंग और मंझले कद का वह यात्री सादे कपड़ों में था और वहां बैठे अंग्रेज उन्हें अनपढ़ समझकर मजाक उड़ा रहे थे। अचानक उसने उठकर गाड़ी की जंजीर खींच दी। ट्रेन कुछ ही पलों में रुक गई। सभी यात्री चेन खींचने वाले को भला-बुरा कहने लगे। थोड़ी देर में गार्ड आ गया और सवाल किया कि जंजीर कितने खींची तो उसने उत्तर दिया, ''मेरा अंदाजा है कि यहां से लगभग कुछ दूरी पर रेल की पटरी उखड़ी हुई है।''

गार्ड ने पूछा, ''आपको कैसे पता ?''

वह बोले, ''गाड़ी की स्वाभाविक गति में अंतर आया है और इसकी आवाज से मुझे खतरे का आभास हो रहा है।''

गार्ड उन्हें लेकर जब कुछ दूर पहुंचा तो देख कर दंग रह गया कि वास्तव में एक जगह से रेल की पटरी के जोड़ खुले हुए हैं। वह सांवले से व्यक्ति थे - मोक्षगुंडम

विश्वेश्वरैया। उनके पिता संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे लेकिन जब विश्वेश्वरैया 12 वर्ष के थे, उनका निधन हो गया। परिवार आृथक संकट से जूझ रहा था, लिहाजा विश्वेश्वरैया गांव के ही सरकारी स्कूल में पढ़ते रहे। बी.ए. करने के बाद उन्होंने कुछ समय शिक्षक के रूप में भी काम किया। उनकी योग्यता देख मैसूर सरकार ने उन्हें स्कॉलरशिप दी, जिसके बाद उन्होंने पुणे के साइंस कालेज में सिविल इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम में दाखिला लिया और प्रथम स्थान प्राप्त किया। इंजीनियर बनते ही उनकी योग्यता देख महाराष्ट्र सरकार ने इन्हें नासिक जिले के सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किया। इंजीनियर के रूप में विश्वेश्वरैया को असली ख्याति मिली पुणे के खड़कवासला बांध की भंडारण क्षमता में बिना ऊंचाई बढ़ाए बढ़ोतरी करने से। बांधों की जल भंडारण स्तर में वृद्धि करने के लिए विश्वेश्वरैया ने स्वचालित जलद्वारों का उपयोग खड़कवासला बांध पर किया था। वर्ष 1909 में उन्हें मैसूर राज्य का मुख्य अभियंता नियुक्त किया गया।

कृष्णराज सागर बांध के निर्माण के कारण मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का नाम पूरे विश्व में सबसे अधिक चर्चा में रहा। इसका निर्माण स्वतंत्रता के करीब 40 वर्ष पहले हुआ था। वर्ष 1912 में उन्हें मैसूर राज्य का दीवान नियुक्त किया गया। उन्होंने चंदन तेल फैक्ट्री , साबुन फैक्ट्री, धातु फैक्ट्री , क्रोम टेनिंग फैक्टरी प्रारंभ की। बांध निर्माण के साथ-साथ औद्योगिक विकास में भी उनका योगदान कम नहीं है। वह उन शुरुआती लोगों में से एक थे, जिन्होंने बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान में वैमानिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे अनेक विभागों को आरंभ करने का स्वप्न देखा था। वह वर्ष 1918 में मैसूर के दीवान के रूप में सेवानिवृत्त हो गए। उन्हें 1955 में देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा गया। 101 वर्ष की दीर्घायु में काम करते रहने वाले विश्वेश्वरैया का कहना था कि 'जंग लग जाने से बेहतर है, काम करते रहना।'

परिवार के लिए सुखद वातावरण तैयार करता है तोरण

घर में तोरण लगाने के कई लाभ हैं। यह सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और नकारात्मकता को दूर रखता है। तोरण समृद्धि, सुख-शांति और खुशहाली का प्रतीक होता है, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बनता है। यह बुरी नजर से भी सुरक्षा प्रदान करता है और आगंतुकों का स्वागत करता है। इसके अलावा, तोरण प्रतीक माना जाता है। इसे घर में लगाने से समृद्धि, सुख-शांति और खुशहाली का वास होता है।

दृष्टि से सुरक्षाः तोरण का उपयोग बुरी नजर से सुरक्षा के लिए भी किया जाता है। यह घर के सदस्यों को नकारात्मक प्रभावों से बचाने में सहायक होता है।

आकर्षण और सौंदर्यः तोरण घर की सुंदरता को बढ़ाता है।

घर की सुंदरता को बढ़ाता है और प्रवेश द्वार को आकर्षक बनाता है। इस तरह, तोरण लगाने से न केवल घर में सकारात्मकता बढ़ती है, बल्कि यह परिवार के सदस्यों के लिए एक सुखद वातावरण भी तैयार करता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में तोरण लगाने के कई महत्वपूर्ण लाभ होते हैं। तोरण जो आमतौर पर दरवाजों के ऊपर या प्रवेश द्वार पर लगाया जाता है, न केवल सजावटी होता है, बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार भी करता है।

सकारात्मक ऊर्जा का संचारः तोरण के माध्यम से घर में सकारात्मकता और शुभता का संचार होता है। यह घर में आने वाली नकारात्मक ऊर्जा को अवरुद्ध करता है और एक सुरक्षित वातावरण बनाता है।

समृद्धि और सुख-शांतिः तोरण को धन और समृद्धि का इसे विभिन्न रंगों और डिजाइनों में सजाया जा सकता है, जो न केवल दृष्टिगत आकर्षण बढ़ाता है, बल्कि घर के वातावरण को भी खुशनुमा बनाता है।

आगंतुकों का स्वागतः तोरण आगंतुकों का स्वागत करता है और उन्हें एक अच्छे अनुभव की अनुभूति कराता है। यह दर्शाता है कि घर में अच्छे विचार और भावना का संचार है।

संरक्षणः वास्तु शास्त्र के अनुसार, तोरण घर के प्रवेश द्वार को संरक्षित करता है। यह दरवाजे के माध्यम से आने वाली नकारात्मक ऊर्जा को रोकता है और सुरक्षा प्रदान करता है।

इन सभी कारणों से घर में तोरण लगाने का महत्व काफी अधिक है। यह न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है, जिससे परिवार में सुख और समृद्धि का वास होता है।

इंडस्ट्री ने नहीं किया शाहरुख की क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल, आमिर गेम चेंजर : करण जौहर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान अक्सर चर्चाओं में बने रहते हैं। वह बीते कई वर्षों से लगातार दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। हाल में ही दिग्गज निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने उनके बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि शाहरुख को मुख्य धारा के सितारे के रूप में अपनी क्षमताओं का पूरी तरह से इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी गई। निर्देशक ने कहा, वह एक ऐसा अनोखा सितारा बनना चाहते थे, जो सिनेमा को बदल दे। हालांकि, अब कोई भी इसकी अनुमति नहीं देगा। निर्देशक ने आगे कहा कि जब शाहरुख खान का नाम लिया जाता है, तो उनके नाम के साथ एक उम्मीद जुड़ी होती है।

सुपरस्टार के दबाव की वह शाहरुख नहीं कर पाते कई भूमिकाएं- करण

करण जौहर हाल में ही हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख

खान और आमिर खान को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि सुपरस्टार की छवि बनाए रखने का दबाव, अक्सर शाहरुख जैसे अभिनेता को लीक से हटकर कुछ अलग भूमिकाएं करने से रोकता है।

उन्होंने कहा कि शाहरुख ने पहेली और अशोका जैसी फिल्मों के साथ आदर्श से हटकर कदम उठाने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि शाहरुख में हमेशा से प्रयोग करने और बदलाव लाने की इच्छा रही है, जो उनके करियर की शुरुआत से ही स्पष्ट रही है।

'शाहरुख हिंदी सिनेमा में क्रांति लाना चाहते हैं'

करण जौहर ने आगे कहा कि शाहरुख कभी भी मुख्यधारा के हीरो जैसी छवि नहीं चाहते थे। हालांकि, दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे की सफलता ने उन्हें इस रास्ते पर डाल दिया। इस फिल्म के बाद उनकी कई प्रेम कहानियों वाली फिल्में आईं, लेकिन वह हमेशा से कुछ अलग तरह की भूमिकाएं करना चाहते थे। निर्देशक ने कहा कि शाहरुख का केतन मेहता, कुंदन शाह और मणि कौल जैसे निर्देशकों के साथ काम करना इस बात का सबूत है। निर्देशक ने शाहरुख की इच्छा उजागर करते हुए कहा कि वह एक ऐसे अभिनेता बनना चाहते हैं, जो सिनेमा में क्रांति ला सके।

आमिर को बताया गेम चेंजर

करण ने इस दौरान बॉलीवुड के एक और सुपरस्टार आमिर खान की भी बात की। उन्होंने आमिर की इंडस्ट्री के लिए गेम चेंजर बनने की सराहना की। उन्होंने कहा कि आमिर ने जिस तरह लगातार अलग-अलग तरह की भूमिकाएं चुनीं, वो बेहद शानदार रहा।

करण ने आमिर की लगान का उल्लेख करते हुए बताया कि ये भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने इस दौरान आमिर की तारे जमीन पर, रंग दे बसंती जैसी कई अन्य फिल्मों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आमिर ने गजनी भी की, जिसने हिंदी सिनेमा में रीमेक वाले दौर को वापस लाया।

चिरंजीवी का नाम गिनीज बुक में

156 फिल्मों में 537 गाने, इनमें 24 हजार डांस स्टेप्स; 45 साल के फिल्मी करियर में बना रिकॉर्ड

मेगास्टार चिरंजीवी का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हुआ है। यह सम्मान उन्हें 45 साल के करियर में 156 फिल्मों के 537 गानों में 24 हजार डांस मूव्स करने के लिए मिला। एक्टर आमिर खान ने उन्हें इस अवॉर्ड से सम्मानित किया। अवॉर्ड देने के बाद आमिर खान ने चिरंजीवी को गले भी लगाया। इस मौके पर आमिर खान ने चिरंजीवी की तारीफ में कहा, 'यहां आना मेरे लिए खुशी और सम्मान की बात है। मैं चिरंजीवी गारू के फैंस को देखकर खुश हूं। मुझे अपने बीच शामिल करने के लिए आप सभी को धन्यवाद देता हूं। मैं उनका (चिरंजीवी) बहुत बड़ा फैन हूं।'

आमिर खान ने की चिरंजीवी के डांस मूव्स की तारीफ

चिरंजीवी के डांस मूव्स की तारीफ करते हुए आमिर खान ने कहा, 'अगर आप उनका कोई भी गाना देखेंगे तो पाएंगे कि उनका दिल डांस में डूब जाता है। वह इसे

बहुत एन्जॉय करते हैं। हम कभी उनसे नजरें नहीं हटाते क्योंकि वह एक बहुत अच्छे एक्टर हैं।'

1979 से एक्टिंग में एक्टिव हैं चिरंजीवी

चिरंजीवी ने 1979 में फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म पुनधिरल्लु से की थी। हालांकि बापू के डायरेक्शन में बनी फिल्म माना वूरी पांडवुलु उनकी पहली रिलीज थी। 1982 में रिलीज हुई 'इंटलो रामय्या वीडिलो कृष्णय्या' जैसी हिट फिल्म से उन्होंने लीड रोल करना शुरू कर दिया था। 1983 में रिलीज हुई फिल्म कैदी ने चिरंजीवी को रातों-रात एक बड़ा सुपरस्टार बना दिया। तब से चिरंजीवी को मेगास्टार चिरंजीवी का टैग मिला।

चिरंजीवी का राजनीतिक सफर

चिरंजीवी का राजनीतिक सफर फिल्मों के अलावा चिरंजीवी ने राजनीति में भी हाथ आजमाया था। उन्होंने 2008 में आंध्रप्रदेश में एक राजनीतिक दल प्रजा राज्यम पार्टी की शुरुआत की थी। पार्टी लॉन्च के समय उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय उनकी पार्टी का मुख्य एजेंडा है। 2009 के आम चुनाव में पार्टी ने आंध्रप्रदेश विधानसभा की 294 सीटों में से 18 सीटों पर जीत हासिल की थी।6 फरवरी 2011 को चिरंजीवी की प्रजा राज्यम पार्टी का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय हो गया। इस विलय के बाद 28 अक्टूबर 2012 को उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उन्हें टूरिज्म मिनिस्टर बनाया गया।

2014 को आंध्रप्रदेश के संसदीय और विधानसभा चुनावों में उन्होंने पार्टी की तरफ से प्रचार किया था। हालांकि चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। इस चुनाव में उनकी पार्टी के सभी उम्मीदवारों को हार मिली थी। इस चुनाव के बाद चिरंजीवी ने किसी संसदीय बैठक में भाग नहीं लिया। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल अप्रैल 2018 में समाप्त हो गया। तब से वो राजनीति में सक्रिय नहीं हैं।

शादी के बाद कपल्स थेरेपी लेने पहुंचे थे फरहान-शिबानी

बोले- थेरेपिस्ट हैरान थे, 24 घंटे पहले तो हुई थी शादी

फरहान अख्तर और उनकी पत्नी शिबानी दांडेकर ने रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, शादी के कुछ दिन बाद ही वे दोनों कपल्स थेरेपी लेने पहुंच गए थे। उन्हें लगता है कि इससे उनका रिश्ता और भी ज्यादा मजबूत हो जाता है।

कपल्स थेरेपी क्या होता है?

आजकल की बिजी लाइफ में कपल एक दूसरे को ज्यादा वक्त नहीं दे पाते हैं। कई बार एक दूसरे से बातें शेयर करने में कतराने लगते हैं। जिस कारण दोनों के बीच मनमुटाव की स्थिति हो जाती है। जिसका नतीजा ये होता है कि उनके बीच झगड़ा होने लगता है। ऐसे में इसी कड़वाहट को दूर करने के लिए कपल अक्सर कपल्स थेरेपी लेने जाते हैं। इस थेरेपी में एक्सपर्ट की मदद से कपल की परेशानियों का हल निकाला जाता है। उनके बीच ब्रेकअप, कम्युनिकेशन इश्यूज, मिसअंडरस्टैंडिंग और प्राइवेट मोमेंट से जुड़े हर मुद्दे में बात की जाती है, ताकि दोनों के बीच मनमुटाव दूर हो जाए।

सगाई के पहले या बाद में शुरू किया था कपल्स थेरेपी

शिबानी दांडेकर ने रिया चक्रवर्ती से बात करते हुए बताया, 'मुझे लगता है कि हमने सगाई के करीब छह महीने पहले या बाद में कपल्स थेरेपी करना शुरू कर दिया था। ये एक दूसरे को समझने के लिए नहीं था। बल्कि, कुछ ऐसा था कि जो करने के लिए एक स्मार्ट चीज की तरह लगता है।'

हमारे थेरेपिस्ट हो गए थे हैरान

उन्होंने ने कहा, 'हमारी शादी सोमवार को हुई थी। इसके बाद हम बुधवार को कपल्स थेरेपी लेने पहुंच गए थे। मुझे याद है कि हम जैसे ही अंदर गए तो थेरेपिस्ट हमें देखकर हैरान हो गए थे। कहने लगे कि 'आप लोग यहां क्यों हैं? आपने अभी 24 घंटे पहले ही शादी की है?'

कभी-कभी समझ नहीं आता था क्या बोले

शिबानी दांडेकर ने कहा, 'थेरेपी के लिए जाना कुछ हद तक जिम जाने जैसा लगता है। उन्होंने कहा, कई बार थेरेपी सेशन के दौरान हम दोनों एक दूसरे को देखते हैं और हमपर बात करने के लिए कुछ नहीं होता है। साथ ही, ऐसे दिन भी आते हैं जब उन्हें नॉर्मल से ज्यादा टाइम की जरूरत होती है।'

लोगों ने कहा था- शादी करने से करियर खत्म हो जाएगा करीना बोलीं- शादी के बाद और ज्यादा फिल्में कीं

करीना कपूर ने हाल ही में खुलासा किया है कि लोगों ने उन्हें शादी नहीं करने की सलाह दी थी। लोगों का कहना था कि अगर वो ऐसा करेंगी, तो उनका करियर खत्म हो जाएगा। एक इंटरव्यू में करीना ने कहा, 'लोग मुझसे कहते थे- शादी मत करो। तुम्हारा करियर खत्म हो जाएगा। लोगों के इन बातों पर मैं कहती थी- ठीक है, अगर मेरा करियर खत्म हो जाएगा। मैंने तो शादी और बच्चे होने के बाद और अधिक काम किया है। इस वजह से मुझे लगता है कि यह चैलेंज को एक्सेप्ट करने, खुद पर विश्वास करने के बारे में है।'

2012 में करीना ने सैफ से शादी की थी

फिल्म टशन की शूटिंग के दौरान सैफ अली खान और करीना कपूर के बीच नजदीकियां बढ़ गईं और दोनों ने कुछ सालों तक डेट करने के बाद 16 अक्टूबर 2012 को शादी की थी। दोनों के दो बच्चे तैमूर अली खान (जन्म- 2016) और जहांगीर अली खान (जन्म- 2021) हैं।

यह सैफ अली खान की दूसरी शादी थी। इससे पहले सैफ ने अमृता सिंह से शादी की थी, जिससे उन्होंने 2004 में तलाक ले लिया था। इस शादी से भी सैफ को दो बच्चे, सारा अली खान (1995) और इब्राहिम अली खान पटौदी (2001) हैं।

फिल्म सिंघम 3 में दिखाई देंगी करीना

करीना के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वो आखिरी बार हंसल मेहता की फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' दिखाई दी हैं। यह फिल्म 13 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई है।

वहीं आने वाले समय में वो फिल्म सिंघम 3 में दिखाई देंगी। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म इसी साल दिवाली के मौके पर 1 नवंबर को रिलीज होगी।

डायरेक्टर अली अब्बास जफर पर फंड्स के दुरुपयोग का आरोप : पुलिस कम्प्लेन करने गए थे प्रोड्यूसर वासु

हाल ही में पूजा एंटरटेनमेंट के फाउंडर और मशहूर फिल्म प्रोड्यूसर वासु भगनानी ने फिल्म डायरेक्टर अली अब्बास जफर के 7.3 करोड़ रुपए अटका कर रखे हैं। अपनी पड़ताल में भास्कर ने पाया था कि अली ने वासु के खिलाफ डायरेक्टर एसोसिएशन में शिकायत भी दर्ज कराई है।

इसके बाद वासु ने भी डायरेक्टर अली पर फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' की शूटिंग के दौरान अबू धाबी अधिकारियों से पाए गए सब्सिडी फंड का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। वासु इस मामले में अली के खिलाफ पुलिस कम्प्लेन दर्ज करवाने भी गए थे पर उनकी एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

तीनों ने नहीं दिया कोई जवाब

दैनिक भास्कर ने इस मामले में वासु भगनानी, उनके बेटे जैकी भगनानी और डायरेक्टर अली अब्बास जफर से भी बात करने की कोशिश की पर अभी तक तीनों की तरफ से कोई जवाब नहीं आया।

अली ने कहा- मामला एसोसिएशन के पास है

अली अब्बास जफर ने कहा था- देखिए, यह मैटर डायरेक्टर एसोसिएशन के पास है। अभी मैं इस पर कुछ नहीं बोल सकता। ये कहते हुए उन्होंने फोन रख दिया था। वहीं अली से जुड़े एक करीबी सोर्स ने कहा था- अली नहीं चाहते कि यह बात अभी बाहर आए। उन्हें डर है कि अगर यह बात बाहर आई तो उनका पेमेंट फंस सकता है।

वासु बोले- ये सभी फिजूल आरोप

इस मामले पर वासु भगनानी का भी पक्ष जानने की कोशिश की गयी थी। वासु ने कहा था- अगर आपको कोई प्रूफ मिलता है, तो आगे बढ़िए। वरना उन लोगों के खिलाफ बोलिए जो ऐसे फिजूल के आरोप लगा रहे हैं।' बताते चलें कि यह पहली बार नहीं है जब वासु के खिलाफ पेमेंट ना करने की शिकायत की गई है। इससे पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है।

क्रू मेंबर्स के 65 लाख भी नहीं चुकाए थे

जुलाई 2024 में भी वासु भगनानी को लेकर खबर आई कि उन्होंने अपनी फिल्म में काम करने वाले क्रू मेंबर्स के 65 लाख रुपए नहीं चुकाए। इसके लिए फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉई को बीच में आना पड़ा। उसने जब वासु पर दबाव बनाया तब पिछले महीने अगस्त में उन्होंने क्रू मेंबर्स के पैसे चुकाए थे।

डायरेक्टर टीनू देसाई के 27 लाख नहीं चुकाए

इसके अलावा वासु ने अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'मिशन रानीगंज' के डायरेक्टर टीनू देसाई के भी 27 लाख रुपए नहीं चुकाए हैं। मिशन रानीगंज पिछले साल अक्टूबर में रिलीज हुई थी। 55 करोड़ के बजट में बनी यह फिल्म अपने बजट की भी भरपाई नहीं कर पाई थी।

स्त्री 2 ने रचा इतिहास, कमाए 600 करोड़

डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर इतनी कमाई करने वाली पहली हिंदी मूवी

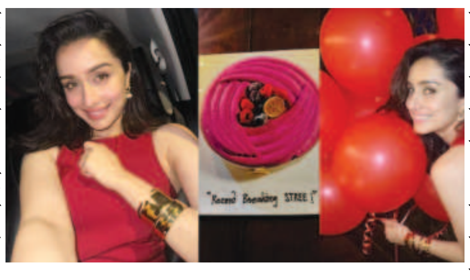

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म स्त्री 2 ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ की कमाई कर ली है। इसी के साथ यह पहली हिंदी फिल्म बन गई है, जिसने यह आंकड़ा पार किया है। फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने सोमवार सुबह एक्स हैंडल (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा- स्त्री 2 इस मील के पत्थर को हासिल करने वाली पहली हिंदी फिल्म बन गई है। मेट्रो से लेकर नॉन-मेट्रो, मल्टीप्लेक्स से लेकर सिंगल स्क्रीन तक और अर्बन सेंटर से लेकर मास मार्केट तक, स्त्री 2 विनर है।

फिल्म स्त्री 2 इसी साल 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, श्रद्धा कपूर, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार थे। फिल्म में वरुण धवन और तमन्ना भाटिया ने कैमियो किया था। इस फिल्म को अमर कौशिक ने डायरेक्ट किया था। यह फिल्म दिनेश विजान की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें स्त्री, भेड़िया, मुंज्या जैसी फिल्में भी शामिल हैं। 600 करोड़ के क्लब में एंट्री लेने के साथ स्त्री 2 ने शाहरुख खान की जवान और पठान, रणबीर कपूर की एनिमल, और प्रभास की बाहुबली 2 के हिंदी वर्जन के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है।

'आइटम नंबर है तो गंदे बोल ही होना चाहिए, यह सोच गलत है' : अमर कौशिक

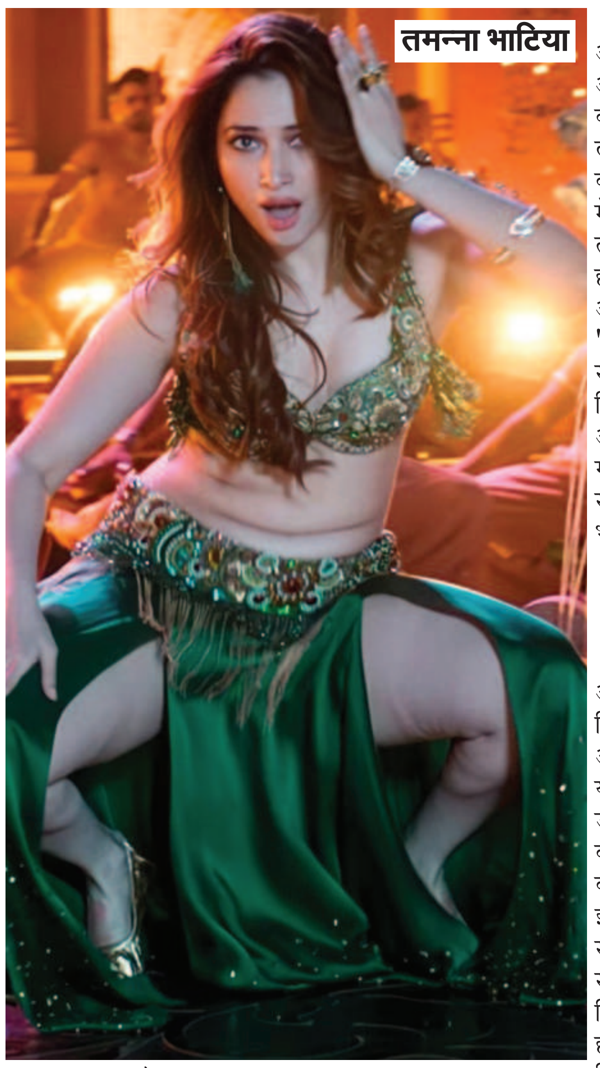

तमन्ना भाटिया

किसी भी फिल्म के आइटम नंबरों को कई बार आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। कई बार लोग आलोचना करते हुए कहते हैं कि आइटम नंबरों में अभिनेत्रियों को वस्तु के तौर पेश किया जाता है। हालांकि, अमर कौशिक ने अपनी फिल्म 'स्त्री 2' में 'आज की रात' गाने से समाज को एक संदेश भी दिया है और बताया है कि आइटम नंबर गानों में सिर्फ गंदे बोल ही नहीं बल्कि समाज के लिए एक संदेश भी हो सकता है।

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की 'स्त्री 2' ब्लॉकबस्टर हॉरर कॉमेडी स्त्री का सीक्वल है, जो 2018 में रिलीज हुई थी। फिल्म 14 अगस्त, 2024 की रात को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे दर्शकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म का गाना आज की रात सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। इसे लेकर इंस्टाग्राम पर कई सारे रील्स भी बनाए गए थे। अब हाल ही में, अमर कौशिक ने बताया है कि लोगों को लगता है आइटम नंबर है तो गंदे बोल ही होना चाहिए, जबकि ऐसा नहीं है। आइए जानते हैं कि निर्देशक ने और क्या कहा है।

समाज को खास संदेश देती हैं 'आज की रात'

आइटम नंबर बनाते वक्त महिलाओं के सम्मान के साथ न हो समझौता

निर्देशक ने कहा कि आइटम नंबर के साथ किसी भी फिल्म को बनाना आसान है। बस मेकर्स को यह पता होना चाहिए कि उस गाने के जरिए वह क्या कहना चाहते हैं। अमर कौशक ने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लोग आइटम सॉन्ग देखने के लिए सिनेमाघरों में आते हैं। हालांकि, मैं यह चाहता था कि यह की क्वालिटी और महिलाओं के सम्मान से समझौता किए बिना कहानी को आगे बढ़ाए।

गाने के सही बोल चुनना है जरूरी

आइटम सॉन्ग बनाने को लेकर निर्देशक ने कहा कि आप बोलो आप जो बोलना चाहते हो और अदाएं भी होनी चाहिए, लेकिन जब आप गाने के बोल सुनो तो लगे कि ये तो बड़ी बात बोल दी है, ऐसा बाद में समझ आएगा। अमर कौशिक ने बताया कि मैं बहनों के साथ बड़ा हुआ हूं और मैंने देखा है उनका संघर्ष। वो सब कुछ आपके जहन में होता है और फिर जब आप कोई फिल्म बना रहे होते हैं तो आप इसे नॉर्मल तरीके से नहीं दिखा सकते।

जयम रवि बोले- शादी में घुटन होने लगी थी, पत्नी के आरोपों को बेबुनियाद बताया

तमिल एक्टर जयम रवि ने तलाक की अनाउंसमेंट के बाद पहली बार इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने पत्नी आरती के सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया, जिसमें आरती ने दावा किया था कि उन्हें इस तलाक के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। कुछ समय से यह भी खबरें थीं कि जयम, सिंगर केनिशा फ्रांसिस को डेट कर रहे हैं। एक्टर ने इस खबर को अफवाह बताया और कहा- बिना मतलब उन्हें इन सब में शामिल न करें।

जयम बोले- मजबूरन पब्लिकली तलाक की अनाउंसमेंट की

फिल्म वेट्टैयन के ऑडियो लॉन्च पर अपने भाई को सपोर्ट करने जयम पहुंचे थे। यहां उन्होंने तलाक और डेटिंग की खबरों पर चुप्पी तोड़ी। हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत में उन्होंने खुलासा किया कि आरती ने उनकी ओर से भेजे गए दो कानूनी नोटिस का जवाब नहीं दिया है।

उन्होंने कहा, 'क्या इस बिहेवियर से लगता है कि वह मेरे साथ मेल-मिलाप करना चाहती थीं? जब मैंने तलाक के बारे में अनाउंसमेंट की थी, तो उससे पहले ही कानूनी कार्यवाही चल रही थी।

मुझे पब्लिक डोमेन में तलाक की अनाउंसमेंट मजबूरी में करनी पड़ी क्योंकि बहुत सारी अफवाहें थीं। मैं अपने फैंस के प्रति जवाबदेह भी हूं।'

'केनिशा फ्रांसिस के साथ हीलिंग सेंटर खोलने की तैयारी'

जयम ने केनिशा फ्रांसिस के साथ डेटिंग की अफवाहों पर कहा कि वे सिंगर के साथ एक स्पिरिचुअल हीलिंग सेंटर खोलने वाले हैं। साथ ही इसका तलाक से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह मुझ पर और हमारे परिवार पर बुरा प्रभाव डालता है। क्या किसी ने इसके बारे में सोचा?'

'एक वक्त बाद मुझे शादी में घुटन होने लगी थी'

पत्नी आरती ने इल्जाम लगाया था कि उन्हें इस तलाक के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इन आरोपों पर जयम ने कहा, 'हमने और हम दोनों की फैमिलीज ने मिलकर इस बारे में चर्चा की थी। मैंने आरती से अलग से भी बातचीत की जिसमें मैंने उन्हें बताया कि मैं यही चाहता हूं।

मैंने उनके पिता से भी बात की थी। एक समय बाद मुझे इस शादी में घुटन होने लगी थी। मैं बस घर से अपनी कार लेकर निकल गया था। मैं अब खानाबदोश हूं।'

जयम बोले- मुझे तलाक चाहिए ही

जयम ने आगे कहा, 'मैंने अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा है कि हर किसी को हमारी निजता का सम्मान करना चाहिए। यहां से वापस जाने का कोई रास्ता नहीं है। मुझे तलाक चाहिए ही। वहीं, तलाक की पहली सुनवाई अक्टूबर में होगी।

तलाक के बाद मुंबई शिफ्ट हुए जयम

जयम ने बताया कि तलाक के बाद में वे मुंबई शिफ्ट हो गए हैं, लेकिन चेन्नई जाते रहते हैं, जहां वो होटलों से ठहरते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे दोनों बेटों आरव और अयान की कस्टडी के लिए कानून का सहारा ले रहे हैं। जयम ने कहा कि उनका सपना है कि वे बेटे आरव को सही समय पर सिनेमा में लॉन्च करें। वैसे बाप-बेटे की यह जोड़ी 2018 की फिल्म टिक टिक टिक में देखी जा चुकी है।

जब जयम से यह सवाल किया गया है कि क्या उन्होंने तलाक पर बच्चों से बात की थी? जवाब में एक्टर ने कहा, 'हां, मैंने 14 साल के आरव से बात की थी और उसे सिचुएशन के बारे में बताया था। अयान सिर्फ 8 साल का है और यह समझने के लिए बहुत छोटा है।'

कौन हैं जयम रवि?

रवि मोहन जिन्हें उनके स्टेज नाम जयम रवि से भी जाना जाता है। वह फिल्म एडिटर ए मोहन के बेटे हैं। रवि ने फिल्म 'जयम' से अपनी फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने अपना नाम जयम रख लिया। जयम रवि के बड़े भाई मोहन राजा एक फिल्म निर्देशक हैं, जिनकी अधिकतर फिल्मों में रवि ही मुख्य किरदार निभाते हैं।

दो साल बाद तिहाड़ जेल से घर लौटे टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल

कहा-मैं हमेशा दीदी के साथ रहूंगा

कोलकाता, 24 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के नेता अनुब्रत मंडल आखिरकार दो साल बाद तिहाड़ जेल में बिताने के बाद अपने घर लौटे। इस दौरान उन्होंने पार्टी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति अपना अटूट समर्थन व्यक्त किया।

फूलों से स्वागत किया

जमानत के बाद मंगलवार सुबह अनुब्रत मंडल अपनी बेटी सुकन्या मंडल के साथ दिल्ली से कोलकाता दमदम उतर पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ सुबह बीरभूम के बोलपुर स्थित निचू पट्टी अपने घर पहुंचे। इस बीच बोलपुर में सुबह से ही अपने चहेते नेता के घर लौटने का इंतजार कर रहे पार्टी कर्मियों और समर्थकों ने उनका फूलों से स्वागत किया महिलाओं ने शंखनाद बजाया।

मैं दीदी के साथ था और...

अनुब्रत मंडल ने बोलपुर पहुंचने के बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा की वे काफी खुश है की वे अपने घर लौटे है। उन्होंने ममता बनर्जी के प्रति स्नेह व्यक्त किया और कहा, 'मैं दीदी के साथ था और हमेशा उनके साथ रहूंगा। मैं उन्हें दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं देता हूं।' यह पूछे जाने पर कि वह मुख्यमंत्री से कब मिलेंगे, उन्होंने कहा, 'मेरा स्वास्थ्य अच्छा नहीं है और मेरे शरीर में दर्द है।'

केश्तो नाम से बुलाती हैं मुख्यमंत्री

हालांकि, सूत्रों ने कहा कि ऐसी संभावना है कि बनर्जी, जो एक बैठक के लिए और बाढ़ की स्थिति का आकलन करने के लिए बोलपुर जाने वाली हैं, टीएमसी के नेता से मिल सकती हैं, जिन्हें उनका करीबी विश्वासपात्र माना जाता है। वह अक्सर मंडल को उनके उपनाम 'केश्तो' से बुलाती हैं। एक स्थानीय नेता ने कहा, 'कई चौराहों पर स्वागत द्वार लगाए गए हैं और बोलपुर शहर में होर्डिंग लगाए गए हैं क्योंकि लोग चाहते हैं कि अनुब्रत मंडल को लगे कि उनकी कमी खल रही है।'

यह है मामला

सीबीआई और ईडी मंडल और उनकी बेटी से जुड़ी संपत्तियों, भूमि लेनदेन और व्यवसायों से संबंधित मामलों की जांच कर रहे हैं।

मंडल बीरभूम में टीएमसी अध्यक्ष थे और अगस्त 2022 में उनकी गिरफ्तारी के बाद उनकी अनुपस्थिति के दौरान कोई नया अध्यक्ष नियुक्त नहीं किया गया था। एक कोर टीम पार्टी की गतिविधियों की देखरेख कर रही थी। उच्चतम न्यायालय ने इस साल जुलाई में अनुब्रत मंडल को इस शर्त पर जमानत दी थी कि वह अपना पासपोर्ट जमा करेंगे और सीबीआई के साथ सहयोग करेंगे। हालांकि, वह कथित मवेशी तस्करी घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की समानांतर जांच के कारण तिहाड़ जेल में बंद थे। मंडल को गिरफ्तारी के दो साल से अधिक समय बाद 20 सितंबर को ईडी के मामले में जमानत मिल गई।

'ममता बनर्जी पैसे से सभी को खरीदना चाहती हैं'

कोलकाता, 24 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल मामले में भाजपा नेता दिलीप घोष ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को घेरा। उन्होंने टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे सभी को खरीदना चाहते हैं।

भाजपा नेता ने टीएमसी पर मृतक डॉक्टर के परिवार को पैसे देकर मुंह बंद करवाने का भी आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए दिलीप घोष ने कहा, वे (टीएमसी और ममता बनर्जी) सभी को खरीदना चाहते हैं।

वे पैसे देकर वोट खरीदते हैं। उन्होंने मृतक डॉक्टर के परिजनों को भी पैसे देकर मुंह बंद करवाने की कोशिश की। हालांकि, यह अच्छा हुआ कि परिवार वालों ने पैसे स्वीकार नहीं किए।

'शिक्षक नियुक्ति में देरी के खिलाफ प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई निंदनीय'

सुवेंदु अधिकारी ने दिया समर्थन

कोलकाता, 24 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने नियुक्ति प्रक्रिया में देरी को लेकर प्रदर्शन कर रहे उच्च प्राथमिक उम्मीदवारों पर कथित पुलिस कार्रवाई की निंदा की। इस दौरान भाजपा नेता ने उच्च प्राथमिक उम्मीदवारों की काउंसलिंग और निर्धारित समय अवधि के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की मांग का समर्थन किया।

भाजपा नेता ने कहा कि उच्च प्राथमिक उम्मीदवार पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर जा रहे थे ताकि जवाब मांग सकें कि कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिए जाने बाद भी एसएससी नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में समय क्यों बर्बाद कर रहा है।

सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'मैं पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर जा रहे अपर प्राइमरी उम्मीदवारों पर पुलिस की क्रूर कार्रवाई की कड़ी निंदा करता हूं। वे जवाब मांग रहे थे कि एसएससी नियुक्ति प्रक्रिया के बारे में जानबूझकर समय क्यों बर्बाद कर रहा है, जबकि कलकत्ता हाईकोर्ट ने एसएससी को राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित सहायता प्राप्त अपर प्राइमरी स्कूलों में सहायक शिक्षकों के रूप में उम्मीदवारों की नियुक्ति प्रक्रिया 12 सप्ताह के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि वे एक दशक से आंदोलन कर रहे हैं। मैं तत्काल काउंसलिंग और निर्धारित समय अवधि के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की उनकी वैध मांग का समर्थन करता हूं।' इससे पहले दिन में, पुलिस ने कोलकाता के साल्ट लेक में विरोध प्रदर्शन कर रहे कई अपर प्राइमरी शिक्षक उम्मीदवारों को हिरासत में लिया। इस बीच, कोलकाता हाईकोर्ट ने शिक्षकों की नियुक्ति सूची जारी करने का आदेश दिया, जिससे संभावित रूप से 14000 उम्मीदवारों को लाभ मिलेगा। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और पार्थसारथी चट्टोपाध्याय की खंडपीठ द्वारा घोषित न्यायालय के निर्णय में विद्यालय सेवा आयोग को चार सप्ताह के भीतर अंतिम सूची प्रकाशित करने का निर्देश दिया गया है। प्रकाशन के बाद काउंसिलिंग आयोजित की जाएगी। न्यायालय के इस निर्णय से शिक्षक नियुक्तियों से संबंधित नौ वर्ष पुराने मुद्दे के सुलझने की उम्मीद है।

सीए डेथ केस-लेबर डिपॉर्टमेंट ईवाई ऑफिस पहुंचा

कंपनी से पूछताछ की, जवाब के लिए 7 दिन का समय दिया; केंद्र को रिपोर्ट भेजी जाएगी

पुणे, 24 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के श्रम अधिकारियों ने 26 साल की सीए एना सेबेस्टियन की मौत मामले की जांच के लिए ने ईवाई के पुणे ऑफिस पहुंचे। उन्होंने कंपनी से कुछ सवाल किए। इसके जवाब देने के लिए 7 दिन का समय दिया। स्टेट लेबर कमिश्नर शैलेंद्र पोल ने कहा कि वे सीए की मौत मामले में एक रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं, जिसे लेबर कमिशन को सौंपा जाएगा। इसके बाद उसे केंद्र में भेजा जाएगा।

दरअसल, एना की 20 जुलाई को कार्डियक अरेस्ट से मौत हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, उसे वर्कलोड के चलते कार्डियक अरेस्ट आया था। मौत से कुछ दिन पहले जब माता-पिता उससे मिलने पुणे आए तो उसने सीने में दर्द की शिकायत की। डॉक्टर को दिखाने पर पता चला था कि ऑफिस वर्कलोड के चलते एना परेशान थी। सीए एना की मौत पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 22 सितंबर को बयान दिया। उन्होंने कहा कि एक महिला सीए काम के दबाव को सहन नहीं कर पाई। दबाव झेलने की ताकत ईश्वर से आती है, इसलिए ईश्वर की शरण में जाएं। इस पर शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि सीए की पढ़ाई के दौरान ऐना के अंदर दबाव झेलने की शक्ति आ गई थी, लेकिन टॉक्सिक वर्क कल्चर और लंबे समय तक काम करने की वजह से उसकी जान गई। आप विक्टिम शेमिंग बंद करें और थोड़ा संवेदनशील बनें। अगर आप कोशिश करेंगी तो भगवान आपकी मदद करेंगे।

अब सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद पर विवाद

दावा-लड्डुओं के कैरेट में चूहे के बच्चे; मंदिर ट्रस्ट बोला- वायरल वीडियो हमारे मंदिर का नहीं

मुंबई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। तिरुमला के बाद अब मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद पर सवाल उठ रहे हैं। एक वीडियो वायरल होने के बाद दावा किया गया है कि मंदिर के प्रसाद में चूहे के बच्चे मिले हैं। वीडियो में प्रसाद रखने वाला कैरेट दिखाई दे रहा है, जिसे कुतरा गया है। कैरेट के एक कोने में चूहे के बच्चे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सर्वणकर ने प्रसाद की शुद्धता को लेकर जवाब दिया है।

ट्रस्ट ने कहा कि वीडियो में दिखाई जगह मंदिर का हिस्सा ही नहीं। हमारी इमेज खराब करने की कोशिश है। मंदिर ट्रस्ट प्रेस कॉन्फ्रेंस में वायरल वीडियो पर जवाब दिया और कहा कि वीडियो सिद्धिविनायक मंदिर का नहीं है।

मंदिर ट्रस्ट बोला-गंदगी की संभावना ही नहीं

सरवणकर ने कहा, ऐसी अस्वच्छ स्थितियों की कोई संभावना नहीं है। जब तिरुपति मंदिर का प्रसादम विवाद शुरू हुआ है, तब हमारे परिसर का भी निरीक्षण किया गया। वहां सभी सुरक्षा और स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। हम प्रसाद अनुभाग में स्वच्छता का सबसे ज्यादा ध्यान रखते हैं। अधिकारी ने बताया कि मंदिर प्रसाद के लिए हाई क्वालिटी मटेरियल का इस्तेमाल करता है, जिसमें प्रीमियम घी भी शामिल है। पानी से लेकर कच्चे माल तक हर चीज लैब में टेस्ट की जाती है। 3 सरकारी अधिकारी सख्त मानकों को बनाए रखने के लिए निगरानी करते हैं।

रोजाना बनते हैं 50 हजार लड्डू

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिद्धिविनायक मंदिर में हर रोज 50 हजार लड्डू बनाए जाते हैं। त्योहार के समय इन लड्डूओं की मांग और बढ़ जाती है। प्रसाद के लिए 50-50 ग्राम के दो लड्डू पैकेट में होते हैं। इसके अलावा फूड एंड ड्रग डिपार्टमेंट भी लड्डू में इस्तेमाल होने वाली चीजों को सर्टिफाइ करता है।

8 दिन लड्डू खराब नहीं होते, पैकेट पर चेतावनी 4 दिन की

मंदिर ट्रस्ट की सचिव वीणा पाटिल ने बताया कि मंदिर में हर साल 2 करोड़ लड्डू बनाए जाते हैं। चाशनी के लिए ब्रांडेड चीनी का इस्तेमाल की जाती है। लैब टेस्ट के मुताबिक इन लड्डुओं को 7 से 8 दिन तक रखा जा सकता है, लेकिन लोगों की सेहत को ध्यान में रखते हुए हम एहतियातन चार दिन में ही खाने की सूचना पैकेट पर लिखते हैं। 50 -50 ग्राम के दो लड्डू पैकेट में होते हैं। ठेकेदार का टेंडर मंजूर होने से पहले उसके बनाए लड्डू का सैम्पल टेस्ट होता है।

ओडिशा की महिला 2किमी तक रेंगकर पेंशन लेने पहुंचीं

80 साल की महिला बोलीं- चल नहीं पाती हूं, फिर भी अधिकारी ने ऑफिस बुलाया

भुवनेश्वर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के क्योंझोर में एक 80 साल की महिला को पेंशन के लिए 2 किलोमीटर तक ऑफिस रेंगकर जाना पड़ा। रायसुआं गांव में रहने वाली पथुरी देहुरी बुढ़ापे और बीमारी के कारण ठीक से चल नहीं पाती है। सीनियर सिटीजन और विकलांग लोगों को घर जाकर पेंशन देने के सरकारी आदेश है। इसके बावजूद भी उन्हें पेंशन लेने के लिए पंचायत ऑफिस जाना पड़ा। मामला 21 सितंबर का है, हालांकि इसका वीडियो मंगलवार को वायरल हुआ।

रिपोर्ट के अनुसार, महिला ने बताया कि हम पेंशन के पैसे से अपना दैनिक खर्च चलाते हैं। पंचायत एक्सटेंशन ऑफिसर (पीईओ) ने मुझे पेंशन के पैसे लेने के लिए ऑफिस आने को कहा था। जब पेंशन बांटने के लिए कोई भी घर नहीं आया, तो मेरे पास 2 किलोमीटर तक रेंगकर पंचायत ऑफिस पहुंचने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। रायसुआं के सरपंच बागुन चंपिया ने बताया कि पथुरी के मामले के बारे में जानकारी लगने के बाद पीईओ और सप्लाई असिस्टेंट को अगले महीने से उनके घर पेंशन और राशन पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। तेलकोई की ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर गीता मुर्मू ने कहा- हमने पीईओ को उन लाभार्थियों को पेंशन देने का निर्देश दिया है, जो ग्राम पंचायत ऑफिस तक पहुंचने में असमर्थ हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार ने की 150 साल पुरानी ट्राम सेवा को बंद करने की तैयारी, सीयूटीए करेगी विरोध

कोलकाता, 24 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता की 150 साल पुरानी परिवहन सेवा ट्राम को बंद करने का फैसला किया है। परिवहन मंत्री स्नेहासिस चक्रवर्ती ने कहा कि सरकार मैदान से एस्प्लेनेड तक एक विरासत खंड को छोड़कर अन्य ट्राम को जल्द बंद करने की तैयारी की है। इसे लेकर कलकत्ता ट्राम उपयोगकर्ता संघ (सीयूटीए) ने विरोध करने का एलान किया है। पूरे देश में कोलकाता एकमात्र ऐसा शहर है, जहां ट्राम चलती है। परिवहन मंत्री ने कहा कि धीमी गति से चलने वाली ट्राम व्यस्ततम घंटों में सड़कों पर जाम की स्थिति पैदा करती हैं। इनको मौजूदा समय में नहीं चलाया जा सकता, क्योंकि सड़कों पर वाहन और भीड़ दोनों बढ़ रहे हैं। परिवहन मंत्री ने कहा कि कोलकाता में सड़कों का हिस्सा केवल छह फीसदी है। ऐसे में शाम के वक्त ट्राम और वाहनों के एक साथ सड़क पर होने से कई जगहों पर भीषण जाम लगता है।

उन्होंने कहा कि 1873 में घोड़े से खींची जाने वाली गाड़ी के रूप में शुरुआत के बाद ट्राम कोलकाता की विरासत का एक हिस्सा हैं। ट्राम ने परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ट्राम चलाने का मुद्दा अब कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। राज्य सरकार अगली सुनवाई में उपरोक्त दलील देगी। मंत्री ने कहा कि महानगर में सबसे कम सड़क स्थान होने के बावजूद कोलकाता पुलिस ने व्यस्ततम घंटों के दौरान भी यातायात चालू रखा है। ट्रैफिक जाम के कारण लोगों को कार्यालय जाने में देर न हो। इसलिए हमको ट्राम को सड़कों से हटाने सहित कुछ कठिन कदम उठाने होंगे। हालांकि, हेरिटेज ट्राम मैदान और एस्प्लेनेड के बीच चलेंगीं।

राज्य सरकार के फैसले का कलकत्ता ट्राम उपयोगकर्ता संघ (सीयूटीए) ने विरोध किया है। इसे लेकर हम शहर भर में पांच ट्राम डिपो के सामने प्रदर्शन करेंगे। पर्यावरण कार्यकर्ता सोमेंद्र मोहन दास ने कहा कि हम ट्राम को बंद नहीं होने देंगे। यदि राज्य सरकार यातायात की भीड़ को कम करने के लिए गंभीर है, तो वह अतिक्रमण हटा सकती है और सड़कों को चौड़ा कर सकती है। ट्राम प्रदूषण कम करती हैं। साथ ही इनकी औसत गति भी कम है। हम ट्राम को बचाने के लिए इस सप्ताह आंदोलन शुरू करेंगे। सीयूटीए के सदस्य कौशिक दास ने कहा कि अगर सरकार डिपो में कई वर्षों से अप्रयुक्त पड़े ट्रामकारों की मरम्मत और नियमित रखरखाव करती है, तो वे ट्राम को सुचारू तरीके से चला सकते हैं। सीयूटीए ने कोलकाता ट्राम को बचाने के लिए हैशटैग अभियान शुरू किया है।

छह साल की मासूम से प्रिंसिपल ने किया दुष्कर्म

हत्या के बाद शव को स्कूल परिसर में ही फेंका

दाहोद, 24 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के दाहोद जिले में छह वर्षीय बच्ची की मौत की जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। मामले में प्रिंसिपल पर ही आरोप लगे हैं। कथित तौर पर स्कूल के प्रिंसिपल ने कक्षा एक की छात्रा की गला घोंटकर हत्या कर दी। वह भी इसलिए, क्योंकि उसने अपने साथ हो रहे यौन उत्पीड़न के प्रयासों का विरोध किया था। इसके बाद प्रिंसिपल ने उसके शव को स्कूल परिसर में ही फेंक दिया। उसने बच्ची के बैग और जूते को भी कक्षा के पास फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी प्रधानाचार्य 55 वर्षीय गोविंद नट को गिरफ्तार कर लिया है।

सीएम स्टालिन ने दिए उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाने के संकेत, मंत्रिमंडल में भी होगा फेरबदल

चेन्नई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को संकेत दिए कि खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन को उप मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने मत्रिमंडल में फेरबदल के भी संकेत दिए। जब पत्रकारों ने उनसे मंत्रीमंडल में फेरबदल के बारे में और उदयनिधि को डिप्टी सीएम बनाने को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कुछ ही शब्दों में इसका जवाब दिया। उन्होंने बस इतना कहा कि कोई निराशा नहीं होगी। बदलाव होगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा, कोई निराशा नहीं होगी। बदलाव होगा। स्टालिन ने अपने अगले सवाल पर कहा कि सरकार पूर्वोत्तर मानसून से निपटने के लिए तैयार है। राज्य के मुख्य सचिव पहले ही शीर्ष अधिकारियों से चर्चा कर चुके हैं। वह अधिकारियों के साथ विचार विमर्श भी करेंगे। विपक्ष उनकी अमेरिकी यात्रा के दौरान प्राप्त निवेश पर श्वेत पत्र की मांग कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने पहले ही बयान जारी कर चुके हैं। वह अपने आप में एक श्वेत पत्र है। स्टालिन के अमेरिका दौरे के दौरान राज्य सरकार ने कुल मिलाकर 18 कंपनियों के साथ 7,616 करोड़ रुपये के समझौते किये। स्टालिन जब राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए अमेरिका दौरे पर गए और फिर 14 सितंबर को अपनी वापसी के दौरान उन्होंने मंत्रिमंडल में फेरबदल के संकेत दिए थे। स्टालिन दो बार मंत्रिमंडल में फेरबदल के संकेत दिए। पार्टी उम्मीदवारों और पदाधिकारियों द्वारा उदयनिधि स्टालिन के लिए सरकार में एक बड़ी भूमिका की उम्मीद की जा रही है। 18 सितंबर को उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि मुख्यमंत्री स्टालिन उन्हें डिप्टी सीएम बनाने पर फैसला लेंगे। अगले ही दिन तमिलनाडु मंत्री था मो अनबरसन ने कहा कि उदयनिधि की डिप्टी सीएम के रूप में पदोन्नति होगी।

गुरमीत राम रहीम के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची एसजीपीसी

2007 से जुडे.मामले मे रिवीजन पिटीशन दाखिल, 7 नवंबर को होगी सुनवाई

चंडीगढ़, 24 सितंबर (एजेंसियां)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की मुश्किलें बढ़ गईं हैं। उनसे जुड़े मामले में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में रिवीजन याचिका दाखिल की है। यह धार्मिक भावनाओं को भड़काने से जुड़ा मामला है। इसमें सेशन जज के आदेश को चुनौती दी गई। 7 नवंबर को इस मामले की सुनवाई होगी।

2007 में डेरा मुखी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह का स्वांग रचा था। उसके बाद यह मामला श्री अकाल तख्त साहिब तक पहुंचा था। फिर अकाल तख्त ने डेरा मुखी और उनके समर्थकों के बायकाट का आदेश सुनाया था। उस समय एसजीपीसी ने धार्मिक भावनाओं को भड़काने संबंधी याचिका दायर की थी। 2015 में बठिंडा जिला अदालत ने समन (याचिका) को खारिज कर दिया था। अब अदालत में एसजीपीसी ने याचिका में कहा है कि जब समन रद्द किए थे, उस समय राम रहीम पर रेप और हत्या के दोष नहीं थे। जबकि अब डेरा मुखी अब हत्या और रेप के केस में दोषी करार दिया जा चुका है। ऐसे में सुनवाई होनी चाहिए।

अदालत की तरफ से अभी तक इस मामले में किसी को नोटिस जारी नहीं किया है। अदालत द्वारा मामले अगले महीने सुनवाई होगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

ममता बोलीं-डीवीसी मुख्यालय के बंगाल से स्थानांतरित होने पर कोई आपत्ति नहीं

भाजपा ने किया पलटवार

कोलकाता, 24 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) मुख्यालय को कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर सकती है। वह नहीं चाहतीं कि यहां ऐसा निकाय रहे जो जलाशयों से राज्य में पानी छोड़ता है, जिससे लोगों की मौत होती है। ममता की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत काम करने वाले डीवीसी द्वारा प्रबंधित बांधों से पानी छोड़े जाने के बाद राज्य के दक्षिणी हिस्से के कई जिले जलमग्न हो गए। मामले में केंद्रीय मंत्री सुकांता मजूमदार ने कहा कि डीवीसी के कानून के अनुसार पश्चिम बंगाल सरकार डीवीसी का अभिन्न अंग है, लेकिन ममता बनर्जी हमेशा किसी न किसी तरह से ऐसा माहौल बनाने की कोशिश करती हैं कि पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा नहीं है। बंगाल के लोग उन्हें सबक सिखाएंगे। ममता बनर्जी हमेशा दूसरों पर जिम्मेदारी डालती हैं, उनसे पूछें कि क्या उन्होंने इस डीवीसी चीज का मुकाबला करने के लिए कोई पहल की है। पिछली बार भी ममता बनर्जी ने यही शब्द गढ़ा था कि यह मानव निर्मित बाढ़ है, अगर उन्हें इसकी जानकारी है तो उन्हें कोई पहल करनी चाहिए थी।

बीमार युवक ने तोड़ा कार का शीशा, लोगों ने पीट-पीटकर ले ली जान

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। प्रेम नगर इलाके में कार का शीशा तोड़ने के विवाद में मानसिक रूप से बीमार एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त दीपक के रूप में हुई है, परिवार वालों ने घायल युवक को पास के अस्पताल में लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों के मुताबिक, युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा था।

अक्सर वह आसपास के लोगों के घरों में घुस जाता था। इस बात की जानकारी पड़ोसियों को थी। सोमवार को युवक ने एक कार का शीशा तोड़ दिया, जिससे नाराज लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। पिटाई से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

अनमोल' रत्न पर सेबी का साया

कभी अनिल अंबानी के लिए बने थे संजीवनी

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी के लिए ये बड़ा दुविधा वाला समय है. एक तरफ उनकी कंपनियों के शेयर लगातार चमक रहे हैं. उनकी कंपनियों के कर्ज का बोझ कम हुआ है, तो दूसरी तरफ उन्हें सेबी की कार्रवाई का भी सामना करना पड़ा.

अब नई आफत उनके बेटे जय अनमोल अंबानी पर आई है, जिन्होंने कभी उनके लिए 'अनमोल रत्न' बनकर संजीवनी का काम किया था. अब जय अनमोल अंबानी भी सेबी के रडार पर आ गए हैं. अनिल अंबानी तो खुद को दिवालिया घोषित कर चुके थे, लेकिन उनके बेटे जय अनमोल अंबानी ने जब से उनके कारोबार की बागडोर संभाली है, तब से उनके दिन संवरने लगे. रिलायंस कैपिटल और निप्पॉन की डील में तो वह की फैक्टर रहे थे. अब उन्हीं जय अनमोल अंबानी पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगा है. सेबी ने जय अनमोल अंबानी पर ये जुर्माना उनकी कंपनी रिलायंस होम फाइनेंस में कथित अनियमितताओं के चलते लगाया है. जबकि इससे पहले उनके पिता अनिल अंबानी पर सेबी शेयर मार्केट में लेनदेन करने से रोक चुकी है.

क्यों लगा है जय अनमोल अंबानी पर जुर्माना?

सेबी का कहना है कि जय अनमोल अंबानी ने जनरल पर्पज वर्किंग कैपिटल के लिए कर्ज दी गई राशि को जारी करने से पहले तय प्रक्रिया का पालन सही से नहीं किया. इतना ही नहीं इन जीपीसीएल इकाइयों ने रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की अन्य कंपनियों को जो कर्ज दिया, उसके लिए भी प्रक्रिया का पालन नहीं किया. इसमें रिलायंस कैपिटल भी शामिल है.सेबी का कहना है कि जय अनमोल अंबानी ने वीजा कैपिटल पार्टनर और एक्युरा प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड को 20-20 करोड़ रुपए का बिना रेहन का लोन देने के लिए अप्रूवल दिया, जिसमें प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया. जय अनमोल अंबानी, रिलायंस कैपिटल और जीपीसीएल अप्रूवल देने के दिन 2 दिन ऑपरेशन की जिम्मेदारी देखते हैं. ऐसे में अनियमितताओं को लेकर सेबी ने उन पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है.

पिता पर भी लग चुका है 5 साल का बैन

इससे पहले सेबी अनिल अंबानी पर भी शेयर बाजार में काम करने को लेकर 5 साल का बैन लगा चुकी है. इतना ही नहीं सेबी ने उन पर 25 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया था. सेबी का कहना है कि अनिल अंबानी ने रिलायंस होम फाइनेंस में 5 साल पहले फंड की हेरा-फेरी की थी.

खेती-किसानी की रीढ़ बनेंगी 20 लाख महिलाएं

छह साल में एग्री-वैल्यू चेन में नजर आएगी मातृशक्ति

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। देश के कृषि क्षेत्र में भले ही महिलाओं की हिस्सेदारी साठ फीसदी से अधिक है, मगर अभी तक भारत की 'एग्री-वैल्यू' चेन में मातृशक्ति, अहम भूमिका से कोसों दूर है। अब कॉर्टेवा एग्रीसाइंस ने एक नया साहसिक कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इसके जरिए 2030 तक 20 लाख महिलाओं को भारत की एग्री-वैल्यू चेन में एक अहम भूमिका में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। इस कार्यक्रम के तहत कॉर्टेवा का लक्ष्य महिलाओं की सहायता करना और उन्हें पर्याप्त उपकरण एवं संसाधन प्रदान करते हुए एक किसान, शोधकर्ता तथा उद्यमी बनने में मदद करना है। यह कार्यक्रम पारंपरिक कॉर्पोरेट जिम्मेदारी से परे है। इसके माध्यम से स्त्री पुरुष के बीच समानता विकसित करने पर जोर रहेगा। राष्ट्र के सतत विकास में महिलाओं का योगदान बढ़ेगा। वे देश के विकास में आर्थिक मजबूती के साथ अपनी भूमिका निभा सकेंगी। मंगलवार को कॉन्स्टीट्यूशन कलब में आयोजित एक कार्यक्रम में 'एग्री-वैल्यू' चेन में मातृशक्ति की प्रभावी भूमिका को बढ़ाने की मुहिम की शुरुआत की गई। यह पहल संसाधनों और निर्णय लेने वाली भूमिकाओं में महिलाओं को पुरुषों से बराबरी करने में मदद करती है, इसके साथ ही यह खासतौर से कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने वाली तकनीकों को विकसित करती है। खाद्य सुरक्षा की स्थिति को बेहतर बनाती है। इस पहल की शुरुआत के अवसर पर, कॉर्टेवा एग्रीसाइंस के साउथ एशिया प्रेसिडेंट सुब्रतो गीड ने कहा, 'महिलाएं ग्रामीण जीवन और कृषि क्षेत्र की रीढ़' हैं। अब 20 लाख से अधिक महिलाओं को खेती के बेहतर तरीकों की जानकारी दी जाएगी।

ऑल टाइम हाई पर सोना:204 बढ़कर 74,671 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा

चांदी की कीमत में भी आज 312 की बढ़त

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। सोना की कीमत आज (24 सितंबर) अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, मंगलवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 204 रुपए बढ़कर 74,671 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले सोमवार को इसके दाम 74,467 रुपए प्रति दस ग्राम थे। चांदी की कीमत में भी आज बढ़त देखने को मिली है। ये 312 रुपए महंगी होकर 88,068 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। इससे पहले चांदी 87,756 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,510 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,360 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 70,000 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 76,360 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,360 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,410 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 76,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 70,000 रुपये है।

78 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं।

महंगाई की मार,प्याज के बाद टमाटर भी हुआ लाल

इस तरह सरकार आम लोगों को सस्ते रेट में बेचेगी टमाटर

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। प्याज के बढ़ते दामों के बाद अब टमाटर भी लाल हो गया है। 15 दिन पहले तक जो टमाटर बाजार में 20—30 रुपए किलों मिल रहा था। वहीं टमाटर के रेट अब 50 से 70 रुपए किलों तक पहुंच गए है। इस बीच केंद्र सरकार ने टमाटर की कीमतों पर भी नजर रखना शुरु कर दिया हैं। जैस ही टमाटर के रेट ज्यादा उपर जाते वैसे ही सरकार प्याज की तर्ज पर सस्ते दरों में टमाटर की बिक्री करने का निर्णय लेगी। ताकि त्योहारी सीजन में आम आदमी को राहत मिल सके। हाल ही में केंद्र सरकार ने प्याज की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए बफर स्टॉक से बिक्री बढ़ा दी है। क्योंकि खुले बाजार में अब भी प्याज की कीमत 55 रुपये प्रति किलोग्राम है। ऐसे में केंद्र सरकार ने तय किया है कि बढ़ते रेट को ओर नीचे लाने के लिए सहकारी समितियों के जरिए 35 रुपये प्रति किलो की दर से सरकार प्याज बिक्री शुरु की गई है। जिन शहरों में दाम ज्यादा है वहां सस्ती दर पर प्याज की बिक्री होगी। इस बीच सरकार ने टमाटर के रेट पर भी नजर रखना शुरु कर दिया हैं। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सोमवार को कहा कि टमाटर की कीमतों के रुझानों पर सरकार की नजर है। अगर कीमतें ऊपर जाती दिखीं तो सरकार हस्तक्षेप करेगी। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि केंद्र सस्ती दरों पर टमाटर की भी बिक्री शुरू कर सकता है। पिछले कुछ दिनों में सब्जी मंडियों में खुदरा और थोक बाजारों में टमाटर की कीमत एक बार फिर बढ़ने लगी है। देश में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, उड़ीसा, गुजरात, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र टमाटर का उत्पादन ज्यादा होता हैं। कुछ दिनों पहले हुई गुजरात, महाराष्ट्र, एमपी में तेज बारिश से टमाटर को नुकसान पहुंचा है। कई ट्रकों में रखे टमाटर खराब हो गए। वहीं कई ट्रक बाढ़ में फंस गए। इससे समय से माल उत्तर भारत की सब्जी मंडियों तक नहीं पहुंच पाया।करोबारियों का कहना है कि इन दिनो बाजार में टमाटर की आवक कम हुई हैं जो सामान्य मात्रा से मुकाबले काफी कम है। चार सप्ताह पहले तक टमाटर की कीमत 10 से 12 रुपए प्रति किलो थी। अब यही टमाटर शहर के खुदरा बाजारों में 50-70 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। बढ़ते दामों के पीछे का मुख्य कारण अधिक वर्षा और उत्पादन में कमी आना है।

कामकाजी महिलाएं पुरुषों से 3 गुना तेज बढ़ीं

बेरोजगारी पुरुषों में कम; सालभर में बेरोजगारी दर 3.2% पर स्थिर

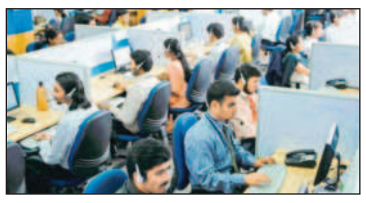

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। देश में पिछले 6 साल में कामकाजी महिलाएं 18% और पुरुष 5% बढ़ गए। 2023-24 में महिलाओं का वर्कर पॉपुलेशन रेश्यो (डब्ल्यूपीआर) 40% पर पहुंच गया, जो 2017-18 में 22% ही था। यानी 18% का इजाफा हुआ। वहीं, पुरुषों में यह 76% हो गया, जो 71% था यानी 5% की बढ़ोतरी हुई। इस हिसाब से कामकाजी महिलाएं पुरुषों से 3 गुना तेजी से बढ़ीं। मगर, 6 साल में पुरुषों की बेरोजगारी दर 2.9% घटी, जबकि महिलाओं की 2.4% ही कम हुई। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) की जुलाई 23 से जून 24 की रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं। आंकड़े के मुताबिक, कामकाजी लोगों में सबसे ज्यादा 58.4% लोग स्वरोजगार, 21.7% नियमित नौकरी और 19.8% दिहाड़ी मजदूरी में हैं। 2022-23 के मुकाबले स्वरोजगार वाले 1.1% और नौकरीपेशा 0.8% बढ़े, जबकि दिहाड़ी मजदूरी वाले 2% तक घट गए। काम करने वालों में सबसे ज्यादा 46% लोग कृषि, 12.2% ट्रेड, होटल और रेस्टोरेंट, 12% निर्माण और 11.4% मैन्युफैक्चरिंग में लगे हैं। 2022-23 के मुकाबले निर्माण में काम करने वाले सबसे ज्यादा 1% कम हुए। देश में 15 से 29 वर्ष के आयु वर्ग की बेरोजगारी दर में एक साल के दौरान मामूली इजाफा हुआ है। जुलाई 2022-जून 23 में 10% की तुलना में जुलाई 2023- जून 24 में यह 10.2% हो गई है। शहरी इलाकों में यह दर 15.7% से घटकर 14.7% हो गई है, जबकि ग्रामीण इलाकों में 8% से बढ़कर 8.5% हो गई है।अप्रैल से जून-2024 के दौरान स्वरोजगार के जरिए देश में औसतन मासिक आय 13,900 रुपए रही। वेतनभोगी कर्मियों का औसत मासिक वेतन सबसे ज्यादा 21,103 रु. है। दिहाड़ी मजदूर औसतन 433 रुपए रोजाना कमा रहे हैं। इस हिसाब से देखें तो नौकरीपेशा लोग स्वरोजगार वालों से हर महीने 7203 रुपए ज्यादा कमा रहे। जबकि जुलाई-सितंबर 2023 में स्वरोजगार में मासिक आय 12,685 रुपए और वेतनभोगी में 20,095 रुपए थी।

क्यों करोड़ों रुपए के 80 इंजन सस्ते दाम में बेच रहा रेलवे? इस तरह कर सकते हैं खरीदी !

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। आमतौर त्योहारों के सीजन में कपड़े और इलेक्ट्रिक उपकरण समेत कई सामनों की सेल बाजारों में बड़े पैमाने पर लगती हैं। इस बीच ट्रेन के इंजन की भी एक सेल लगाई गई है। भारतीय रेलवे ने यह सेल 80 से ज्यादा पुराने डीजल इंजन की लगाई है। दरअसल, पश्चिम मध्य रेलवे के पूरी तरह से इलेक्ट्रीफाइड होन गया है। इसके बाद से उनके पास खड़े 80 से ज्यादा डीजल इंजन का कोई उपयोग नहीं रह गया है। ऐसे में रेलवे ने इन्हें अपने एक यार्ड में खड़ा कर दिया है और इनकी सेल लगा दी है। जानकारी के मुताबिक,पश्चिम मध्य रेलवे के कुछ इंजन कबाड़ हो चुके है। जबकि कुछ डीजल इंजनों की हालत बहुत अच्छी है और सभी चालू हालत में है। रेलवे ने अपना ट्रेकों का इलेक्ट्रिफिकेशन कर दिया हैं। ऐसे में इन पुराने डीजल इंजन की रेलवे को कोई जरुरत नहीं हैं। रेलवे को इन्हें चलाना और रखना महंगा पड़ने लगा है। इसलिए रेलवे ने इन करोड़ों रुपए के इंजन को बेचने का निर्णय लिया है।पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि,भारत में अधिकांश रेलवे ट्रैक इलेक्ट्रीफाइड हो चुके है। लेकिन अभी भी बांग्लादेश समेत कुछ छोटे देशों में डीजल इंजन चलते हैं। इसके अलावा कई निजी लोग भी डीजल इंजन का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए पुराने लोकोमोटिव को बेचने के पश्चिम मध्य रेलवे सभी संभावनाएं तलाश कर रहा है। कुछ ओवर ऐज इंजनों को कबाड़ में भी बेचने की तैयारी है। रेलवे का एक डीजल इंजन लगभग 4500 हॉर्स पावर का होता है। एक नए डीजल इंजन की कीमत लगभग 10 करोड़ रुपए होती है। रेलवे ने कुछ वर्षों पहले अच्छी हालत में दो इंजन बेचे थे। इससे पश्चिम मध्य रेलवे को करीब 5 करोड़ रु प्राप्त हुए थे। इसके अलावा कबाड़ हो चुके ओवर ऐज 28 लोकोमोटिव 27 करोड़ रुपए में बेचे गए थे। आज की स्थिति में पश्चिम मध्य रेलवे के पास 80 लोकोमोटिव इंजन हैं, जिन्हें रेलवे बेचने की कोशिश कर रहा है लेकिन अबतक कोई खरीददार सामने नहीं आया है।

मेटल शेयरों की दमदार तेजी से बाजार गुलजार

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में इस समय बेरोजगारी की स्थिति ऊपर से भले स्थिर नजर आ रही है, लेकिन इसकी तह में जाने पर पता चलता है कि बेरोजगारी अब भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है. महिलाओं से जुड़ी बेरोजगारी में बढ़ोतरी हुई है यानी उनके लिए काम करने के अवसर पहले से कम हो गए हैं. देश के वर्कफोर्स से जुड़े एक एनुअल सर्वे के मुताबिक जुलाई 2023 से जून 2024 के बीच देश में बेरोजगारी की दर स्थिर रही है. 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के बीच बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत पर स्टेबल बनी हुई है.बेरोजगारी दर के आंकड़ों को अगर महिला और पुरुष के बीच बांटकर देखें, तो सर्वेक्षण के मुताबिक जुलाई 2023 से जून 2024 के बीच महिलाओं में बेरोजगारी दर का स्तर 2.9 प्रतिशत से बढ़कर 3.2 प्रतिशत हो गया. वहीं पुरुषों के बीच बेरोजगारी का स्तर मामूली तौर पर कम हुआ है. ये 3.3 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत पर आया है.किसी निश्चित अवधि में बेरोजगारी दर का कैलकुलेशन टोटल वर्कफोर्स में मौजूद बेरोजगार व्यक्तियों का प्रतिशत होता है. इसे ऐसे समझ सकते हैं कि एक फिक्स टाइम फ्रेम में टोटल वर्कफोर्स 10 लोगों का है, जिसमें से 3 लोगों के पास रोजगार नहीं है. ऐसे में उस अवधि में बेरोजगारी दर 3 प्रतिशत होगी, जबकि रोजगार का स्तर 7 प्रतिशत होगा.

सेंसेक्स पहली बार 85,000 के पार

मुंबई,24 सितंबर (एजेंसियां)। मंगलवार को यूं तो भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला। बाजार खुलते समय बीएसई का संवेदी सूचकांक निगेटिव ही था। लेकिन, शुरुआती कारोबार के बाद बाजार के मुख्य सूचकांक रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए। सुबह करीब के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी ने क्रमशः 85,052 और 25,978 का नया ऑल-टाइम हाई बनाया है।

सुबह लुढ़क कर खुला बाजार

बीएसई में मंगलवार को कारोबार की शुरुआत के समय 84860.73 अंक पर खुला। यह एक दिन पहले 84928.61 अंक पर बंद हुआ था। मतलब कि आज सेंसेक्स निगेटिव खुला था। लेकिन 10 बजे से पहले ही यह पॉजिटिव हो गया। सुबह 09.51 बजे तो सेंसेक्स 85,000 का मनोवैज्ञानिक स्तर पार करते हुए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। सुबह 10:51 बजे सेंसेक्स 24.63 अंक या 0.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 84,953 पर था।

बाजार का रुझान सकारात्मक

हालांकि, शुरुआती कारोबार बाजार में रुझान सकारात्मक बना हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 1388 शेयर हरे निशान और 758 शेयर लाल निशान में थे। छोटे और मझोले शेयरों में खरीदारी देखी जा रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 137 अंक या 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,838 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 43 अंक या 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,592 पर था। एनएसई पर ऑटो, फार्मा, मेटल, मीडिया, एनर्जी, इन्फ्रा, पीएसई, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सबसे ज्यादा बढ़ने वाले इंडेक्स थे।

आईटी, पीएसयू बैंक, फिन सर्विस, एफएमसीजी और रियल्टी में दबाव के साथ कारोबार हो रहा था। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील,

निफ्टी भी पहुंच गया ऑल टाइम हाई पर

नेस्ले, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स और एनटीपीसी टॉप गेनर्स थे।

ये रहे टॉप लूजर्स

बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, विप्रो और बजाज फिनसर्व टॉप लूजर्स थे। एशिया के ज्यादातर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता सबसे ज्यादा बढ़ने वाले बाजार हैं।

अमेरिका में क्या रहा

अमेरिका के बाजार सोमवार को हरे निशान में बंद हुए थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि मध्य पूर्व में तनाव के कारण बाजार के चिंता का विषय है। इजराइल द्वारा लेबनान पर हमले के बाद स्थिति और तनावपूर्ण हो गई है। बाजार में अधिक वैल्यूएशन होने के कारण निवेशकों को ऐसे शेयरों पर फोकस करना चाहिए। जहां वैल्यू हो।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	05-34 बजे
चंद्र-	मिथुन	मे	तुला...	07-40 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	09-50 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	12-04 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	14-09 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	16-01 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	17-38 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	19-14 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	21-00 बजे
			मिथुन	23-00 बजे
			कर्क--	01-12 बजे
			सिंह---	03-24 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-09
सूर्यास्त. -18-06
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -197294912 5
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 12 -11 तक उपरान्त नवमीं
मास - आश्विन कृष्ण , बुधवार 25 September
नक्षत्र - आद्रा 22 -23 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - वरियान 00-17 तक उप परिघ
करण- कौलव 12-11 तक उप तैतिल
विशेष:- सौभाग्यवतीनां नवमी श्राद्ध
व्रत -त्योहार - श्री लक्ष्मी व्रतं

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:08 से 13:38 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:09 - 07:37	शुभ	उत्पात	18:06 - 19:38	अशुभ
अमृत.	.07:37 - 09:07	शुभ	शुभ	19:38 - 21:08	शुभ
काल.	09:07 - 10:37	अशुभ	अमृत.	21:08 - 22:38	शुभ
शुभ.	10:37 - 12:08	शुभ	चंचल	22:38 - 00:08	शुभ
रोग	12:08 - 13:38	अशुभ	रोग.	00:08 - 01:37	अशुभ
उत्पात	13:38 - 15:08	अशुभ	काल	01:37 - 03:07	अशुभ
चंचल	15:08 - 16:38	शुभ	लाभ.	03:07 - 04:37	शुभ
लाभ	16:38 - 18:06	शुभ	उत्पात	04:37 - 06:09	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें । पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं । इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं । यात्रा संभावित है ,हालाँकि हमारा सुझाव यह है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे ।आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी।आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं । जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे । साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं ।अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा ।आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है । आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें ।अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा । आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे । इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हरिनी अमरसूर्या बनीं श्रीलंका की नई प्रधानमंत्री

राष्ट्रपति दिसानायके ने किया मंत्रालय का बंटवारा

कोलंबो, 24 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। हरिनी अमरसूर्या श्रीलंका की नई प्रधानमंत्री बन गई हैं। उन्होंने मंगलवार को श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह साल 2000 में सिरीमावो भंडारनायके के बाद इस पद पर आसीन होने वाली दूसरी महिला नेता बन गईं। 'नेशनल पीपुल्स पावर' (एनपीपी) की 54 वर्षीय नेता अमरसूर्या को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने शपथ दिलाई। दिसानायके ने खुद समेत चार सदस्यों का मंत्रिमंडल नियुक्त किया है।

अमरसूर्या को न्याय, शिक्षा, श्रम, उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य तथा निवेश मंत्रालयों का कार्यभार सौंपा गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने की जगह यह जिम्मेदारी संभाली है।

दिनेश गुणवर्धने ने राष्ट्रपति चुनाव के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

विजिता हेराथ और लक्ष्मण निपुणआरच्ची ने मंत्री पद की शपथ ली

एनपीपी सांसदों विजिता हेराथ और लक्ष्मण निपुणआरच्ची ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। वे संसद भंग होने के बाद कार्यवाहक कैबिनेट मंत्री के रूप में काम करेंगे।

संसदीय चुनाव नवंबर के अंत में हो सकते हैं

मामले से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि संसदीय चुनाव नवंबर के अंत में हो सकते हैं।

राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद 56 वर्षीय दिसानायके ने रविवार को श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी।

भारतीय-मूल के पूर्व मंत्री एस. ईश्वरन दोषी करार

अगले महीने सुनाई जाएगी सजा

सिंगापुर, 24 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व मंत्री एस. ईश्वरन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को कबूल कर लिया है। जिसके बाद से उनकी सजा 3 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी गई है। उन्हें मंगलवार को लोक सेवक के रूप में मूल्यवान चीजें प्राप्त करने और न्याय में बाधा डालने के कमतर आरोपों में दोषी ठहराया गया था। भ्रष्टाचार के आरोपों से संबंधित मंगलवार के मुकदमे के बाद पूर्व परिवहन मंत्री की जमानत बढ़ा दी गई है। अभियोजन पक्ष ने मंत्री के लिए, छह से सात महीने की जेल की सजा मांगी थी। मंत्री ने मुकदमे के पहले दिन दोषी होने की दलील दी थी। उन्होंने कई महीनों तक कहा था कि वह अपना नाम साफ करने के लिए इस मामले में लड़ेंगे। वहीं सुनवाई खत्म होने पर, न्यायमूर्ति विंसेंट हुंग ने बचाव पक्ष और अभियोजन पक्ष को उनके तर्कों के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उन्हें ईश्वरन की सजा पर विचार करने के लिए समय चाहिए। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईश्वरन ने दंड संहिता की धारा 165 के तहत चार आरोपों को स्वीकार किया है। यह धारा सभी लोक सेवकों को आधिकारिक क्षमता में उनके साथ जुड़े किसी व्यक्ति से कोई मूल्यवान चीज प्राप्त करने से रोकती है। इसके साथ ही, उन्होंने न्याय में बाधा डालने का एक आरोप भी स्वीकार किया है। जबकि सजा सुनाने के लिए 30 अन्य आरोपों पर विचार किया जाना था। अभियोजन पक्ष ने ईश्वरन के लिए छह से सात महीने की सजा की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने आठ सप्ताह से अधिक की जेल की सजा की मांग की है, यदि न्यायाधीश को लगता है कि जेल की सजा उचित है। डिप्टी अटॉर्नी जनरल ताई वेई श्योंग ने अदालत को बताया कि अभियोजन पक्ष ने दंड संहिता की धारा 165 के तहत भ्रष्टाचार के दो आरोपों को दो कमतर आरोपों से बदल दिया है। थिएटर शो, फुटबॉल मैच और सिंगापुर एफ1 ग्रैंड प्रिक्स, व्हिस्की, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और होटल में ठहरने सहित कीमती सामानों से संबंधित आरोप। इसमें शामिल राशि एसजीडी 400,000 (यूएसडी 300,000 से अधिक) से अधिक है। ईश्वरन ने सोमवार को राज्य को एसजीडी 380,305.95 (यूएसडी 294,845) का भुगतान किया। उसके पास से व्हिस्की और वाइन की बोतलें, गोल्फ क्लब और एक ब्रॉम्पटन साइकिल भी जब्त की गई। ईश्वरन के आरोप प्रॉपर्टी टाइकून ओंग बेंग सेंग और कंस्ट्रक्शन फर्म के मालिक लुम कोक सेंग के साथ उसके संबंधों से संबंधित हैं। हालांकि दोनों व्यवसायियों पर आरोप नहीं लगाए गए हैं। संशोधित किए गए दो आरोपों में ओंग शामिल हैं, जो उस समय सिंगापुर जीपी के बहुसंख्यक शेयरधारक थे। संशोधित आरोपों में यह भी कहा गया है कि ईश्वरन को पता था कि सिंगापुर जीपी के माध्यम से ओंग सुविधा के प्रदर्शन से संबंधित था। सिंगापुर एफ1 ग्रैंड प्रिक्स 2022 से 2028 के लिए सिंगापुर जीपी और सिंगापुर पर्यटन बोर्ड (एसटीबी) के बीच समझौता, और यह ईश्वरन के मंत्री और एफ1 संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में आधिकारिक कार्यों से जुड़ा था। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मूल आरोपों में कहा गया था कि ईश्वरन ने भ्रष्ट तरीके से ओंग से ये उपहार प्राप्त किए, और ऐसा ओंग के व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने के बदले में किया।

पटाखा गोदाम में भीषण आग

रहवासी इलाके में पहले हल्की सी चिंगारी दिखी फिर हुए कई धमाके

बिलासपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक पटाखा गोदाम में भीषण आग लग गई है। इससे लगातार धमाके हो रहे हैं। आस-पास के लोग दहशत फैल गई है। आग इतनी भयंकर है कि दमकल की कई गाड़ियां दो घंटे से आग बुझाने की कोशिश कर रही हैं। धमाकों के बीच बचाव कार्य में दमकल कर्मियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आग की सूचना मिलते ही दमकल टीम मौके पर है। इलाके में रहने वाले लोगों ने हंगामा किया है उनका कहना है कि इस पटाखा गोदाम की प्रशासन को कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन, कभी किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। जहां फैक्ट्री है वह रहवासी इलाका है।

सबसे पहले दिखी हल्की लपटें

सबसे पहले इस अवैध पटाखा गोदाम में लोगों को हल्की सी लपटें देखने को मिलीं। ये देखते ही उनके बीच अफरा-तफरी मच गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते आगी की लपटें फैलती चली गईं। ये देख लोगों ने चीख-पुकार मचा दी। इस बीच उनकी हालत उस वक्त और खराब हो गई जब गोदाम में विस्फोट होने लगे।

धमाकों के बीच राहत कार्य बन रहा चुनौती

इतने धमाकों के बीच राहत कार्य करने में दमकल कर्मियों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। आग पर काबू पाने के लिए गोदाम की दीवार को जेसीबी मशीन से तोड़ा गया, ताकि अंदर फंसे पटाखों तक पहुंचा जा सके।

भारी मात्रा में रखे पटाखे

घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार गोदाम के अंदर भारी मात्रा में पटाखे होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है। लगातार धमाकों के चलते आसपास के इलाकों को खाली करवाया गया है, और लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। राहत कार्य जारी है।

झारखंड सरकार पर बरसे शिवराज सिंह चौहान

कहा- हेमंत सोरेन चला रहे 'जुर्म, हत्या और माफिया' की सरकार

रांची, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बहरागोड़ा में केंद्रीय मंत्री की जनसभा के दौरान बारिश भी हो रही थी। लेकिन जनसभा में आई भीड़ को देखकर गदगद दिखे शिवराज सिंह चौहान ने कहा, बादल बरस रहे हैं, बिजली चमक रही है और भारी बारिश हो रही है, लेकिन फिर भी आप बदलाव लाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। यह देखकर, आज मैं कह सकता हूं कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा और बदलाव आएगा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, जैसे बादल संकट बनकर आए हैं, हेमंत सोरेन सरकार इन बादलों से भी बड़ा संकट है, यह झामुमो नहीं बल्कि हेमंत सोरेन की तरफ से चलाई जा रही 'जुर्म, हत्या और माफिया' सरकार है।

'भाजपा की सरकार बनाइए धरती-बेटी रहेगी सुरक्षित'

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा, कि मैं प्रधानमंत्री की ओर से झारखंड की महिलाओं से वादा करता हूं - झारखंड में भाजपा की सरकार बनाइए और यहां की धरती सुरक्षित रहेगी और यहां की बेटियां भी सुरक्षित रहेंगी।

भाजपा नेता ने वार्डबॉय-पुलिसकर्मी को पीटा

भिलाई, 24 सितंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के भिलाई 3 चरोदा में भाजपा नेता राजीव चौबे के बेटे अभय और उसके साथियों ने अस्पताल में वार्डबॉय और पुलिसकर्मी को जमकर पीटा। अस्पताल में तोड़फोड़ भी की। ड्यूटी पर तैनात महिला डॉक्टर्स और नर्स कह रही हैं कि हमें डर लगने लगा है। डॉक्टर्स ने भी काम बंद कर दिया है। घटना लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला की है। सुपेला अस्पताल अधीक्षक पीयम सिंह और अन्य स्टाफ ने बताया कि घटना मंगलवार सुबह 6 बजे की है। 5 लड़के अस्पताल आए। एक लड़के को चोट लगी थी। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात वार्डबॉय अंशु चौहान से साथी का इलाज करने को कहा।

इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो पूरा राज्य बर्बाद हो जाएगा: सुवेंदु अधिकारी

बोकारो, 24 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में बीजेपी की जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी अलग-अलग राज्यों के कद्दावर नेताओं के दौरे करवा रही है। इसी दौरान पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी मंगलवार को पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता ने परिवर्तन का मूड बना लिया है। पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमशेदपुर में रैली हुई, उसके बाद गृहमंत्री अमित शाह ने रैली की, जिसके बाद साफ हो गया है कि पूरी हवा बीजेपी के पक्ष में है और परिवर्तन को तैयार है। इसलिए जेएमएम के पुराने नेता चंपाई सोरेन ने भी बीजेपी का दामन थाम लिया है। बीजेपी नेता ने कहा कि जो घटनाएं आसाम में चल रहा है, घुसपैठिये, रोहिंग्या खासकर बांग्लादेश से जो मुसलमान आ रहे हैं उसे बंगाल में भी हम लोग झेल रहे हैं। झारखंड बर्बाद होने वाला है। अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आई तो राष्ट्रवाद, सनातन संस्कृति और हमारी जनजातीय वासी यानी मूल वासी सभी खत्म हो जाएगा। इसलिए झारखंड को देश के साथ और भी मजबूती से जोड़ने के लिए और भारतीय संस्कृति और हमारी जनजातीय संस्कृति की रक्षा करने के लिए हम सब एक साथ जोर लगाकर बीजेपी की सरकार बनाएंगे। मैं पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष हूं और अमर बाउरी झारखंड में इसी पद पर हैं। हम दोनों का एक ही लक्ष्य है पहले झारखंड फिर पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनाना। झारखंड में बीजेपी की ओर से चलाये जा रहे परिवर्तन यात्रा में पार्टी के दिग्गज नेता शामिल होने पहुंच रहे हैं, वो इस यात्रा में शामिल होकर प्रदेश में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हैं। इसी क्रम में धनबाद में आयोजित परिवर्तन यात्रा में भाग लेने के लिए पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी हवाई मार्ग से बोकारो पहुंचे, यहां उनका स्वागत झारखंड के नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने किया। बोकारो से हेलीकॉप्टर से धनबाद रवाना होने से पहले उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि झारखंड का माहौल भाजपा के पक्ष में है।

मधुमक्खियों के हमले में महिला और 3 बच्चों की दर्दनाक मौत

रांची, 24 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में मधुमक्खियों के हमले में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना 21 सितंबर को तुपुदान थाना क्षेत्र में हुई। मृतकों में एक महिला और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। मृतका के पति सुनील बारला ने बताया कि उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ अपने मायके गई हुई थी, तभी यह दर्दनाक हादसा हुआ। महिला खूंटी जिले के कर्रा ब्लॉक की रहने वाली थी और तुपुदान थाना क्षेत्र के हरदाग गढ़ा टोली में अपने मायके गई थी।

शनिवार को, महिला अपने बच्चों और गांव के कुछ अन्य लोगों के साथ एक कुएं में नहाने गई थी। जैसे ही वे लोग कुएं में उतरे और नहाना शुरू किया, तभी अचानक मधुमक्खियों के एक झुंड ने उन पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से वहां भगदड़ मच गई। सभी लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। दुर्भाग्य से, महिला और उसके तीन बच्चे कुएं में फंस गए और मधुमक्खियों के डंक से उनकी मौत हो गई। सुनील बारला ने बताया कि 'वे लोग कुएं के अंदर घुसे और नहाना शुरू कर दिया। तभी अचानक मधुमक्खियों का झुंड वहां आ गया और उन पर हमला कर दिया।' उन्होंने आगे बताया कि 'मधुमक्खियों के आते ही लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सभी लोग इधर उधर अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। लेकिन महिला और उसके बच्चे फंस गए। इससे पहले कि उन्हें बचाया जाता, चारों की मौत हो गई।' चारों के शवों को कुएं से बाहर निकाला गया है। यह घटना बेहद दुखद है और पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

सुकमा में चल रही पुलिस-नक्सली मुठभेड़

एसपी बोले- हिड़मा-देवा के बटालियन और जवानों के बीच गोलीबारी, कल मारे गए थे 3 नक्सली

सुकमा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में आज (24 सितंबर) की सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच गोलीबारी चल रही है। बताया जा रहा है कि डीआरजी, सीआरपीएफ और कोबरा के जवान कर्कनगुड़ा में नक्सलियों के कोर इलाके में घुसे हैं। सुबह से ही दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही है। मामला चिंतलनार थाना क्षेत्र का है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा की बटालियन नंबर-1 के साथ मुठभेड़ हो रही है। सुबह से ही दोनों ओर से फायरिंग हो रही है। सारे जवान सुरक्षित हैं। 23 सितंबर की शाम नारायणपुर और महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों की मुठभेड़ हुई थी। मुठभेड़ में 3 नक्सली मारे गए थे। मौके से जवानों ने एके-47 सहित अन्य हथियार बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक, जवान अबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों के मौजूद होने की सूचना पर सर्चिंग पर निकले थे। शाम करीब 4 बजे सर्चिंग के दौरान घात लगाए नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। इस पर जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की है। फिलहाल इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। बताया जा रहा है कि मारे गए नक्सलियों में 2 पुरुष और 1 महिला शामिल हैं। मुठभेड़ में पुलिस के सभी जवान सुरक्षित हैं। ज्यादा जानकारी जवानों के लौटने के बाद ही मिल सकेगी।

सिपाही भर्ती की दौड़ युवकों के लिए बन रही मौत का रास्ता?

रांची, 24 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड राज्य कर्मचारी आयोग की ओर से राज्य में आबकारी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा युवकों के लिए अच्छी खबर की बजाय बुरी बनती जा रही है। इस परीक्षा के लिए होने वाला शारीरिक परीक्षण (फिजिकल टेस्ट) कई युवकों की जान ले चुका है।

दरअसल, रामगढ़ जिले के सांकी गांव के 30 वर्षीय आदिवासी युवक अन्नू बेदिया की साहिबगंज जिले में आबकारी कांस्टेबलों के लिए भर्ती परीक्षा के दौरान 10 किलोमीटर की दौड़ में भाग लेने के दौरान गिरने से मौत हो गई। इसी के साथ शारीरिक टेस्ट की वजह से जान गवाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 16 हो गई है। डीआईजी (कार्मिक) नौशाद आलम ने कहा, 'हमने साहिबगंज एसपी को मामले की जांच के लिए एक टीम बनाने के लिए कहा है। सभी मौतों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी मांगी है। उनमें से कुछ रिपोर्ट पहुंच आ चुकी हैं। एक एकीकृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।' पुलिस ने कहा कि बेदिया 12 सितंबर को दौड़ने के दौरान बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत साहिबगंज के एक अस्पताल ले जाया गया। बाद में उन्हें पश्चिम बंगाल के मालदा के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। मालदा पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।' साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अमित सिंह ने कहा कि उनकी टीम जांच में मालदा पुलिस के साथ सहयोग करेगी।

शव दफनाने को लेकर बवाल, चले लाठी-डंडे

ईसाई समाज बोला- लोगों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, आदिवासी नेता बोले- मूल धर्म में लौट आओ

जगदलपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में धर्मांतरण को लेकर फिर बवाल हो गया है। दंतेवाड़ा-बीजापुर जिले की सरहद पर स्थित कौशलनार में शव दफनाने को लेकर ईसाई समाज के लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीट गया।

ईसाई धर्म मानने वाले लोगों के मुताबिक ग्रामीणों ने (आदिवासी समाज) कुल 28 लोगों को लाठी-डंडों से पीटा है। समाज में एक शख्स की मौत के बाद उसे लोग (आदिवासी समाज) गांव में शव दफनाने नहीं दे रहे थे।

छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के कार्यकारी अध्यक्ष राजा राम तोड़ेम का कहना है कि जिन्होंने धर्मांतरण किया है वे मूल धर्म में लौट आओ, नहीं तो गांवों में ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी।

23 अगस्त की इस घटना के

विरोध में ईसाई समाज के सदस्य सोमवार को सड़क पर उतर आए। उनके मुताबिक पुलिस ने कार्रवाई के नाम पर केवल धक्का-मुक्की का केस दर्ज किया है। कौशलनार गांव के रहने वाले युवक फूलधर ने बताया कि मेरे साथ गांव के कुछ लोग पिछले कई सालों से ईसाई धर्म मान रहे हैं। कुछ दिन पहले इसी गांव के रहने वाले सुकालू लेकामी (55) (मसीह समाज) की किसी बीमारी के चलते मौत हो गई। जिसके बाद परिजन शव दफनाने ले गए थे। इस दौरान यहां गांव के भी कुछ ग्रामीण पहुंच गए, जिसके बाद शव दफनाने नहीं दिया जा रहा था। थोड़ी देर में गांव के सारे लोग वहां एकत्र हो गए और गांव के बाहर से भी कुछ लोगों को बुलाया गया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि ईसाई धर्म मानने वाले लोगों को गांव में शव दफनाने नहीं देंगे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। फूलधर का कहना है कि विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि गांव वालों ने बाहर से आए लोगों के साथ मिलकर हमें दौड़ा-दौड़ाकर लाठी-डंडे से खूब मारा। महिलाओं समेत करीब 25 से 28 लोगों की पिटाई की गई, जिसके बाद सभी जान बचाकर जंगल की तरफ चले गए थे। हालांकि, शव दफन कर दिया गया था।

इस मामले की जांच कर पिटाई करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की है। समाज के सदस्यों ने सोमवार को इस मामले को लेकर दंतेवाड़ा के कतियाररास बाजार स्थल में धरना प्रदर्शन कर पुलिस को ज्ञापन सौंपा। छत्तीसगढ़ युवा मंच के संस्थापक नरेंद्र भवानी का कहना है कि, गांव में ईसाई धर्म मानने वाले लोगों के मौलिक अधिकारों को कुचला गया है।

जवानों की आंख में मिर्च पाउडर डालने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

जगदलपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जेल से पेशी के बाद वापस जगदलपुर ला रहे आरोपियों ने पुलिस जवानों के आंख में मिर्च पाउडर डाल फरार हो गए थे, इस घटना में एक आरोपी तो गिरफ्तार हो गया, लेकिन दूसरे की अबतक तलाश जारी है, वहीं पकड़े गए आरोपी को केंद्रीय जेल जगदलपुर में भेज दिया गया। इस मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग ने बताया कि 23 सितम्बर को दन्तेवाड़ा कोर्ट पेशी ले जाने के लिए, केन्द्रीय जेल जगदलपुर से बाइक चोर गिरोह के पांच सदस्यों को पुलिस वाहन से दन्तेवाड़ा कोर्ट पेशी ले जाया गया था, कोर्ट पेशी के बाद पुलिस वाहन से वापस आते समय बाइक चोर गिरोह के सरगना समीर खान और उसके सगे भाई अनाश खान ने वाहन में उनके साथ बैठे पुलिस गार्ड प्रधान आरक्षक संतोष कुमार कश्यप, आरक्षक रूपेश मरकाम, आरक्षक चन्द्रेश्वर राम पैकरा, आरक्षक मुकेश कुमार जांगडे.की आँखों में अचानक से मिर्ची पाउडर डालकर उन पर हमला कर दिया और पुलिस वाहन के दरवाजा को लात से तोड़कर दोनों भाई वाहन से कूदकर भाग निकले। कन्ट्रोल के माध्यम से सूचना मिलने पर दोनों आरोपियों को पकड़ने थाना प्रभारी परपा, बोधघाट, रक्षित निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस पार्टी एवं आस-पास के थानों से बल को बुलाकर आरोपियों के भागने वाली इलाकों को घेराबंदी किया गया, जिनमें से पुलिस की तत्परता से समीर खान को पकड़ लिया गया, लेकिन अन्धेरे का फायदा उठाकर समीर खान का भाई अनाश खान भागने में सफल रहा।

ज्वेलरी संचालक से डेढ़ लाख की ठगी

नकली हार देकर असली सोने के गहने ले गए ठग, ज्वेलर्स ने दर्ज कराई एफआईआर

सरगुजा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में ज्वेलरी संचालक से धोखाधड़ी की गई है। शॉप में खरीदार बनकर पहुंचे महिला और पुरुष ने नकली सोने का हार देकर सोने की अंगूठी और चेन ले लिया। साथ ही 20 हजार 500 रुपए कैश भी ले लिए। शातिर ठग सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार सदर रोड में स्टेट बैंक के सामने मां ज्वेलर्स संचालित है। 18 सितंबर को शाम करीब 5.30 बजे एक महिला और पुरुष दुकान में आए। महिला ने अपना नाम गीता देवी और युवक ने अपना नाम धर्मेंद्र यादव बताया। दोनों ने स्वयं को भटगांव बस स्टैंड के पास का निवासी बताया। अरुण सोनी ने हार रिटर्न में ले लिया। ठगों ने जो हार दिया था, उसकी रिटर्न की कीमत करीब 1.55 लाख रुपए थी। उनके द्वारा पसंद की गई ज्वेलरी की कीमत 1 लाख 32 हजार 700 रुपए थी। रिटर्न की राशि ज्यादा होने पर उन्होंने शेष राशि कैश में मांगी। अरुण सोनी ने उन्हें 20 हजार पांच 500 रुपए, कैश दे दिया। दोनों ने ज्वेलरी का बिल लिया और चले गए। अरुण सोनी ने दो दिनों बाद जब एक्सचेंज में मिले सोने के हार की जांच कराई तो वह नकली निकला। हार में मात्र 15 प्रतिशत सोना निकला। अरूण सोनी ने मामले की शिकायत कोतवाली अंबिकापुर थाने में दर्ज कराई है। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 3(5), 318(4), 319(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है। दुकान में लगे सीसी कैमरों में दोनों आरोपी कैद हो गए हैं, जिसके आधार पर पुलिस दोनों की पहचान की कोशिश में जुटी है।

बैठक में रजिस्टर देख भड़क गए स्वास्थ्य मंत्री

ऑन दी स्पॉट किया फैसला डीन और अधीक्षक सस्पेंड

बिलासपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सोमवार को बिलासपुर के दौरे पर थे। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) में निरीक्षण के दौरान उनको कई गड़बड़ियां मिलीं। वहीं, बैठक में रजिस्टर देखकर भड़क गए। जिसके बाद उन्होंने भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोप में सिम्स के डीन और अधीक्षक को निलंबित करने का निर्देश दिया।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल सिम्स की स्वशासी परिषद की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे थे।

सागौन लकड़ी तस्करी, टेप लेकर जंगल पहुंचे पूर्व मंत्री

नापी कटे पेड़ों की गोलाई, कहा-अफसरों के संरक्षण में 40 पेड़ काट ले गए तस्कर

बिलासपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में सागौन लकड़ी की अवैध कटाई मामले में डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड समेत तीन कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। पेड़ों की अवैध कटाई की जांच करने पूर्व मंत्री डॉ कृष्णमूर्ति बांधी खुद टेप लेकर जंगल पहुंचे थे। उन्होंने कटे हुए पेड़ों का मेजरमेंट लिया।

बांधी के मुताबिक उन्होंने ही अधिकारियों को कॉल कर सोंठी और बिटकुला बीट में सागौन तस्करी की जानकारी दी थी। लेकिन, उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि अफसरों के संरक्षण में तस्कर एक-एक कर करीब 40 पेड़ काटकर ले गए।

दरअसल, सीपत के सोंठी और बिटकुला बीट के जंगल में करीब एक सप्ताह पहले बड़ी संख्या में सागौन पेड़ों की अवैध कटाई और तस्करी की शिकायत वन विभाग को मिली थी। विभाग को जानकारी मिली कि यहां से सागौन की लकड़ी काटकर जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा पहुंचाया जा रहा है। वहीं, तस्करी कई महीनों से की जा रही है।

तस्करों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर स्थानीय लोगों ने भाजपा नेता कृष्णमूर्ति बांधी से शिकायत की थी। जिसके बाद वो अपने समर्थकों के साथ जंगल पहुंच गए। यहां उन्होंने कटे हुए एक-एक पेड़ का मुआयना किया और टेप से उसकी गोलाई नापी।

बांधी के मुताबिक कुछ पेड़ सप्ताह भर पहले ही काटे गए हैं, जबकि कई पेड़ महज तीन से चार माह पहले काटे गए थे। उन्होंने जंगल के भीतर ट्रेक्टर ले जाकर पेड़ों की तस्करी करने का भी मुआयना किया। जंगल से बांधी ने अधिकारियों को कॉल कर कटाई और तस्करों की जानकारी दी। उन्होंने डिप्टी रेंजर हफीज खान और कर्मचारियों पर अनियमितता और तस्करों से मिलीभगत के आरोप लगाकर उन्हें तत्काल सस्पेंड करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सही कार्रवाई नहीं हुई तो सत्ताधारी विधायकों के माध्यम से यहां के अवैध कटाई का मामला विधानसभा में उठाएंगे। शिकायत बाद जंगल पहुंचकर जांच की गई। एसडीओ अभिनव कुमार ने बताया कि शुरुआती जांच में दोषी पाए जाने पर सर्किल प्रभारी हफीज खान, बीट गार्ड चंद्रहास तिवारी और बहोरन लाल साहू को सस्पेंड किया गया है।

लेबनान में 1600 जगहों पर इजराइली हमले

अब तक 492 की मौत, 1645 घायल, नेतन्याहू बोले- लोग बीच में न आएं हमारी जंग हिजबुल्लाह से

बेरूत, 24 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने सोमवार को हिजबुल्लाह के 1600 टारगेट को निशाना बनाते हुए लेबनान में एयर स्ट्राइक की हैं। इनमें 10 हजार रॉकेट्स बर्बाद करने का दावा किया है। वहीं, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में अब तक 492 लोगों की मौत हुई है। इनमें 58 महिलाएं और 35 बच्चे हैं। 1,645 लोग घायल हैं।

अलजजीरा के मुताबिक, 2006 में इजराइल-लेबनान जंग के बाद लेबनान पर हुआ यह सबसे बड़ा हमला है। 2006 में महीने भर चली लड़ाई में लेबनान के 1000 लोग मारे गए थे। फिलहाल लेबनान में बुधवार, 25 सितंबर तक के लिए स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। इजराइल ने लेबनान में चलाए जा रहे ऑपरेशन को नॉर्दर्न एरोज नाम दिया है। आईडीएफ का दावा है कि हिजबुल्लाह दक्षिणी

लेबनान में घरों में मिसाइलें छुपाकर रखता है जिन्हें लगभग एक साल से इजराइल में दागा जा रहा है। वहीं, यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वे नहीं चाहते लेबनान दूसरा गाजा बन जाए। दूसरी तरफ लेबनान से पलटवार की आशंकाओं के बीच इजराइल में एक हफ्ते की इमरजेंसी लगाई गई है। रक्षा मंत्री योव गलांट के कहने पर इमरजेंसी का फैसला लेने के लिए कैबिनेट के मंत्रियों ने फोन से वोटिंग की।

इजराइली हमले के बाद नेतन्याहू ने लेबनान के लोगों के लिए एक मैसेज जारी किया है। नेतन्याहू ने लोगों से कहा है कि वे उनके ऑपरेशन के बीच में न आएं। इजराइल की जंग हिजबुल्लाह से है।

इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकाने के करीब रहने वाले लोगों को तुरंत अपने घरों को छोड़ने की चेतावनी दी थी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया था।

हगारी ने लेबनान के नागरिकों को खतरे वाले इलाके से दूर चले जाने को कहा था। उन्होंने कहा था, इजराइली सेना हिजबुल्लाह के खिलाफ और घातक हमले करने जा रही है। हिजबुल्लाह ने घरों और इमारतों में हथियार जमा कर रखे हैं। आप ऐसी इमारत में हैं जहां हथियार हैं तो जल्द से जल्द उसको छोड़ दें। सीएनएन के मुताबिक एक लेबनानी रेडियो स्टेशन को हैक कर लिया गया था। इसके बाद साउथ लेबनान से लोगों को सुरक्षित जगहों पर चले जाने कहा। रेडियो स्टेशन वॉयस ऑफ लेबनान ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

पाकिस्तानी विमान में उठा धुआं

मची अफरातफरी, लाहौर में कराई गई आपातकालीन लैंडिंग

इस्लामाबाद, 24 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के एक निजी एयरलाइन के यात्रियों से भरे विमान में सोमवार को आग लग गई, जिससे विमान में अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया किसी बड़ी अनहोनी को देखते हुए पायलट ने विमान को लाहौर हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारना पड़ा। पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक अधिकारी ने विमान की आपातकालीन लैंडिग की इस घटना के बारे में जानकारी दी। पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) के अनुसार, फ्लाई जिन्ना की उड़ान एफएल-846 सोमवार को चालक दल सहित 171 यात्रियों के साथ कराची से लाहौर के लिए रवाना हुई थी। एफएल-846 फ्लाइट तकरीबन 27,000 फिट की ऊंचाई पर थी। तभी विमान में आग लग गई, विमान के चालक दल को पता चला कि प्लेन के कार्गो में धुआ उठ रहा है।

इजरायल के हाइफा में भारतीय सैनिकों ने 106 साल पहले लड़ा था युद्ध

तुर्की की सेना को चटाई थी धूल

तेल अवीव, 24 सितंबर (एजेंसियां)। आजादी से पहले भी भारतीय सेना का एक खास इतिहास रहा है। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों की ओर से दिखाई गई बहादुरी में हाइफा का युद्ध है, जिसे 1918 में ब्रिटिश के साथ लड़ रहे भारतीय सैनिकों ने जीता था। आज के समय हाइफा इजरायल में है। लेकिन तब यह तुर्की के विशाल ओटोमन साम्राज्य का हिस्सा था। इसी जीत ने आज के मिडिल ईस्ट की नींव रखी थी। इस जीत को हाइफा डे के रूप में 23 सितंबर को मनाया जाता है। लेकिन 106 साल बाद अब काफी हद तक इसकी स्मृति धुंधली हो गई है।

भारतीय सेना की 15वीं इंपीरियल कैवलरी ब्रिगेड के सैनिकों ने हाइफा को 23 सितंबर 1918 को अपने कब्जे में ले लिया था। इसमें मैसूर, हैदराबाद और जोधपुर की रियासतों से ली गई भारतीय घुड़सवार सेना रेजिमेंटों ने मशीनगनों और तोपखाने से लैस तुर्क सेना पर हमला किया था। भारतीय सैनिकों के पास भाले और तलवारें थीं। 1500 से अधिक तुर्क सैनिकों को हरा कर उन्होंने जीत हासिल की। 25 अधिकारी और 660 सैनिक पकड़ लिए गए। लड़ाई में 44 भारतीय सैनिक शहीद हुए और 34 घायल हुए। हाइफा के युद्ध को इतिहास में अंतिम महान घुड़सवार लड़ाई के रूप में जाना जाता है। इस जीत ने ओटोमन साम्राज्य को कमजोर किया। साथ ही मित्र देशों के लिए रास्ता साफ किया।

हाइफा गंवाने के बाद तुर्की की सेना तेजी से कमजोर हो गई। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक महीने के अंदर ही ओटोमन साम्राज्य ने सरेंडर कर दिया। 1920 में एक संधि के बाद 1922 में यह टूट गया। प्रथम विश्वयुद्ध में 13 लाख भारतीय सैनिक ब्रिटिश की ओर से लगे थे। लेकिन उन्हें बहुत कम श्रेय दिया गया। इस युद्ध में 74,000 से ज्यादा भारतीय सैनिक शहीद हुए। हाइफा की लड़ाई मित्र देशों और फिलिस्तीनी अभियान में लड़ी गई लड़ाइयों की एक सीरीज का हिस्सा थी। आज के समय हाइफा इजरायल का एक बंदरगाह शहर है जो तेल अवीव से 90 किमी दूर है। हाइफा और भारत के बीच आज के संबंधों की बात करें तो इस बंदरगाह को अब अडानी ग्रुप कंट्रोल करता है। नई दिल्ली में तीन मूर्ति चौक इससे जुड़ा युद्ध स्मारक है। यहां तीन मूर्तियां लगी हैं, जो मैसूर, हैदराबाद और जोधपुर की घुड़सवार रेजिमेंट के सम्मान में हैं। 2018 में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भारत आए थे। तब वह तीन मूर्ति चौक पर गए थे और पुष्पांजलि अर्पित की थी।

मोदी 32 दिन में दूसरी बार जेलेंस्की से मिले

कहा- जंग रोकने पर दूसरे नेताओं से बात करता रहता हूं, जल्द सीजफायर का रास्ता निकले

न्यूयॉर्क, 24 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका दौरे के तीसरे दिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। 32 दिन के भीतर ये दोनों नेताओं की दूसरी मुलाकात रही। मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन दौरे पर जेलेंस्की से मिले थे।

मोदी ने न्यूयॉर्क में जेलेंस्की से मुलाकात की तस्वीर X पर पोस्ट की। उन्होंने लिखा- हम द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए यूक्रेन दौरे पर हुए फैसलों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वहीं, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि मोदी ने जेलेंस्की से कहा है कि वे कई देशों के नेताओं से रूस-यूक्रेन जंग को लेकर बात करते रहते हैं। सबका मानना है कि जल्द सीजफायर का रास्ता खोजना चाहिए।

जेलेंस्की ने जंग रोकने के लिए किए जा रहे प्रधानमंत्री मोदी की प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। जेलेंस्की ने मोदी के यूक्रेन यात्रा की भी सराहना की। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात को संयुक्त राष्ट्र संघ की जनरल असेंबली (यूएनजीए) के समिट ऑफ द फ्यूचर को संबोधित किया। लगभग 4 मिनट के भाषण में पीएम मोदी ने दुनिया के सुरक्षित भविष्य को लेकर भारत का पक्ष रखा।

जस्टिन ट्रूडो के मंत्री ने चुनाव से पहले दी चेतावनी

कनाडा में आने वाले ज्यादातर विदेशी छात्र मांग रहे शरण, निशाने पर भारतीय!

ओटावा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा की जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व वाली सरकार ने एक बार फिर विदेशियों की बढ़ती संख्या के मामले को उठाया है। ट्रूडो सरकार में इमिग्रेशन मिनिस्टर मार्क मिलर ने विदेशी छात्रों के देश में शरण मांगने के ट्रेंड को चिंताजनक कहा है। मार्क मिलर का ये बयान ऐसे समय आया है, जब देश आम चुनावों की ओर बढ़ रहा है। चुनावों से पहले देश में घरों और रोजगार का संकट एक बड़ा मुद्दा बन रहा है। ऐसे में विदेशी, खासतौर से भारतीय छात्रों की संख्या पर ट्रूडो सरकार की ओर से लगातार बयान आ रहे हैं। ट्रूडो की कोशिश चुनाव में इसका फायदा लेने की दिख रही है।

टेलीविजन कार्यक्रम द वेस्ट ब्लॉक में बोलते हुए मार्क मिलर ने छात्र वीजा पर कनाडा आने के बाद शरण मांगने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की बढ़ती संख्या पर बोलते हुए इसे एक 'खतरनाक प्रवृत्ति' बताया है। मिलर ने कहा कि छात्र वीजा का इस्तेमाल उनके देश में स्थायी तौर पर बसने के लिए किया जा रहा है और उनका मंत्रालय इस मामले

की जांच कर रहा है। उन्होंने कनाडा के उच्च शिक्षा संस्थानों को इस तरह के एलिमेंट को रोकने के लिए अपनी जरूरी सुधार करने के लिए कहा है।

एरुडेरा की रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा ने अगले तीन वर्षों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों सहित अस्थायी निवासियों की संख्या 6.2 से घटाकर 5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इसी साल जनवरी में कनाडा सरकार ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या पर रोक के लिए दो साल की सीमा की घोषणा की थी। मिलर का कहना है कि पिछले वर्ष की तुलना में छात्रों की संख्या 2024 में संख्या घटेगी।

कनाडा ने मौजूदा वर्ष में 4,85,000 स्टडी परमिट देना का फैसला लिया था। ये देखते हुए 20 प्रतिशत छात्र देश में लंबे समय तक रहने के लिए आवेदन जमा करते हैं, सरकार ने 2024 के लक्ष्य को 364,000 परमिट तक सीमित कर दिया, जो 2023 में जारी किए गए 560,000 परमिट से काफी कम है। मिलर का कहना है कि 2024 के लिए जारी किए गए स्टडी परमिट 2023 से 35 प्रतिशत कम हैं।

कनाडा की सरकार ने साफ किया है कि 2025 में, 2024 के मुकाबले स्टडी परमिट में 10 प्रतिशत की कमी लाई जाएगी। कनाडा आवास की कमी का सामना कर रहा है, जिसके लिए अक्सर अंतरराष्ट्रीय छात्रों और प्रवासियों को दोषी ठहराया जाता है। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से सबसे ज्यादा संख्या भारत, चीन, फिलीपींस और नाइजीरिया के छात्रों की है। खासतौर से भारतीय छात्रों के लिए कनाडा बीते वर्षों में पसंदीदा जगह रहा है। ऐसे में अक्सर कनाडा में अप्रवासन के मुद्दे पर भारतीयों की ओर उंगली उठाई जाती है।

यूनुस के खिलाफ न्यूयॉर्क में मोर्चा

अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर बांग्लादेशी नागरिकों का भड़का गुस्सा

वॉशिंगटन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंसा तो थम गई, लेकिन तनाव अभी बना हुआ है। यहां अल्पसंख्यकों और उनके धर्म स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में जब यहां की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस न्यूयॉर्क पहुंचे तो उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। दरअसल, जिस होटल में यूनुस रुके हैं, उसके बाहर बांग्लादेशी नागरिक जमा हो गए और अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर उनके खिलाफ नारेबाजी की। बता दें, मोहम्मद यूनुस संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 79वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका आए हुए हैं।

गंदी राजनीति के साथ सत्ता पर कब्जा कियाः जमाल हुसैन

प्रदर्शन कर रहे शेख जमाल हुसैन ने कहा, 'डॉ मोहम्मद यूनुस ने असंवैधानिक रूप और गलत तरीके सत्ता कब्जा ली। उन्होंने गंदी राजनीति के साथ सत्ता पर कब्जा किया और बहुत सारे लोग मारे गए। अभी तक

हमारी निर्वाचित प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा नहीं दिया है। हम संयुक्त राष्ट्र से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि वह यहां बांग्लादेशी लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करें।'

बांग्लादेश में हमारे लोग सुरक्षित नहीं: रोनाल्ड

एक अन्य प्रदर्शनकारी डीएम रोनाल्ड ने कहा, 'हम एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। सत्ता में आने के बाद उन्होंने हिंदुओं, मुसलमानों, ईसाइयों को मारना शुरू कर दिया। बांग्लादेश में हमारे लोग सुरक्षित नहीं हैं।'

बांग्लादेश में क्या हुआ?

नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ अभूतपूर्व सरकार विरोधी छात्र नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त को हसीना ने इस्तीफा दे दिया और भारत चली गईं।

हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को अंतरिम सरकार द्वारा प्रतिस्थापित किया गया और 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को इसका मुख्य सलाहकार नामित किया गया।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति बोले-भारत और चीन के बीच सैंडविच नहीं बनना

कहा- दोनों देशों से हमारी दोस्ती, किसी एक का साथ नहीं देंगे

कोलंबो, 24 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा है कि वे भारत और चीन के बीच सैंडविच बनकर नहीं रहना चाहते हैं। मोनोकल मैग्जीन को दिए इंटरव्यू में अनुरा ने कहा कि श्रीलंका किसी दुनिया की राजनीतिक लड़ाई में नहीं फंसना चाहते हैं। हम न तो किसी तरह के कंपीटीशन में हिस्सा लेंगे और न ही दबदबा बनाने के लिए लड़े रहे किसी देश का साथ देंगे। राष्ट्रपति ने कहा, दोनों देश हमारे अच्छे दोस्त हैं, मुझे उम्मीद है भविष्य में हमारी साझेदारी अच्छी होगी। दिसानायके ने कहा कि वे यूरोपियन यूनियन (ईयू) मिडिल ईस्ट और अफ्रीका से अच्छे रिश्ते रखेंगे। श्रीलंका की विदेश नीति निष्पक्ष होगी। दिसानायके ने कल ही राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। श्रीलंका में 2022 में आए आर्थिक संकट के बाद हुए चुनाव में उन्हें अपने प्रतिद्वंद्वी सजिथ प्रेमादासा से 10 लाख से ज्यादा वोट हासिल हुए। जबकि श्रीलंका के पूर्व

राष्ट्रपति तीसरे स्थान पर रहे।

दिसानायके ने कहा, श्रीलंका बैंक करप्ट हो चुका देश हैं। हम पर 28 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है। मेरी प्राथमिकता देश के आर्थिक संकट को दूर करना है। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति को भारत और चीन के अलावा पाकिस्तान और मालदीव से भी बधाई मिली है। उत्तर मध्य प्रांत के थंबुत्तेगामा से आने वाले अनुरा ने कोलंबो की केलानिया यूनिवर्सिटी से विज्ञान में ग्रेजुएशन किया। वे 1987 में जेवीपी में शामिल हुए, जब भारत-विरोधी विद्रोह चरम पर था। पार्टी ने दो खूनी विद्रोहों का नेतृत्व किया था। 2014 में अनुरा पार्टी के प्रमुख बने। 2019 में जेवीपी का नाम एनपीपी हो गया। अनुरा फरवरी 2024 भारत सरकार के न्योते पर नई दिल्ली आए। उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। मीटिंग में अनुरा ने द्विपक्षीय संबंधों और इन्हें मजबूत करने पर चर्चा की। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत हमेशा श्रीलंका का एक विश्वसनीय मित्र और भरोसेमंद साझेदार रहेगा। भारत से लौटने के बाद अनुरा ने जोर देकर कहा था कि 'भारत के साथ हुई हाई-लेवल मीटिंग्स से यह मतलब न निकाला जाए कि हमारी पार्टी की 'पॉलिटिकल और इकोनॉमिकल पॉलिसी' में कोई बदलाव आया है। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर्स में हम भारत से बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। हम देश में बदलाव लाने की उम्मीद कर रहे हैं। ऐसे में हमें इंटरनेशनल सपोर्ट की जरूरत है। हम एक अलग-थलग देश के तौर पर नहीं रह सकते, हमें इंटरनेशनल रिलेशंस को मजबूत करने की जरूरत है।' श्रीलंका में चुनावी नतीजे आने के साथ ही राजपक्षे और विक्रमसिंघे की पार्टी के कई राजनेता और बौद्ध भिक्षु कोलंबो एयरपोर्ट से देश छोड़कर चले गए।

बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार ने जयशंकर से की मुलाकात

आपसी संबंधों को बढ़ाने पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन और भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने न्यूयॉर्क में यूएनजीए 79 से इतर मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने बांग्लादेश एवं भारत के बीच परस्पर हित के मुद्दों पर चर्चा की और संबंधों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। यह जानकारी बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने दी।

यह बैठक सोमवार शाम (स्थानीय समय) संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान हुई। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार सुबह एक्स पर बैठक की तस्वीर पोस्ट की। मंत्रालय ने कहा कि तौहीद ने संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र से इतर भारत के विदेशमंत्री जयशंकर से मुलाकात की और आपसी हितों के मामलों पर चर्चा की।

जॉर्डन ने लेबनान जाने वाली उड़ानों को किया निलंबित

इजराइल के हवाई हमलों के बाद लिया फैसला

लेबनान, 24 सितंबर (एजेंसियां)। लेबनान में जारी इजरायली एयर स्ट्राइक के बीच जॉर्डन के सिविल एविएशन रेगुलेटरी कमीशन ने एक बड़ा फैसला किया है। सिविल एविएशन रेगुलेटरी कमीशन ने अगली सूचना तक बेरूत के लिए एयरलाइनों की फ्लाइट्स को निलंबित कर दिया। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा ने दी। दरअसल, इजरायली हवाई हमलों की वजह से लेबनान में 356 लोगों की मौत हुई है। देश की फ्लैग कैरियर रॉयल जॉर्डनियन एयरलाइंस ने भी सोमवार को कहा कि वह सिविल एविएशन रेगुलेटरी कमीशन के निर्देशों का पालन करते हुए 48 घंटे के लिए बेरूत के लिए उड़ानें निलंबित कर देगी। इस फैसले का असर बेरूत एयरपोर्ट के लिए सभी नेशनल एयरलाइन फ्लाइंट्स पर पड़ेगा। सोमवार को लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में 356 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 24 बच्चे और 42 महिलाएं शामिल हैं, तथा 1,246 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी है। इजरायली सेना ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में

बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। जिसके बाद हजारों लोगों को बेरूत और माउंट लेबनान की ओर जाने को मजबूर होना पड़ा।

इजरायल के सैन्य प्रमुख हर्ज़ी हलेवी ने सोमवार शाम को घोषणा की कि देश अपने सैन्य अभियान के 'अगले चरणों' की तैयारी कर रहा है। हलेवी ने बताया कि इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में लगभग 1,100 टारगेट को निशाना बनाया। उन्होंने कहा, हम लक्ष्यों पर हमला कर रहे हैं और अगले चरणों की तैयारी कर रहे हैं। लेबनान में इजरायल के व्यापक हवाई हमलों ने इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष को चरम पर पहुंचा दिया है। इससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष छिड़ने की आशंका बढ़ गई है।दुश्मनी बढ़ने का कारण पिछले सप्ताह लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी को निशाना बनाकर किए गए रहस्यमय विस्फोट हैं। इनमें कई लोग मारे गए और हजारों की संख्या में लोग घायल हो गए।

इजरायली हमलों के जवाब में, हिजबुल्लाह ने पूरे सोमवार को उत्तरी इजरायल की ओर 180 से अधिक रॉकेट दागे। यह जानकारी इजरायल की सेना दी और कहा कि हवाई रक्षा प्रणालियों ने कुछ रॉकेट्स को रोक दिया, जबकि अन्य इजरायली क्षेत्र में गिरे, जिससे आग लग गई।

इमरान खान के खिलाफ सैन्य मुकदमे की याचिका खारिज

इस्लामाबाद एचसी ने कहा- सरकार ने कोई फैसला नहीं लिया

इस्लामाबाद, 24 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के खिलाफ सैन्य अदालत में मुकदमा चलाने की याचिका को इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। पूर्व पीएम की ओर से दायर याचिका पर कोर्ट ने कहा कि मुकदमे को लेकर अब तक पाकिस्तान सरकार ने कोई फैसला नहीं लिया है। क्रिकेटर से राजनेता बने खान ने पिछले साल नौ मई को हुई हिंसा के मामले में सैन्य अदालत में सुनवाई के खिलाफ इस्लामाबाद हाईकोर्ट (आईएचसी) में याचिका दायर की थी। इस हिंसा में उनकी पार्टी

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थकों ने उनकी गिरफ्तारी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था। न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान पाकिस्तान सरकार के अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल मुनव्वर इकबाल दुग्गल ने बताया कि सरकार ने यह तय नहीं किया है कि खान को सैन्य मुकदमे का सामना करना पड़ेगा या नहीं। यदि इस तरह का कोई मुकदमा चलाया जाता है, तो इसे आवश्यक कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए नियम 549 के अनुसार तय किया जाएगा। उन्होंने अदालत को आगे बताया कि सैन्य मुकदमे की स्थिति में प्रक्रिया एक सिविल मजिस्ट्रेट से अनुरोध के साथ शुरू होगी। सरकार की प्रतिक्रिया के बाद इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पीटीआई नेता के सैन्य मुकदमे से संबंधित याचिका को बंद कर दिया। सरकार द्वारा सैन्य मुकदमे की धमकी के बाद खान ने सेना में अपने संभावित स्थानांतरण को रोकने के लिए मंगलवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

खान ने तीन सितंबर को एक याचिका दायर की थी कि उन्हें नागरिक अधिकार क्षेत्र में रखा जाए। उन्होंने याचिका में कानून सचिव, आंतरिक सचिव, इस्लामाबाद और पंजाब के महानिरीक्षक, संघीय जांच एजेंसी के महानिदेशक और जेल महानिरीक्षक को प्रतिवादी बनाया था।

वेटिकन सिटी के तर्ज पर तैयार होगा मुसलमानों का नया देश

महिलाएं पी सकेंगी शराब

वेटिकन सिटी, 24 सितंबर (एजेंसियां)। दुनिया का सबसे छोटा वेटिकन सिटी है। यह एक ईसाई धर्म को मानने वाला देश है। इसी जगह पर पोप बैठते हैं। यही से वो धर्म से जुड़े किसी भी मामले पर अपनी राय देते हैं। हालांकि, इसी बीच एक ऐसी खबर सामने आयी है, जो हैरान करने वाली है। बता दें कि वेटिकन सिटी के तर्ज पर ही एक मुस्लिम मौलवी भी अपना एक देश बनाने की कोशिश में लगा हुआ है। जहां से इस्लाम से जुड़े मामलों पर ही बात किया जाएगा। इसकी राजधानी का भी चुनाव हो चुका है। जो अलबानिया की राजधानी तिराना हो सकती है। दुनिया के सबसे छोटे मुस्लिम देश का साइज न्यूयॉर्क सिटी के 5 ब्लॉक जितना होगा। सबसे ज्यादा हैरानी की बात ये है कि जो चीजें इस्लाम में हराम मानी जाती है। यहां उसकी मंजूरी मिलेगी। जैसे शराब पीने की आजादी, महिलाओं को मनचाहे कपड़े पहनने की छूट और जैसा लाइफस्टाइल जीना चाहती है। उस पर किसी भी तरह की रोक-टोक नहीं रहेगी। मौलवी एडमंड ब्रहीमाज तिराना नाम से अलग मुल्क बनाने की कोशिश में जुटे हुए है। उन्होंने कहा कि ऊपर वाले ने किसी भी तरह की चीज को बनाने में रोक नहीं रखी है। इसलिए हम अपने दिमाग का

इस्तेमाल करके कुछ भी तैयार कर सकते हैं। इसके अलावा प्रोजेक्ट से जुड़े एक अन्य शख्स बाबा मोंडी के नाम से चर्चित एडमंड ने कहा कि मुस्लिमों का नया देश 27 एकड़ में तैयार किया जाएगा। अल्बानिया में बनाए जा रहे नए मुल्क में अपना प्रशासन, बॉर्डर रहेगा, जो सूफी परंपरा से जुड़े बेक्तेशी ऑर्डर के नियमों को मानेगा।

यहां तक की पासपोर्ट बनाने की भी सुविधा दी जाएगी। इसको लेकर अल्बानिया के प्रधानमंत्री ईदी रामा ने जानकारी दी है कि वो ऐसे एक देश के बारे में ऐलान जल्द ही करने वाले हैं, जो मुस्लिमों का सबसे छोटा देश होगा।

जमीन के पट्टों को लेकर नियमों में हुआ बड़ा बदलाव

भजनलाल सरकार ने आदेश किए जारी

धौलपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर जिले में जमीन का पट्टा बनवाने के लिए अब आमजन को सरकारी दफ्तर के बार-बार चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकार को पट्टे जारी नहीं करने को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थी। जिसके बाद अब नियमों में बदलाव कर दिया है।

बदलाव के बाद नगर परिषद सभापति और आयुक्त पट्टे की फाइल को अब 15 दिनों से ज्यादा नहीं रोक सकेंगे। वहीं जिस-जिस अधिकारी के पास पट्टे की फाइल पहुंचेगी तो उसकी जानकारी आवेदनकर्ता के मोबाइल पर मिलेगी। धौलपुर शहर के लोगों के लिए अच्छी खबर है, वह अपनी जमीन का पट्टा बनवाने के लिए परेशान हो रहे है तो अब उनको परेशान नहीं होना पड़ेगा।

इस उमसभरी गर्मी में अब सरकारी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेगे। अभी तक पट्टे के लिए नगर परिषद के चक्कर लगाते थे, जिसमें कभी अधिकारी नहीं तो कभी कर्मचारी नहीं होने से उनकी फाइल मेज पर ही रखी रहती थी। फाइल को महीनें बीत जाते थे, लेकिन वह आगें नहीं बढ़ पा रही थी। लेकिन अब सरकार के बदले नियमों में अधिकारी पट्टे के आवेदनकर्ता को परेशानी नहीं कर सकेंगे।

स्वायत्त शासन के निदेशक और विभाग के विशिष्ट सचिव कुमार पाल गौतम ने आदेश जारी किया है। जिसमें कहा कि प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान पट्टों पर मुख्यमंत्री की फोटो दिखाई देती थी।

इस प्रारूप में बदलाव करते हुए अब पट्टा बिल्कुल सामान्य रखने का निर्णय लिया है। पट्टे पर केवल अब पट्टास्वामी की फोटो चिपकाने का निर्णय लिया है। वहीं, निदेशक ने सय निर्देश दिए है कि अब नगर परिषद के अधिकारी पट्टों की फाइल को 15 दिन से ज्यादा नहीं रोक सकते है।

सात चरणों से गुजरती है एक फाइल

अगर आप अपने पट्टे के लिए आवेदन करते है तो आपको सरकार की ओर से नियुक्त नगर मित्र के यहां से आवेदन करना होगा। जिसके बाद वह आवेदन नगर परिषद कार्यालय में पहुंचेगा। जहां से पट्टे की फाइल में लगे दस्तावेजों का सत्यापन होगा। उसके बाद फाइल को आगे बढ़ाया जाएगा। इस फाइल को नगर परिषद के आठ अधिकारी सत्यापन करेंगे। जहां से चलकर आगे पट्टा जारी होगा।

वहीं इस पूरी प्रक्रिया के लिए आवेदनकर्ता की ओर से पंजीकृत मोबाइल नबर पर हर चरण की अपडेट मिलती रहेंगी। नगर परिषद कार्यालय में अभी तक 60-70 पट्टे की ऑफलाइन फाइल लंबित पड़ी हुई है। जिनपर कार्य चल रहा है। वहीं ऑनलाइन की 8 से 10 फाइल लंबित चल रही है।

आमजन को होगा फायदा

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पट्टा बनाने के लिए आम लोगों को बार-बार सरकारी दतरों के चक्कर काटने पड़ते थे।

किसी-किसी को तो कई बार कोशिशों के बाद भी पट्टा बनने में सालों का समय लग जाता था और अफसर अपने चहतों के पट्टे फाइलों को तुरंत कर देते थे। इन सभी समस्याओं का समाधान को लेकर स्वायत्त शासन निदेशालय की ओर से यह आदेश जारी किया गया है।

स्वायत्त शासन विभाग की ओर से आदेश जारी हुआ है। जिसके बाद नगर परिषद कार्यालय में सभी को दिशा निर्देश बता दिए गए है। अब सभी ऑनलाइन सिस्टम है कोई भी कर्मचारी पट्टे की फाइल नहीं रोक सकेगा।- अशोक कुमार शर्मा, आयुक्त नगर परिषद धौलपुर।

रिश्वतखोरी पर लगेगी रोक

अभी तक पट्टे की फाइल का कार्य ऑफलाइन होता था। जिसमें कई ऐसे दलाल आवेदनकर्ता को मिल जाते थे जो जल्दी पट्टा जारी कराने का आश्वासन देते थे। जो आवेदनकर्ता से कई बार दलाली को लेकर रुपए भी वसूल लेते थे। लेकिन उसके बाद भी महीनों फाइल रूकी रहती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। पट्टे की फाइल अब ऑनलाइन होने से सभी प्रकार की रिश्वतखोरी बंद हो जाएगी।

‘राहुल गांधी पप्पू हैं या बहुत ही शातिर आदमी’

जयपुर में बोले रवनीत बिट्टू; कहा- जो बोला उस पर कायम हूं

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने जयपुर के एक कार्यक्रम में कहा कि राहुल गांधी को लेकर उन्होंने जो बयान दिया था, वे इस पर आज भी कायम हैं। अपना बयान वापस लेने वाला कायर होता है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी सरदार है, क्या वे पग नहीं बांधते हैं? राहुल गांधी खुद पगड़ी बांधकर गुरूद्वारा साहिब जाते हैं। उन्हें कौन रोकता है? कोई प्रूफ तो दें कि किसी सिख को गुरुद्वारा जाने से रोका गया हो, पग या कड़ा बांधने से रोका हो। इस तरह के हिंसक बयान देते हैं तो गलत है।

रेल राज्य मंत्री बिट्टू ने जगतपुरा स्थित शूटिंग रेंज में रेलवे की ओर से आयोजित शूटिंग चैंपियनशिप के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी यह चाहते हैं कि सिख फिर से हथियार उठा लें। हमारे युवा भड़क जाएं। अशोक गहलोत से पूछ लो कि किसे रोका जा रहा है। मैंने बयान इसलिए दिया क्योंकि इंदिरा गांधी ने दरबार साहिब पर हमला किया। राजीव गांधी के राज में हजारों सिखों को मारा गया और अब यह तीसरी पीढ़ी है।

बिट्टू ने कहा कि पगड़ी और सिख को जो इज्जत मिलती है। वो किसी को नहीं मिलती, लेकिन ये हरियाणा चुनाव के चलते ऐसा कर रहे हैं। क्योंकि यहां पर 25-30 सीटों पर सिखों का प्रभाव है। इसलिए ऐसा माहौल पैदा किया जा रहा है।

मेरे से ज्यादा राहुल गांधी को कौन जानता है- बिट्टू

बिट्टू ने राहुल गांधी पर दिए गए बयान पर कहा कि उन्हें तकलीफ है तो मुझसे आकर बात करें। मैं उनसे ही मिलने आया हूं। मेरे से ज्यादा राहुल गांधी को कौन जानता है? इसमें न कांग्रेस न भाजपा की बात है। यह केवल सिखों की बात है। सीआईएसएफ का डीजी पंजाब का सिख है, वायुसेना के चीफ सिख हैं और मैं आपके सामने बैठा हूं। क्या वो सब पग नहीं बांध रहे।

40.50 करोड़ की लागत से बनेगा इंडोर स्टेडियम

उत्तर पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ के तत्वावधान में जगतपुरा स्थित शूटिंग रेंज में पांच दिवसीय 57वीं अंतर रेलवे निशानेबाजी प्रतियोगिता शुरु हुई। उद्घाटन मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने किया। उन्होंने कहा कि जयपुर में रेलवे कॉलोनी में 40.50 करोड़ रुपए की लागत से इंडोर स्टेडियम बनाया जाएगा।

‘असली कुर्सी तो केजरीवाल की है’

मंत्री बिट्टू ने दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री आतिशी को लेकर कहा कि उन्होंने अपने ऑफिस में अलग कुर्सी रखकर मान लिया कि वो तो केवल डमी हैं। असली कुर्सी तो केजरीवाल की ही है। इसलिए अलग कुर्सी लगाई।

मंत्री के काफिले को दिखाए काले झंडे

इधर, केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के जयपुर दौरे के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीबीआई फाटक के पास प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जगतपुरा शूटिंग रेंज के पास बिट्टू के काफिले को काले झंडे भी दिखाए। पुलिस ने शहर कांग्रेस अध्यक्ष आर आर तिवाड़ी, प्रदेश महामंत्री जसवंत गुर्जर, प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी सहित सौ से अधिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। अलग-अलग थानों में रखे गए कार्यकर्ताओं को बाद में छोड़ दिया गया। वहीं कुछ कार्यकर्ताओं को बस्सी ले जाकर शाम को छोड़ा गया।

गहलोत-डोटासरा ने की निंदा

कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा ने निंदा की है। गहलोत ने कहा कि काले झंडे दिखाना, नारेबाजी करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। डोटासरा ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना गलत है।

भूकंप के झटके, बाड़मेर का बालोतरा था मुख्य केंद्र

लोग घरों से बाहर निकले

बाड़मेर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बालोतरा जिले में दोपहर करीब समय भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 3.2 थी। लोगों ने भूकंप की हलचल महसूस की गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार बालोतरा में दोपहर करीब 1 बजकर 43 सेकेंड पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता 3.2 रिएक्टर थी। भूकंप का केंद्र बिंदु भी बालोतरा था। जिसका करीब 5 किलोमीटर एरिया में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

हमारी धरती कई परतों से मिलकर बनी है। ये परतें (प्लेट) नीचे कई फीट गहराई में एक दूसरे के ऊपर फिट हैं और लगातार घर्षण करती रहती हैं। सामान्य तौर पर इस घर्षण की तीव्रता इतनी कम होती है कि यह हमें महसूस नहीं होता, लेकिन जब किसी प्राकृतिक असंतुलन की वजह से इसकी तीव्रता औसत से ज्यादा हो जाती है तो भूकंप के झटके आते हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर नापी जाती है। 5 से ऊपर तीव्रता होने पर भूकंप से ज्यादा नुकसान होने की आशंका होती है। अगर इसकी तीव्रता 4 से कम हो तो इसे सामान्य माना जाता है।

राजकुमार रोत का ‘हिंदू मंदिर’ जाने पर कहो रहा है विरोध

सांसद बोले- माहौल खराब करने की कोशिश

बांसवाड़ा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा में घोटिया आंबा धाम पर भारत आदिवासी पार्टी द्वारा आदिवासी अधिकार दिवस मनाए जाने का जमकर विरोध हो रहा है। बांसवाड़ा जिले के घोटिया आंबा धाम पर भारत आदिवासी पार्टी द्वारा मनाए जाने वाले आदिवासी अधिकार दिवस कार्यक्रम में सांसद राजकुमार रोत भी शामिल होंगे, लेकिन उससे पहेल ही यहां आने को लेकर विरोध किया जा रहा है। आदिवासी आरक्षण मंच के लोगों का कहना है कि सांसद आदिवासी को हिंदू नहीं मानते, तो हिंदू धर्म स्थल पर क्यों आ रहे हैं? वहीं समिति ने इस मामले को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा है।

कमल कांत कटारा ने पुलिस से की अपील

इससे पहले फेसबुक पर आदिवासी आरक्षण मंच के संयोजक कमल कांत कटारा ने लिखा कि, “बांसवाड़ा-डूंगरपूर पुलिस प्रशासन को ध्यान देना चाहिए कि सांसद लगातार बयान दे रहा है कि आदिवासी हिन्दू नहीं है, फिर वह किस योजना के तहत हिन्दू धाम घोटिया आंबा पर कार्यक्रम कर रहा है। घोटिया आंबा में प्राचीन काल से पांडवों की मूर्तियां स्थापित हैं और शिव मंदिर भी है। पवित्र कुण्ड है जहां हिंदू परंपरा से अस्थि विसर्जन होता है।”

आगे कहा कि आदिवासियों को बार-बार हिन्दू नहीं है, ऐसी घोषणाएं करने वाला आदमी बार-बार पवित्र और शुद्ध हिन्दू धार्मिक स्थल पर अपना राजनीतिक कार्यक्रम क्यों कर रहा है? यह क्षेत्र में तनाव बढ़ाने वाले कदम उठा रहा है। या तो ‘आदिवासी हिन्दू नहीं है’ ऐसा कहना छोड़कर पूर्व के बयानों पर माफी मांग ले या फिर घोटिया आंबा का कार्यक्रम निरस्त कर ले।

माफी मांगने पर ही कार्यक्रम करने दिया जाएगा

कमल कांत कटारा ने कहा कि ऐसी घोषणा करने वाले आदमी को किसी भी सूरत में पाण्डव धाम पर आने का अधिकार नहीं है। अपना बयान वापस लेकर माफी मांगने पर ही उसे पांडव धाम पर आने दिया जाएगा अन्यथा नहीं। चाहे वो सांसद हो या विधायक, लेकिन विरोधी बयान देना और फिर उन्हीं स्थानों पर कार्यक्रम करना आदिवासियों को बरगलाना है।

बांसवाड़ा प्रशासन ध्यान दें यह शांतिपूर्ण और विनम्र अनुरोध है। कार्यक्रम तभी होगा जब राजकुमार अपना बयान वापस लेकर माफी मांगेगा वरना हम उसे घोटिया आंबा धाम पर कदम नहीं रखने देंगे। कीमत चाहे कुछ भी चुकानी पड़े, तैयार हूं।

उदयपुर और प्रतापगढ़ में हो चुका है आयोजन

उल्लेखनीय है कि बाप पार्टी द्वारा संविधान में दिए गए अधिकारों को लेकर जनजागरण के उद्देश्य से कई जिलों में आदिवासी अधिकार दिवस का अयोजन किया जा रहा है। इसके तहत अभी बांसवाड़ा में यह दिवस मनाया जा रहा है। इससे पहले ऐसा आयोजन उदयपुर और प्रतापगढ़ में भी किया जा चुका है। बांसवाड़ा के इस कार्यक्रम में सांसद राजकुमार रोत भी शामिल होंगे, मगर रोत का आदिवासी आरक्षण मंच विरोध कर रहा है।

‘मानसून की विदाई’ से पहले इन 7 संभागों में होगी बारिश

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून की विदाई का काउंटडाउन शुरू हो गया है। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में कल से मानसून की विदाई सामान्य से 6 दिन की देरी से शुरू हुई है। वहीं मौसम विभाग ने 7 संभागों में बारिश का अलर्ट जारी करते हुए पूर्वी राजस्थान के कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की गतिविधियां 25 सितंबर से 30 सितंबर तक दर्ज होने की संभावना है और भरतपुर, जयपुर, अजमेर संभाग के कुछ भागों में भी मेघगर्जन के साथ हल्के से मध्यम बारिश 27-29 सितंबर के दौरान होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर संभाग के अधिकांश भागों में आगामी तीन-चार दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। दक्षिण पश्चिमी राजस्थान में 28 से 30 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

आरपीएससी के 3 पूर्व अध्यक्षों पर लगे गंभीर आरोप

किरोड़ी लाल ने सीएमओ से लगाई गुहार

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मंत्री पद से इस्तीफा देकर बैठे किरोड़ीलाल मीना सीएम से मिलने सीएम कार्यालय पहुंचे। सीएम बाहर थे तो उनके अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल से मिले और आरएएस की दो भर्तियों की जांच करवाने की मांग की।

उन्होंने आरपीएससी के तीन पूर्व अध्यक्ष दीपक उप्रेती, शिव सिंह राठौड़ और संजय क्षत्रिय के कार्यकाल में हुई भर्तियों की जांच करवाने की भी मांग की। उन्होंने तीनों के कार्यकाल में हुई सभी भर्तियों की जांच की मांग सीबीआई से करवान की किरोड़ी ने कहा कि आरएएस परीक्षा 2018 और आरएएस परीक्षा 2021 में बहुत अनियमितताएं हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष औ कई सदस्यों ने पैसे लेकर आरएएस बनाए हैं। आरएएस 2021 की मुख परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच निजी कॉलेजों के शिक्षकों से करव कर चहेतों को मनमर्जी से नम्बर दिए गए। आरएएस 2021 में बीकानेर से सफल अभ्यर्थियों की संख्या सर्वाधिक रही। ऐसा क्यों हुआ? भी जांच का विषय है। आरएएस 2018 में उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए जिन्हें जिम्मेदारी दी गई थी वे भी विवादों में रहे हैं।

बारां में युवक को पेड़ से बांधकर पहनाई जूतों की माला

महिलाओं के कपड़े पहनाकर पीटा

बारां, 24 सितंबर (एजेंसियां)। बारां सदर थाना क्षेत्र के बोरिना गांव में एक युवक के साथ अमानवीयता की हदें पार कर पिटाई की गई। युवक को पेड़ से बांधकर जूतों की माला पहनाकर पिटाई की गई। इतना ही नहीं युवक को निर्वस्त्र कर महिलाओं के कपड़े पहनाए कर बेइज्जत किया गया। साथ ही इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित को बचाया। पुलिस ने मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में पीड़ित की पत्नी भी शामिल है। जानकारी के अनुसार युवक के साथ ये अमानीय व्यवहार महिला से जुड़ा बताया जा रहा है। बताया गया कि पीड़ित का भाई एक महिला को भगाकर ले गया है। पीड़ित युवक का आरोप है कि उसे 19 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ इस कदर बर्बरता की गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पीड़ित को छुड़ा लिया और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बारां सदर थाना के सीआई छुट्टनलाल ने बताया कि पीड़ित युवक, जगमोहन मोग्या ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बोरिना निवासी बाबूलाल मोग्या ने उसे कॉल करके बुलाया था। पीड़ित के बयान और रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

भरतपुर में डॉग्स का हमला

दूध लेने दुकान पर गई पांच साल की बच्ची को नोचा, गंभीर रूप से घायल

भरतपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर शहर के नदिया मोहल्ला कोतवाली थाना इलाके में डॉग्स ने एक पांच साल की बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची के शरीर में जगह-जगह दांतों के निशान और घाव हैं। बच्ची दूध लेने जा रही थी। इस दौरान रास्ते में खड़े चार डॉग्स ने अचानक बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची के पिता कृष्ण मुरारी ने बताया कि मेरी बेटी सुइता दूध लेने के लिए घर से निकली थी। घर से कुछ दूरी पर चार डॉग्स बैठे थे। जैसे ही मेरी बेटी डॉग्स के पास से निकली तो उन्होंने बच्ची पर हमला कर दिया और उसे सड़क पर गिरा दिया। चारों डॉग्स ने उसे सिर, हाथ, पैर मुंह पर बुरी तरह नोंच डाला।

आसपास के लोगों ने बच्ची को बचाया और घटना की सूचना बच्ची के परिजनों को दी। परिजन बच्ची को लेकर आरबीएम अस्पताल पहुंचे। बच्ची के पिता का कहना है कि इलाके में डॉग्स का आतंक है। मोहल्ले के 8 से 10 डॉग्स कई लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं। इसको लेकर कई बार नगर निगम से शिकायत की गई लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस घटना के बाद से लोग अपने बच्चों को घर से बाहर निकालने से कतरा रहे हैं। घटना के बाद से बच्ची इतनी डर गई है कि वह किसी के सामने आने से सहम रही है।

एनडीपीएस एक्ट में जब्त 1150 किलो अवैध मादक पदार्थ नष्ट किए

80 करोड़ रुपये है बाजार भाव

दौसा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई कार्रवाइयों के दौरान जब्त किए गए मादक पदार्थों के निस्तारण के लिए पुलिस ने करीब 1150 किलो मादक पदार्थ के जखीरे को जलाकर नष्ट किया। जिले के अलग-अलग पुलिस थानों द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई करीब 80 कार्रवाइयों के दौरान ये मादक पदार्थ जब्त किए गए थे।

दौसा जिला पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने बताया कि साल 2017 से अब तक की कार्रवाइयों में करीब 1150 किलो मादक पदार्थ दौसा जिले के अलग-अलग थानों ने जब्त किए थे, जिसके नियमानुसार निस्तारण के लिए जिला औषधि व्ययन समिति के सदस्यों की उपस्थिति के साथ धारा 52ए (2) एनडीपीएस एक्ट के तहत इन्वेन्ट्रीशुदा मादक पदार्थों का निस्तारण दौसा रिजर्व पुलिस लाइन में किया गया।

इस निस्तारण के समय दौसा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल और पुलिस अपराध सहायक सोहनलाल मौके पर उपस्थित रहे। इस प्रक्रिया में जिला औषधि व्ययन समिति सदस्यों के समक्ष निस्तारण किए गए माल का वजन करवाया गया और उनकी फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी करवाई गई, जिससे पारदर्शिता बरकरार रहे। जलाए गए मादक पदार्थ की कीमत लगभग 80 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

दर्दनाक हादसे में तीन साल के मासूम की मौत

घर के बाहर खेलते समय कार ने कुचला

जयपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के सांगानेर थाना क्षेत्र के सीताबाड़ी इलाके में एक दर्दनाक हादसा हुआ। हादसे में तीन साल के मासूम की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब बच्चा अपने घर के बाहर सड़क पर खेल रहा था और अचानक एक कार की चपेट में आ गया। इस घटना में बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना रविवार दोपहर करीब एक बजे ड्रीम होम कॉलोनी में हुई। वहां एक व्यक्ति ने अपनी नेक्सन कार के साथ कॉलोनी से बाहर निकलते वक्त बच्चे को कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चा सड़क पर खेल रहा था और कार अचानक मोड़ से आई और बच्चा उसके पहियों के नीचे आ गया। कार चालक ने तुरंत गाड़ी रोक दी, लेकिन तब तक हादसा हो चुका था।

सांगानेर थाने के एसएचओ किशन लाल ने बताया कि मृतक बच्चे का नाम अकरम था, जो बिहार निवासी था और उसकी उम्र महज 3 साल थी। अकरम के पिता मोहम्मद निसार पेशे से दर्जी हैं और उसकी मां शहजादी घरेलू कामकाज करती हैं। यह परिवार विष्णु गार्डन कॉलोनी में किराए पर रहता था।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत कार चालक को रोककर बच्चे को उसी कार से अस्पताल पहुंचाया, लेकिन जयपुरिया हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डाल दिया है, और परिजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।

नए अधिकारियों को कर्तव्य पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए : सुधीर बाबू

मैत्रीपूर्ण पुलिसिंग की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाया जाए

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त सुधीर बाबू ने रचाकोंडा आयुक्तालय कार्यालय में तेलंगाना पुलिस विभाग में नव चयनित 56 प्रशिक्षु उप-निरीक्षक अधिकारियों को उन्मुखीकरण दिया। इस अवसर पर आयुक्त ने प्रशिक्षु अवर निरीक्षक पदाधिकारियों को शांति एवं सुरक्षा बनाये रखने में पुलिस व्यवस्था की महत्ता एवं महत्ता समझायी तथा कई बहुमूल्य सुझाव दिये। उन्होंने सुझाव दिया कि पुलिस प्रशिक्षण जीवन में एक महान अवसर है और व्यक्ति को प्रशिक्षण के समय का सदुपयोग करना चाहिए और प्रशिक्षकों और शिक्षकों द्वारा सिखाए गए विषयों को लगन से सीखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानून कानूनों की जानकारी और समझ का पूरा स्तर बढ़ाया जाना चाहिए ताकि ड्यूटी प्रबंधन आसान हो सके। कहा जाता है कि पुलिस की नौकरी समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को त्वरित न्याय दिलाने का बेहतरीन अवसर देती है और इससे काफी संतुष्टि मिलती है। उन्होंने कर्तव्यों के पालन में प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने, नागरिक सेवाओं के प्रति समर्पित रहने तथा पुलिस व्यवस्था में विश्वास जगाने की सलाह दी। उन्होंने लोगों के साथ मिलकर काम करने और ऐसा कामकाजी माहौल बनाने की सलाह दी, जिसमें पीड़ित बेझिझक थाने आकर शिकायत कर सकें। सीपी ने कहा कि नागरिक विवादों से दूर रहें और मैत्रीपूर्ण पुलिसिंग की अवधारणा को लोगों तक पहुंचाएं कि थाने आने पर न्याय मिलेगा।

उन्होंने कहा कि जमीनी पुलिसिंग को उच्च प्राथमिकता देने, वरिष्ठों के आदेशों के अनुसार काम करने, निचले स्तर के कर्मचारियों के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करने और शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। कार्यक्रम में एडमिन डीसीपी इंदिरा, एसीपी नरेंद्र गौड़, एसीपी रमेश समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए।

राज्यपाल ने केंद्रीय पुस्तकालय में ग्रंथालय दीप्ति का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्थापना दिवस पर, तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने प्रतिष्ठित राज्य केंद्रीय पुस्तकालय में ग्रंथालय दीप्ति का शुभारंभ किया।

यह राज्य एनएसएस नोडल अधिकारी और राज्यपाल के प्रधान सचिव, बुर्रा वेंकटेशम, आईएएस द्वारा तैयार की गई एक पहल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तेलंगाना भर में 670 से अधिक सार्वजनिक पुस्तकालयों, 1,000 निजी पुस्तकालयों और 2,000 शैक्षणिक संस्थान पुस्तकालयों को पुनर्जीवित करना है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के एनएसएस स्वयंसेवक सफाई, क्षतिग्रस्त पुस्तकों को बहाल करने और पुस्तकालयों को व्यवस्थित करने में भाग लेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की सहायता के लिए एक विशेष बुक डॉक्टर कॉर्नर भी स्थापित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान, राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि पुस्तकालयों के पुनरुद्धार के लिए केवल वित्तीय निवेश ही नहीं, बल्कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, किताबों को पुनःस्थापित करके हम अतीत को भविष्य में ला रहे हैं।

उन्होंने बुक डॉक्टर्स पहल को सतत विकास लक्ष्यों से जोड़ा और डिजिटल युग में भौतिक पुस्तकों के स्थायी महत्व को रेखांकित किया। आज के युवा लगातार पढ़ रहे हैं- चाहे फेसबुक, इंस्टाग्राम या ई-बुक के माध्यम से। पढ़ना अपरिहार्य है, चाहे कोई भी माध्यम हो, उन्होंने भौतिक पुस्तकों के स्थायी मूल्य और उनके द्वारा प्रदान किए जाने वाले स्पर्शनीय अनुभव को रेखांकित करते हुए कहा।

पहल पर बोलते हुए, श्री बुर्रा वेंकटेशम ने कहा, हम पुस्तकालयों के महत्व को उजागर करने और उन्हें हर तरह से बेहतर बनाने के लिए एक आंदोलन के रूप में इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। मोबाइल युग में भी, पुस्तकालय प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता और समग्र शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह पहल छह महीने तक चलेगी और शिक्षा विभाग, राजभवन और एनएसएस फंड के समर्थन से जिला और मंडल पुस्तकालयों तक विस्तारित होगी।

इस कार्यक्रम में तेलंगाना ग्रंथालय परिषद के अध्यक्ष डॉ. एमडी रियाज और ई.वी. रसिम्हा रेड्डी, आईएएस, सार्वजनिक पुस्तकालयों के निदेशक भवानी शंकर, पल्लवी राजभवन की वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आवासीय छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करें : खुशबू गुप्ता

आसिफाबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटीडीए पीओ खुश्बू गुप्ता ने शिक्षकों को आश्रम विद्यालयों के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने का आदेश दिया। मंगलवार की सुबह पीओ ने एदलबांडी नदी पार करते हुए वेलगी गांव के वनकिडी मंडल स्थित आश्रम विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों से छात्रों को दी जाने वाली शिक्षा, चिकित्सा व भोजन के बारे में पूछताछ करने के बाद शिक्षकों की उपस्थिति व स्टॉक रजिस्टर की जांच की गयी। उन्होंने कहा कि विषयवार पढ़ाई ऐसी होनी चाहिए जिससे छात्रों को समझ में आए।

उन्होंने कहा कि नियमित स्वच्छता कार्यक्रम चलायें। वे रसोई, स्टोर रूम, पीने के पानी और शौचालय को हर दिन साफ रखने का उचित ध्यान रखना चाहते हैं। शिक्षकों को सलाह दी गई कि पढ़ना-लिखना हर विद्यार्थी को आना चाहिए। उन्होंने कहा कि दवाओं का रजिस्टर चेक किया जाये कि दवायें हमेशा उपलब्ध रहें, यदि कोई मरम्मत हो तो तत्काल सूचित करें। पिछले कुछ दिनों से जीसीसी से स्कूल में दूध, रागीमाल्ट, अंडे और केले की आपूर्ति नहीं होने पर जीसीसी प्रबंधक बोज्या नाइक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

अब डिस्कॉम की वेबसाइट से लगाए जा सकेंगे बिजली मीटर

दलाल अवैध रूप से मोटी रकम लेकर दिलवाते थे कनेक्शन

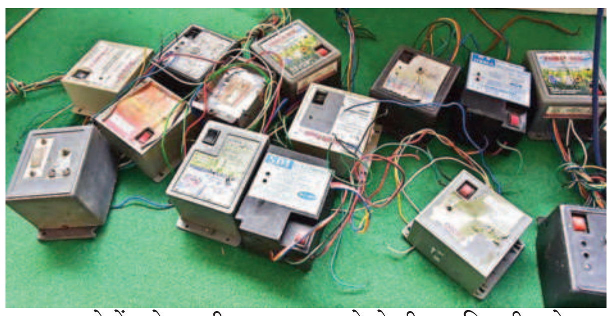

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अब नोटरी भूमि पर बने आवासीय घर, अपार्टमेंट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान सीधे डिस्कॉम की वेबसाइट से बिजली मीटर कनेक्शन प्राप्त कर सकेंगे। डिस्कॉम ने कथित तौर पर विशेष शुल्क संरचना पर नोटरीकृत सपत्तियों को मीटर प्रदान करने का निर्णय लिया है। नोटरीकृत संपत्ति लेनदेन वास्तव में पंजीकृत करने के बजाय नोटरी अधिवक्ता द्वारा सत्यापित स्टाम्प पेपर पर किया जाता है। यह कानूनी रूप से वैध नहीं है और इसे दूसरों को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है और यहां तक कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने कुछ साल पहले ऐसी संपत्तियों पर संपत्ति कर का आकलन करना बंद कर दिया था क्योंकि लोग संपत्ति कर रसीदों का उपयोग करके उन्हें पंजीकृत कर रहे थे।

वर्तमान में, डिस्कॉम अधिकारी केवल पंजीकृत संरचनाओं को ही नए कनेक्शन जारी कर रहे हैं तथा नोटरीकृत संपत्तियों पर विचार नहीं किया जा रहा है। हालांकि, डिस्कॉम के फील्ड स्टाफ और दलाल लोगों से भारी रकम वसूलते थे और झूठे दस्तावेज जमा करके उन्हें मीटर दिलवाते थे। हैदराबाद शहर और अन्य इलाकों में नोटरीकृत संपत्ति रखने वाले उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन लेने के लिए अपरिहार्य परिस्थितियों में इन दलालों पर निर्भर रहना पड़ता था। इसलिए, डिस्कॉम प्रबंधन ने कथित तौर पर कनेक्शनों के अवैध आवंटन की जांच करने के लिए नोटरीकृत संपत्तियों को नए मीटर आवंटित करने का निर्णय लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नोटरीकृत आवासीय संपत्तियों को पहले से ही नए बिजली कनेक्शन जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नोटरीकृत संपत्ति वाले लोग अब 600 रुपये की सुरक्षा राशि देकर आसान निर्देशों का पालन करके टीजीएसपीडीसीएल की आधिकारिक वेबसाइट से नए कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं। नोटरीकृत दस्तावेजों का मुद्दा 1970 के दशक से ही चला आ रहा है और लोग सरकार से इसे हल करने की मांग कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि लोग छोटी संपत्तियों के लिए भारी स्टांप ड्यूटी से बचने के लिए पंजीकरण के बजाय नोटरीकृत दस्तावेजों का विकल्प चुनते हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह समस्या पुराने शहर में अधिक है।

प्रसाद के आईमैक्स को धवस्त क्यों नहीं कर देते?

हाइड्रा पर इटेला ने सीएम रेवंत से पूछे सवाल

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र ने मंगलवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से सवाल किया कि सरकार ने प्रसाद के आईमैक्स थिएटर को ध्वस्त करने के लिए कोई कार्रवाई क्यों नहीं की है? मलकाजगिरी के सांसद ने हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) द्वारा शहर भर में अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करने की कार्रवाई पर निराशा व्यक्त की।

कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए राजेंद्र ने कहा कि सरकार फार्मा सिटी के लिए जिस तरह से जमीन का अधिग्रहण करती है, उसी तरह से जमीन का अधिग्रहण क्यों नहीं करती? सरकार लोगों के घरों को इस तरह से क्यों नष्ट कर रही है, जैसे कि वह उनकी पुश्तैनी संपत्ति हो? तेलंगाना के पूर्व मंत्री ने आगे कहा कि कांग्रेस पारिस्थितिकी संतुलन की बात छिपा रही है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार पर्यावरण और झीलों के बारे में इतनी चिंतित है, तो उसे हुसैन सागर झील को पीने के पानी के स्रोत में बदलने के लिए कदम उठाने चाहिए। राजेंद्र ने सरकार से आग्रह किया कि वह इन जल निकायों के निकट बस्तियों में रहने वाले लोगों की खराब जीवन स्थितियों पर ध्यान दे तथा उन्हें स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी जरूरतें उपलब्ध कराए। भाजपा सांसद ने कहा कि सरकार ने चुनाव के दौरान लोगों से कई वादे किए थे। हो सकता है कि उसने कुछ चीजें मुहैया कराई हों। हालांकि, उसे लोगों की मौजूदा जरूरतों पर ध्यान देना चाहिए।

तिरुपति जाने वाला विमान हैदराबाद वापस लौटा

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति जाने वाला एक विमान मंगलवार सुबह तकनीकी समस्या के कारण हैदराबाद हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाइट 9आई 877, एटीआर-72-600 विमान ने सुबह 6:35 बजे राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) से उड़ान भरी। इसके सुबह 7:30 बजे तिरुपति अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की उम्मीद थी। हालांकि, यह हैदराबाद लौट आया और सुबह 8:30 बजे आरजीआईए में उतरा। एक यात्री ने बताया कि चालक दल ने यात्रियों को सूचित किया कि इंजन में तकनीकी दिक्कतों के कारण विमान को आरजीआईए वापस लौटना पड़ रहा है। हालांकि, एलायंस एयर ने घटना के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। देरी के कारण कई यात्रियों, विशेषकर बुजुर्गों और बीमार लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और उन्होंने व्यवस्थाओं के प्रति अपनी निराशा व्यक्त की।

आशुभाषण प्रतियोगिता संपन्न

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप- भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, में जारी हिंदी चेतना मास समारोह की शृंखला में आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसमें किसी भी विषय पर तत्काल अपने विचारों को हिंदी में अभिव्यक्त करने की क्षमता का आकलन एवं प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करना था। संस्थान में कार्यरत सभी (वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक आदि) संवर्ग के सहभागियों ने उक्त प्रतियोगिता में भाग लिया। डॉ.के हरिप्रसन्ना, प्रधान वैज्ञानिक तथा डॉ. अविनाश सिंगोड़े, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने प्रतियोगिता के दौरान निर्णायकों की भूमिका निभाई। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. सी तारा सत्यवति, निदेशक के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य

मिट्टी हटा कर नाले की सफाई की मांग

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ सालों से नाला बारिश की वजह से किशनगंज में ओवरफ्लो हो रहा है, जिससे इलाके के लोगों को तरह-तरह की परेशानी हो रही है। साथ ही रिसाला अब्दुल्ला भी नाले के पानी से बुरी तरह प्रभावित। लोगों ने बताया कि पिछले साल नाला निर्माण पूरा हो गया था, लेकिन लोगों को अंधेरे में रख कर मिट्टी हटाए बिना नाला निर्माण पूरा किया गया। मिट्टी नहीं हटाए जाने की वजह से इलाके में गंदे नाले का पानी ज्यादा आने लगा है। इस समस्या की जानकारी जब स्थानीय पार्षद राकेश जायसवाल को दी गई तो उन्होंने तुरंत ही स्थानीय जीएचएमसी अधिकारियों व डीसी विद्यानंद के साथ ईई, डीई, एई को बुलाया और पूर इलाके का निरीक्षम कराया। समस्या देखने के बाद पार्षद श्री जायसवाल ने बताया गया कि इसकी जानकारी से जीएचएमसी कमिश्नर को अवगत कराएंगे। ताकि समस्या का तत्काल हल हो सके। उनके साथ गोपाल अन्ना, दम्मू भाई, कौशिक, कटप्पा, चंद्रकांत, नंदू कुमार, अनिल यादव, आकाश, राजू, पप्पू और स्थानीय लोग भी बडी संख्या में थे।

नाबालिगों के खिलाफ एफआईआर

पुलिस ने कार मालिक को बीमा क्लेम में मदद के लिए किया केस

वारंगल, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को एक मामला सामने आया है जिसमें पुलिस ने एक कार मालिक को वाहन बीमा राशि दिलाने में मदद करने के लिए आठ नाबालिगों के खिलाफ कथित तौर पर झूठा मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार 5 अगस्त को हनमकोंडा के रामनगर टॉवर अपार्टमेंट में रहने वाले पुलिस कांस्टेबल के राजू ने सुबेदारी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसी अपार्टमेंट में रहने वाले 8 नाबालिगों ने उनकी कार को नुकसान पहुंचाया। राजू ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जब वह आधिकारिक ड्यूटी पर स्टेशन से बाहर थे, तब उनकी कार को नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि नाबालिगों ने कार पर उनकी बेटी के बारे में आपत्तिजनक बातें लिखीं।

नाबालिगों के माता-पिता ने मंगलवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि उनके बच्चे निर्दोष हैं और कांस्टेबल ने बीमा राशि हड़पने के लिए उन्हें फंसाया है।

माता-पिता ने दावा किया कि कार जनगांव जिले के जफरगढ़ मंडल के उप्पुगल गांव की निवासी बेथी अनुषा की है और राजू को उसकी ओर से शिकायत दर्ज कराने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने हमारी सोसायटी में आए बिना ही एफआईआर दर्ज कर ली। बिना जांच के एफआईआर कैसे दर्ज की जा सकती है? करीब 45 दिन बीत चुके हैं और अभी तक एक भी पुलिसकर्मी तथ्यों के बारे में जानने के लिए हमारे पास नहीं आया है।

यह मुद्दा जिले के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर वायरल हो गया है और लोग पुलिस कार्रवाई की आलोचना कर रहे हैं। इस बीच, सुबेदारी इंस्पेक्टर पी सत्यनारायण रेड्डी ने मीडिया को बताया कि यह कोई गंभीर मामला नहीं है और मूल रूप से वाहन बीमा राशि का दावा करने के लिए एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा कि हमने एफआईआर दर्ज की है क्योंकि इसके बिना बीमा कंपनियां कार मालिक को बीमा राशि जारी नहीं करेंगी।

विजयवाड़ा मंडल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा मंडल ने मंगलवार को विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए पाटिल की अध्यक्षता में 188वीं मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की। मंडल ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जयंती भी मनाई। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रास्ट्रक्चर) एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी पी ई एडविन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (संचालन), एम श्रीनिवास राव कोंडा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.एम सोरीबाला और विजयवाड़ा मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे के शाखा अधिकारियों ने भाग लिया। आरंभ में विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए पाटिल ने प्रख्यात हिन्दी कवि, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उनकी सर्वाधिक प्रसिद्ध काव्य-पुस्तक 'रश्मिरथी' से कुछ पंक्तियां सुनाईं। उन्होंने कहा कि किसी विद्वान को श्रद्धांजलि देने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप कम से कम एक साहित्य अवश्य पढ़ें, जिससे अंततः आप उस संपूर्ण पुस्तक को अवश्य पढ़ेंगे। समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए विजयवाड़ा मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रास्ट्रक्चर) एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी पी ई एडविन ने राजभाषा नीति के लक्ष्यों को पार करने के लिए सभी अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि 'नोटिंग' के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार 30 प्रतिशत लक्ष्य 87.87 प्रतिशत है, जो मंडल के लिए आशाजनक है तथा इसी प्रकार हिन्दी में प्राप्त पत्राचार के लिए 55 प्रतिशत लक्ष्य के विपरीत औसतन 88 प्रतिशत उत्तर हिन्दी में दिए गए हैं, जो सराहनीय है। राजभाषा अधिकारी एम के नागराजू ने डीओएलआईसी बैठक में सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में इस प्रभाग द्वारा प्राप्त प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने विजयवाड़ा प्रभाग तथा इकाइयों में पिछले तिमाही के दौरान आयोजित हिंदी कार्यशालाओं, संगोष्ठियों तथा कर्मचारियों को दिए गए टेबल प्रशिक्षण के बारे में बताया। उन्होंने राजभाषा के विभिन्न कार्यान्वयन मदों पर भी ध्यान केंद्रित किया तथा सभी से समन्वय स्थापित करने का आग्रह किया, क्योंकि राजभाषा नीति के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करना हमारा प्रमुख कर्तव्य है। उन्होंने अधिकारियों तथा कर्मचारियों से दैनिक कार्य में हिंदी का प्रयोग करने का आग्रह किया। शाखा अधिकारियों ने जयंती समारोह के भाग के रूप में श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' पर विभिन्न शोध-पत्र भी प्रस्तुत किए। कुछ अधिकारियों ने उनकी कविताओं का पाठ भी किया। डीआरएम ने दैनिक कार्य में हिंदी को लागू करने के लिए सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों की जिम्मेदारी दोहराई तथा दैनिक कार्य में राजभाषा कार्यान्वयन में विजयवाड़ा प्रभाग के हिंदी विभाग के प्रयासों की सराहना की। एम के नागराजू, राजभाषा अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन किया।

महिला से मारपीट के आरोप में पांच के खिलाफ मामला दर्ज

सिरपुर कागजनगर, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुरूषोत्तम ने कागजनगर कस्बे के आदर्शनगर की रीमा यादव नाम की महिला का निजी वीडियो अपने मोबाइल फोन में रखा है, उक्त महिला उसकी दुकान पर गई और पुरूषोत्तम से वीडियो डिलीट करने के लिए कहा और उसने कहा कि वह इसे डिलीट कर देगा।

लेकिन चार दिन बाद भी महिला ने वीडियो डिलीट नहीं किया और अपने पति के साथ संतोष की दुकान पर गई और उससे वीडियो डिलीट करने का अनुरोध किया। दोनों के बीच बहस बढ़ने पर पुरूषोत्तम, शिवा गौड़, नवीन गौड़, भरत और अविनाश ने रीमा यादव और उनके पति संतोष पर हमला कर दिया। इसके बाद महिला ने कागजनगर टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। कागजनगर डीएसपी रामानुजम के आदेश पर टाउन सीआई तुत्तूर शंकरैया मामले की जांच की गई और पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। सीआई ने कहा कि नायकपु शिवगौड़ को आज रिमांड पर लिया गया।

शत-प्रतिशत साक्षरता दर हासिल करने के लिए अधिकारी कड़ी मेहनत करें : कलेक्टर

आसिफाबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में शत-प्रतिशत साक्षरता हासिल करने की दिशा में अधिकारी समन्वय बनाकर काम करें। एकीकृत जिला समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला अपर समाहर्ता (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी के साथ राज्य सरकार एवं प्रौढ़ शिक्षा विभाग के तत्वावधान में नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिला शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, ग्रामीण विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंगलवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक हुई। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिले में शत-प्रतिशत साक्षरता हासिल करने के लिए अधिकारियों को समन्वय बनाकर काम करना चाहिए।

दो महानगरों और खाडी देशों के लिए शुरू होंगी सीधी उड़ानें

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (आरजीआईए) बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जो प्रमुख भारतीय महानगरों को 2 घंटे के भीतर तथा मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व एशिया आदि जैसे लोकप्रिय अंतर्राष्ट्रीय स्थलों को 4 घंटे के भीतर जोड़ता है, साथ ही सीधी उड़ानों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। हैदराबाद हवाई अड्डा अबू धाबी, दुबई, रियाद, दोहा और मस्कट सहित कई मध्य पूर्वी गंतव्यों के लिए सीधी कनेक्टिविटी प्रदान कर रहा है। पहले हैदराबाद से उड़ान भरने वाले यात्रियों को अक्सर दिल्ली या मुंबई में रुकना पड़ता था। हालांकि, बेहतर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी के साथ, यात्री अब ज्यादा सीधी उड़ानों का लाभ उठा सकते हैं, जिससे समय की बचत होगी और यात्रा के दौरान होने वाली परेशानी कम होगी।

आरजीआईए हैदराबाद ने हाल ही में विशेष रूप से निजी विमानों के लिए एक 'जनरल एविएशन' टर्मिनल खोला है, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू व्यावसायिक यात्रा को सुविधाजनक बनाना है। हैदराबाद हवाई अड्डा सालाना 25 मिलियन से ज्यादा यात्रियों और 159,000 टन कार्गो को संभालता है। यह 18 अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों, 20 अंतर्राष्ट्रीय और 3 भारतीय यात्री वाहकों और 9 घरेलू वाहकों द्वारा सेवा प्रदान करता है। इसके अलावा, 3 कार्गो एयरलाइंस हवाई अड्डे से परिचालन करती हैं। हवाई अड्डे को लगातार एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्रति वर्ष 15-25 मिलियन यात्रियों वाले हवाई अड्डों के लिए शीर्ष हवाई अड्डों में स्थान दिया जाता है और इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डों में से एक माना जाता है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 63 के लिए 100 करोड़ रुपये

चेन्नूर, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर के विधायक गड्डाम विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि सांसद गड्डाम वामसीकृष्ण के अनुरोध पर केंद्र ने 100 करोड़ रुपये से एनएच-63 सड़क के विस्तार और नई सड़क के निर्माण को मंजूरी दे दी है। विधान सभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार, पेद्दापल्ली सांसद गड्डाम वामसीकृष्ण और चेवेल्ला सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी के साथ मिलकर केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को दिल्ली स्थित उनके आवास में मुलाकात की। इस मौके पर गडकरी से कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर चर्चा हुई। बाद में, विवेक ने एनएच-63 सड़क के चौड़ीकरण और नई सड़कों को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद दिया है। अगले 15 दिनों में 1 करोड़ 80 लाख मरम्मत कार्य प्रारंभ करने को कहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कानपुर में नया इतिहास रच सकते हैं रवींद्र जडेजा

300 विकेट और 3000 रन बनाने वाले भारत के तीसरे क्रिकेटर बनेंगे

कानपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की क्रिकेट सीरीज का पहला मैच चेन्नई के चेपॉक मैदान पर खेला गया। इस मैच में भारत ने बांग्लादेश को 280 रन के बड़े अंतर से हराकर सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। मैच में भारत के लिए आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अब टीम अगला मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से खेलेगी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से टीम इंडिया के लिए ये मैच भी काफी अहम होगा। इस मैच में टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के पास इतिहास रचने का मौका होगा।

कौन सी हासिल करेंगे उपलब्धि

रवींद्र जडेजा के नाम इस समय टेस्ट क्रिकेट में 299 विकेट और 3122 रन दर्ज हैं। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में रवींद्र जडेजा 1 विकेट हासिल करते ही टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट और 3000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के एलीट क्लब में शामिल हो जाएंगे। क्रिकेट की दुनिया में अब तक केवल 10 क्रिकेटर ही ये उपलब्धि हासिल कर सके हैं। ऐसे में रवींद्र जडेजा 11वें ऐसे क्रिकेटर होंगे, जो यह कारनामा रचेंगे।

तीसरे भारतीय होंगे रवींद्र जडेजा

क्रिकेट में 300 विकेट और 3000 रन बनाने की उपलब्धि हासिल करने वाले रवींद्र जडेजा तीसरे भारतीय खिलाड़ी होंगे। उनसे पहले आर अश्विन और कपिल देव ये कारनामा कर चुके हैं। आर अश्विन अपने टेस्ट करिअर में अब तक 522 विकेट ले चुके हैं और 3422 रन बना चुके हैं। वहीं, कपिल देव ने अपने टेस्ट करिअर में 434 विकेट और 5248 रन बनाने का कारनामा किया है।

पहले मैच में टीम इंडिया की जीत में निभाई थी अहम भूमिका

भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया की जीत में रवींद्र जडेजा ने अहम भूमिका निभाई थी। टीम इंडिया ने पहली पारी में अपने 6 विकेट महज 144 रन के स्कोर पर खो दिए थे। इसके बाद मैदान पर उतरे रवींद्र जडेजा ने आर अश्विन के साथ लाजवाब साझेदारी कर टीम का स्कोर 376 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

जडेजा ने पहली पारी में 86 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिल पाया था। रवींद्र जडेजा ने बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी दमदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में रवींद्र जडेजा ने 2 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल किए थे।

मनन शर्मा वर्ल्ड कप खेल कर 30 उम्र में संन्यास

अब टी20 में इस टीम के लिए 6 विकेट झटके, मगर मिली हार

जोधपुर, 24 सितंबर (एजेंसियां)। लेजेंड्स लीग क्रिकेट में खेले मुकाबले में साउदर्न सुपर स्टार्स ने शिखर धवन की कप्तानी वाली गुजरात ग्रेट्स को हरा दिया. गुजरात ग्रेट्स का 48 घंटों के अंदर ये दूसरा मैच था, जिसमें उन्हें 26 रन से हार का सामना करना पड़ा. गुजरात की टीम को ये हार तब मिली जब उसकी ओर से मनन शर्मा ने साउदर्न सुपर स्टार्स एक के बाद एक 6 विकेट विकेट चटकाए. मनन की कहर बरपाती गेंदबाजी के बावजूद साउदर्न सुपर स्टार्स की जीत की वजह बना उनका 7वें नंबर का खिलाड़ी. मुकाबले में साउदर्न सुपर स्टार्स ने पहले बल्लेबाजी की 20 ओवर में 9 विकेट पर 144 रन बनाए. गुजरात ग्रेट्स के गेंदबाज मनन शर्मा के गेंद से बरपाए कहर के बावजूद साउदर्न सुपर स्टार्स 144 रन तक पहुंचने में कामयाब रही तो इसलिए क्योंकि 7वें नंबर पर उतरकर चाथुरंगा डि सिल्वा ने सिर्फ 28 गेंदों पर 53 रन जड़ दिए. डि सिल्वा ने अपनी नाबाद पारी में 2 छक्के और 6 चौके लगाए.

अंडर 19 वर्ल्ड कप खेलने वाले मनन ने लिए 6 विकेट

गुजरात ग्रेट्स की ओर से मनन शर्मा सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 6 विकेट लिए. मनन शर्मा ने 30 साल की उम्र में क्रिकेट से संन्यास ले लिया था. उन्होंने दिल्ली के लिए फर्स्ट क्लास मैच खेला. मनन भारत के लिए 2010 में हुआ अंडर 19 वर्ल्ड कप भी खेल चुके हैं. 30 साल में संन्यास लेने के बाद उनके अमेरिका जाने की खबर थी. फिलहाल वो लेजेंड्स लीग क्रिकेट में खेल रहे हैं.

शिखर धवन की कप्तानी पारी गई बेकार

शिखर धवन की कप्तानी वाली गुजरात की टीम को जीत के लिए 145 रन का लक्ष्य मिला. लेकिन वो बस 20 ओवर में 9 विकेट पर 118 रन ही बना सके और मुकाबला 26 रन से हार गए. गुजरात की तरफ से कप्तान शिखर धवन ने ही 48 गेंदों पर सबसे ज्यादा 52 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के शामिल रहे. धवन को छोड़कर बाकी किसी बल्लेबाज ने कुछ ज्यादा बड़ा स्कोर नहीं किया, जिस वजह से टीम को हार का सामना करना पड़ा.

2 मैचों में धवन की टीम की पहली हार

शिखर धवन की टीम गुजरात ग्रेट्स की अब तक खेले 2 मैचों में दूसरी हार है. वहीं साउदर्न सुपर स्टार्स ने इस जीत के साथ लीग में अपना खाता खोला है. साउदर्न सुपर स्टार्स के लिए 53 रन की पारी खेलने और 1 विकेट निकालने के लिए चाथुरंगा डि सिल्वा के प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

श्रेयस अय्यर टीम इंडिया में वापसी के लिए ईरानी कप टूर्नामेंट में लेंगे हिस्सा

लखनऊ, 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले कुछ समय से टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए जूझ रहे हैं. बांग्लादेश के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में भी वह अपनी जगह नहीं बना सके हैं. उन्होंने हाल ही में दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और उनकी नजर टीम इंडिया में वापसी पर थी. लेकिन वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके. ऐसे में वह टीम इंडिया में जगह बनाने से चूक गए. अब उन्होंने एक और घरेलू टूर्नामेंट में खेलना का फैसला किया है. अय्यर के साथ-साथ स्टार ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी इस टूर्मामेंट में खेलने उतरेंगे.

श्रेयस अय्यर अब इस टूर्नामेंट में लेंगे हिस्सा

मुंबई और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच 1 अक्तूबर से ईरानी कप का मैच खेला जाना है. ईरानी ट्रॉफी का मुकाबला रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली टीम और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच होता है. इसी साल मार्च 2024 में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली मुंबई ने रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था. श्रेयस अय्यर और शार्दुल ठाकुर इस मैच में मुंबई की टीम के लिए खेलते हुए नजर आ सकते हैं. मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन जल्द ही इस मुकाबले के लिए टीम का ऐलान कर सकता है.

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, अजिंक्य रहाणे मुंबई टीम की कप्तानी करेंगे. इसके अलावा श्रेयस अय्यर और शार्दुल ठाकुर भी टीम का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं. शार्दुल ठाकुर ने इस मुकाबले के लिए अधिकारियों को अपनी उपलब्धता के बारे में बता दिया है. बता दें, उन्होंने 12 जून को लंदन में अपने टखने की सर्जरी कराई, तब से ही वह मैदान से बाहर थे. उन्होंने हाल ही में एक टूर्नामेंट से मैदान पर वापसी की थी.

ऐसे में शार्दुल ठाकुर की वापसी टीम इंडिया के लिए भी एक अच्छा संकेत है. दरअसल, भारत को साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है. विदेशी सरजमीं पर लाल गेंद से शार्दुल ठाकुर का प्रदर्शन हमेशा ही दमदार रहा है.

दलीप ट्रॉफी में फ्लॉप रहे अय्यर

श्रेयस अय्यर ने दलीप ट्रॉफी 2024-25 में तीनों दौर के मुकाबले खेले थे. श्रेयस अय्यर ने इन तीन मैचों की 6 पारियों में 25.66 की खराब औसत से सिर्फ 154 रन ही बनाए, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल रहे. इसके अलावा श्रेयस अय्यर दो बार बिना खाता खोले भी आउट हुए. इस दौरान वह एक भी शतक नहीं जड़ सके.

जिसके चलते उन्हें बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम इंडिया में नहीं चुना गया. अय्यर के इस खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय टेस्ट टीम में उनकी वापसी फिलहाल काफी मुश्किल दिखाई दे रही है.

ऐसे में अब उन्होंने ईरानी ट्रॉफी में खेलने का फैसला लिया है. यह अहम मैच अगले माह एक से पांच अक्टूबर तक लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम मे खेला जाएगा.

12 साल पुरानी फोटो वायरल होने पर कप्तान को लगी फटकार, जुर्माना भी ठोका

लंदन, 24 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट को अब 12 साल पहले की गई गलती को लेकर माफी मांगनी पड़ी है। इतना ही नहीं कप्तान पर जुर्माना भी लगाया गया है। वहीं हीथर नाइट ने भी अब महिला टी20 विश्व कप 2024 से पहले अपनी 12 साल पुरानी गलती को लेकर माफी मांगी है। आखिर किस गलती को लेकर हीथर पर लगा है जुर्माना चलिए हम आपको बताते हैं।

पार्टी में नाइट ब्लैकफेस के साथ क्लिक कराई थी तस्वीर

रिपोर्ट के मुताबिक दरअसल साल 2012 में हीथर नाइट ने एक पार्टी में नाइट ब्लैकफेस के साथ एक फैंसी ड्रेस पहनी थी। जिसको नस्लवादी और भेदभावपूर्ण वाला आचरण माना गया। हालांकि हीथर ने अपनी ये तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की थी, बल्कि किसी दूसरे यूजर ने इसको फेसबुक पर शेयर किया था। जिसके बाद अब हीथर नाइट को फटकार लगी है साथ ही साथ उन पर 1000 यूरो का जुर्मना भी लगाया गया है।

इस मामले को लेकर क्रिकेट अनुशासन आयोग के निर्णायक टिम ओ गोरमैन ने कहा कि, साल 2012 में 'स्पोर्ट्स स्टार्स' थीम वाली एक पार्टी में हीथर नाइट ब्लैकफेस के साथ फैंसी ड्रेस में एक तस्वीर में दिखाई दीं। मुझे लगता है कि यह नस्लवादी और भेदभावपूर्ण आचरण था।

हीथर नाइट ने मांगी माफी

12 साल पहले की गई गलती को लेकर अब हीथर नाइट ने माफी मांगते हुए कहा कि, साल 2012 में मुझसे जो गलती हुई थी, उसके लिए मैं माफी मांगना चाहती हूं। मुझे अपनी उस गलती का काफी पछतावा है। उस समय मैं इन सब मामलों में इतनी शिक्षित नहीं थी, लेकिन अब मुझे इस बारे में काफी समझ आ गई है। हालांकि मेरा कोई गलत इरादा नहीं था। लेकिन मैं अतीत को भी नहीं बदल सकती हूं।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर स्मिथ ने बताया

जसप्रीत बुमराह दुनिया का सबसे खूंखार गेंदबाज

सिडनी, 24 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाज का नाम बेबाकी के साथ लिया है। स्टीव स्मिथ दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। स्टीव स्मिथ से जब सवाल किया गया कि दुनिया का सबसे खूंखार गेंदबाज कौन है। तो उन्होंने टीम इंडिया के दिग्गज गेंदबाज का नाम लिया।

इस गेंदबाज को बताया सबसे खतरनाक बॉलर

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने दुनिया का सबसे खतरनाक गेंदबाज टीम इंडिया के बॉलर जसप्रीत बुमराह को बताया है। स्टीव स्मिथ ने कहा कि जसप्रीत बुमराह टी20, वनडे और टेस्ट क्रिकेट के सुपरस्टार गेंदबाज हैं। बुमराह क्रिकेट के हर फॉर्मेट में अपना प्रभाव छोड़ते हैं। चाहे वह टी20 क्रिकेट हो या वनडे और टेस्ट मैच। जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी में वेरिएशन है और उनमें चतुराई है। वह लगातार अपनी यॉर्कर, बाउंसर और स्विंग गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान करते हुए नजर आते हैं। स्टीव स्मिथ ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की गेंद का सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए चुनौतीपूर्ण होता है।

कैसा है जसप्रीत बुमराह का करिअर

जसप्रीत बुमराह ने टीम इंडिया के लिए अब तक 37 टेस्ट, 89 वनडे और 70 इंटरनेशनल टी20 मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में जसप्रीत बुमराह ने 164 विकेट हासिल किए हैं। इसमें 10 बार वो 5-5 विकेट और 5 बार 4-4 विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 27 रन देकर 6 विकेट लेने का रहा है। वहीं, वनडे क्रिकेट में बुमराह ने 149 विकेट लिए हैं। वनडे में जसप्रीत बुमराह ने 2 बार 5-5 विकेट और 6 बार 4-4 विकेट लिए हैं। इंटरनेशनल टी20 क्रिकेट में जसप्रीत बुमराह ने अब तक 89 विकेट लिए हैं।

'मैं ओलंपिक अयोग्यता के लिए देश से माफी मांगता'

पहलवान योगेश्वर का विनेश फोगाट पर निशाना

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने विनेश फोगाट की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि विनेश ने पेरिस ओलंपिक में अयोग्य करार दिए जाने के बाद बाहर हो जाने की जिम्मेदारी नहीं ली, बल्कि अपनी अयोग्यता के लिए दूसरों को दोषी ठहराया। लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले योगेश्वर ने कहा कि अगर उन्हें अयोग्य घोषित किया जाता तो वह पूरे देश से माफी मांगते। हालांकि, विनेश के ऐसा नहीं करने पर योगेश्वर ने निराशा जताई है।

योगेश्वर ने आजतक से बातचीत करते हुए कहा कि वह हैरान रह गए जब विनेश ने अपनी ओलंपिक अयोग्यता के बारे में साजिश की बातें फैलानी शुरू कर दीं। उन्होंने यहां तक दावा किया कि विनेश ने इस घटना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दोषी ठहराया। योगेश्वर ने कहा, 'उन्हें

ओलंपिक खेलों से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें पूरे देश के सामने माफी मांगनी चाहिए थी कि उन्होंने गलतियां की हैं। हालांकि, इसके बजाय उन्होंने इसे एक साजिश करार दिया। यहां तक कि देश के प्रधानमंत्री को भी दोषी ठहराया। हर कोई जानता है कि अयोग्यता सही कॉल थी। वे एक ग्राम वजन अधिक होने पर भी एथलीटों को अयोग्य घोषित कर देते हैं।'

योगेश्वर की यह टिप्पणी विनेश के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और उसकी अध्यक्ष पीटी उषा के खिलाफ गंभीर आरोप लगाने के कुछ दिनों बाद आई है। फोगाट ने संयुक्त रजत पदक के लिए खेल पंचाट (सीएएस) में अपील के दौरान पर्याप्त कानूनी समर्थन नहीं देने के लिए आईओए की आलोचना की थी। विनेश और भारतीय वकीलों के अथक प्रयासों के बावजूद, खेल पंचाट यानी सीएएस ने उनके खिलाफ फैसला सुनाया था। विनेश ने कहा था कि भारत सरकार और आईओए को उनके मामले को दायर करने और समर्थन करने में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए थी। उन्होंने कहा था कि उनके केस दायर करने के बाद ही आईओए के तरफ से मदद आई थी। हालांकि, बाद में विनेश के इस बयान का हरीश साल्वे ने खंडन किया था।

योगेश्वर ने विनेश फोगाट पर आरोप लगाया कि उन्होंने बृजभूषण शरण सिंह सहित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अधिकारियों के खिलाफ बहुप्रचारित पहलवानों के विरोध के दौरान पहलवानों के साथ छेड़छाड़ की। योगेश्वर ने कहा, 'विनेश ने देश में गलत माहौल बनाया। यहां तक कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भी लोगों को गलत तरीके से इकट्ठा होने के लिए कहा गया। अगर हम सिर्फ ओलंपिक की बात करें तो भारत को पदक गंवाने के बावजूद एक गलत धारणा बनाई गई कि उनके साथ कुछ गलत हुआ है। अगर मैं विनेश की जगह होता तो देश से माफी मांगता।'

विनेश को फाइनल के दिन वजन के दौरान 100 ग्राम अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित किया गया था। विनेश ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, फाइनल वाले दिन सुबह में महज 100 ग्राम ज्यादा वजन होने की वजह से उन्हें अयोग्य करार दिया गया था। सीएएस की सुनवाई में विनेश का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने यह कहते हुए उनके कुछ आरोपों का खंडन किया था कि इसमें शामिल विभिन्न कानूनी टीमों के बीच समन्वय की कमी थी और फोगाट ने खुद सीएएस के फैसले के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया। अपनी अयोग्यता और अपनी अपील की अस्वीकृति के बाद विनेश फोगाट ने कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की थी। इसके बाद उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गईं।

सिर्फ 8 रन पर झटके 7 विकेट, ऑस्ट्रेलियाई बॉलर के कहर से कांपे बल्लेबाज

मेलबर्न, 24 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट कैलेंडर एक बार फिर अपने पूरे रंग में है. भारत समेत दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में टॉप इंटरनेशनल टीम अलग-अलग फॉर्मेट के मुकाबलों में लगी हुई हैं, जिन पर सबकी नजरें हैं. इससे अलग डॉमेस्टिक टूर्नामेंट भी हो रहे हैं, जहां कुछ शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया के डॉमेस्टिक लिस्ट-ए टूर्नामेंट वनडे कप में ऐसा ही एक हैरतअंगेज नजारा देखने को मिला, जहां तेज गेंदबाज सैम एलियट ने सिर्फ 8 रन पर 7 विकेट हासिल कर लिए. इसके बाद उन्होंने बल्ले से भी टीम को जीत तक पहुंचाने में योगदान दिया.

सिर्फ 8 रन पर झटके 7 विकेट

जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम इन दिनों इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज खेल रही है, वहीं उसके घर में भी वनडे टूर्नामेंट चल रहा है. इसी टूर्नामेंट में मेलबर्न में हुए मुकाबले में विक्टोरिया के सैम एलियट ने तहलका मचा दिया. मेलबर्न के जंक्शन ओवल की हरी-भरी पिच पर खेले गए इस मुकाबले में बड़े स्कोर नहीं बने और उसकी वजह एलियट की घातक गेंदबाजी थी. लंबे कद के इस तेज गेंदबाज ने तस्मानिया की बल्लेबाजी की तबाह कर दिया और पूरी टीम सिर्फ 126 रन पर ढेर हो गई.

चौथे नंबर पर बॉलिंग के लिए आए एलियट के कहर से पहले ही तस्मानिया ने दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद तो बस सैम एलियट का ही नाम स्कोरबोर्ड पर हर विकेट के आगे दिखता रहा. 11वें ओवर में बॉलिंग के लिए आए एलियट ने पहली ही गेंद पर विकेट हासिल कर लिया था.इसके बाद अपने 8 ओवर में अगले 7 विकेट चटका दिए. एक वक्त पर एलियट ने सिर्फ 6.2 ओवर की गेंदबाजी में ही 7 विकेट चटका दिए थे, जबकि उनके खिलाफ सिर्फ 8 रन बने थे. उनकी आखिरी 8 गेंदों पर 4 रन आए और इस तरह एलियट ने पारी का अंत 8 ओवर में 12 रन देकर 7 विकेट के साथ किया. एलियट की ये गेंदबाजी वनडे कप के 55 साल के इतिहास में दूसरा सबसे शानदार प्रदर्शन है.

टीम इंडिया के कोच को लेकर फूटा बासित अली का गुस्सा

इस्लामाबाद, , 24 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीमने अपने नए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के साथ अपने सफर का शानदार आगाज किया है। मोर्ने मोर्कल के नेतृत्व में भारतीय टीम के गेंदबाजों ने बांग्लादेश के बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। टीम इंडिया के इस प्रदर्शन को देखने के बाद एक पूर्व पाकिस्तान क्रिकेटर का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने अपनी ही टीम के गेंदबाजों को खरी-खरी सुनाई और टीम इंडिया के प्रदर्शन की सराहना की। मालूम हो कि मोर्ने मोर्कल पिछले साथ जून के महीने में पाकिस्तान टीम के गेंदबाजी कोच बनाए गए थे। लेकिन टी20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम के बुरे प्रदर्शन के बाद उन्होंने पाकिस्तान से अपना नाता तोड़ लिया था। हाल ही में उन्हें टीम इंडिया का गेंदबाजी कोच बनाया गया है।

साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल को हाल ही भारतीय क्रिकेट टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया था। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ खेली जा रही 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से ही अपने कार्यकाल को शुरू किया है। टीम इंडिया ने अपने नए गेंदबाजी कोच के नेतृत्व के पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया। मैच में गेंदबाजों ने न सिर्फ विकेट झटके बल्कि मुश्किल परिस्थियों में टीम के विकेट भी बचाए। भारतीय टीम के गेंदबाजों ने बांग्लादेश को पहली पारी में 149 और दूसरी पारी में 234 रन पर ऑलआउट कर दिया। बतौर गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने इस शानदार जीत के साथ अपने सफर का आगाज किया।

टीम इंडिया के गेंदबाजों के इस शानदार प्रदर्शन को देख पाकिस्तान के पूर्व स्टार खिलाड़ी बासित अली का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाजों पर निशाना साधते हुए सनसनीखेज आरोप लगाया। कहा कि जब मोर्ने मोर्कल पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच थे, तब हमारे गेंदबाजों ने उनका अपमान किया। बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि पाकिस्तानी गेंदबाज खुद को क्रिकेट से बड़ा समझते हैं। उन्हें लगता था कि मोर्केल हमारे सामने कुछ भी नहीं है।

स्वच्छता का सुचारू प्रबंधन किया जाए : आम्रपाली काटा

आयुक्त ने कई इलाकों का औचक दौरा किया

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है कि स्वच्छता कार्यक्रम सुचारू रूप से चलाए जाएं क्योंकि पिछले तीन दिनों से शहर में बारिश के मद्देनजर संक्रामक रोग फैलने की संभावना है। मंगलवार को आयुक्त आम्रपाली काटा ने एलबी नगर जोन के कई इलाकों का औचक दौरा किया और स्वच्छता प्रबंधन, सड़कों पर गड्ढे और सड़क की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने सरूर नगर से एलबी नगर, नागोल रोड, उप्पल भगायत, उप्पल स्टेडियम रोड और अन्य क्षेत्रों का दौरा किया और संबंधित अधिकारियों को सड़क की मरम्मत और स्वच्छता पर कई सुझाव दिए। इस अवसर पर आयुक्त को सरूर नगर, उप्पल और रामनाथपुर तालाबों का दौरा करना चाहिए और आसपास को साफ रखने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि बारिश को देखते हुए सभी अधिकारी सतर्क रहें और लोगों को परेशानी न हो इसके लिए उचित कदम उठायें। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए स्वच्छता प्रबंधन उचित ढंग से किया जाना चाहिए और मच्छरों पर नियंत्रण के लिए एंटी लार्वा ऑपरेशन, फॉगिंग आदि किया जाना चाहिए। वहीं सड़कों पर बने गड्ढों को भी भरने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया। इस कार्यक्रम में कमिश्नर के साथ एलबी नगर जोनल कमिश्नर हेमंत केशव पाटिल, डिप्टी कमिश्नर, इंजीनियरिंग अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

निचले इलाकों में बाढ़ का पानी रोकने का स्थायी समाधान निकाला जाये : आयुक्त

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने अधिकारियों को बारिश के मद्देनजर निचले इलाकों में बाढ़ के पानी को रोकने के लिए स्थायी समाधान खोजने का निर्देश दिया है। मंगलवार को उन्होंने अतिरिक्त, जोनल आयुक्तों और अन्य विभागों के एचओडी के साथ टेलीकांफ्रेंस की। इस मौके पर कमिश्नर ने कहा कि शहर के कुछ हिस्सों में बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़ का पानी जमा है और कॉलोनीवासियों को परेशानी हो रही है, बाढ़ के पानी से निजात दिलाने के लिए स्थाई समाधान के उपाय करें। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन व्यावसायिक संपत्तियों में बिजली कनेक्शन वाणिज्यिक है और गृह आवासीय कर का भुगतान कर रहे हैं, उन्हें नोटिस जारी करें और कर संशोधन के उपाय करें। चिन्हित मकान मालिकों को नोटिस जारी करने में जोनल कमिश्नर विशेष पहल करें। उपायुक्तों को अवैध रूप से पोस्टर और फ्लेक्सी लगाने वालों पर भारी जुर्माना लगाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों में जल जमाव के कारण बाढ़ की समस्या से बचने के लिए नाला पुलियों में तैरने वाली सामग्री को तुरंत हटा दिया जाना चाहिए और नाले में तैरने वाली सामग्री को हटाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। वाणिज्यिक क्षेत्रों में कूड़ेदानों की स्थापना के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी होने की पृष्ठभूमि में जोनल आयुक्तों को कूड़ेदानों की स्थापना के लिए कदम उठाने का आदेश दिया गया था।

एमजे मार्केट परिसर में गजल शायरी कार्यक्रम होगा

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की विरासत को संरक्षित करने और कला को बढ़ावा देने के लिए जीएचएमसी के तत्वावधान में इस महीने की 28 सितंबर की शाम को एमजे मार्केट परिसर में गजल और शायरी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। चूंकि कार्यक्रम की मेजबानी लोकप्रिय ग़ज़ल शाहीरी कलाकारों द्वारा की जाएगी, जीएचएमसी ने इच्छुक पार्टियों से बुक माई शो लिंक के माध्यम से अपनी सीटें बुक करने और आरक्षित करने का अनुरोध किया है। जीएचएमसी ग्रेटर हैदराबाद की विरासत को संरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। आयुक्त आम्रपाली काटा ने एक बयान में कहा कि हैदराबाद की विरासत को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने की इच्छा के साथ कार्यक्रमों के माध्यम से सार्वजनिक समारोह आयोजित करने की योजना तैयार की गई है। आयुक्त ने सभी इच्छुक पार्टियों से बुक माई शो के माध्यम से बुकिंग करने का अनुरोध किया क्योंकि सीटें सीमित हैं

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद शहर में स्टेडियम का दौरा किया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद खेल के विकास के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर खिलाड़ियों और पीईटी से सुझाव प्राप्त किए।

स्टेडियम में कबड्डी कोर्ट खोला गया और मैच शुरू हुए। बाद में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने खिलाड़ियों के साथ बैडमिंटन खेला और खिलाड़ियों में जोश भर दिया। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ स्वच्छता एवं सेवा का संकल्प लिया।उन्होंने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हर घर के आसपास का वातावरण स्वच्छ रखने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक चलेगा। खिलाड़ियों, सरकारी स्कूल, जूनियर, डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं को मिनी स्टेडियम का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल के छात्र राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो उन्हें अच्छा पारिश्रमिक दिया जायेगा। बाद में वह बास्केटबॉल कोर्ट में बैठे और खिलाड़ियों से बातचीत की। खिलाड़ियों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली। बाद में, उन्होंने बगल के मॉडल स्कूल का दौरा किया। उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। उन्होंने मॉडल स्कूल के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने का भी वादा किया। मंत्री ने राजकीय डिग्री कॉलेज की सड़क और परिसर का निरीक्षण किया। बाद में उन्होंने आदिवासी कन्या छात्रावास का दौरा किया।कार्यक्रम में हुस्नाबाद नगरपालिका अध्यक्ष अकुला राजिति, उपाध्यक्ष अनीता, नगर पार्षद, टाउन कांग्रेस पार्टी के नेता, आरडीओ, नगर आयुक्त, एमएमएआरओ और अन्य उच्च अधिकारियों ने भाग लिया।

विधानसभा अध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली , 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधान सभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने आज केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की।

अध्यक्ष प्रसाद कुमार केंद्रीय मंत्री से विकाराबाद निर्वाचन क्षेत्र में तीन सबसे महत्वपूर्ण राज्य सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्गों में अपग्रेड करने का अनुरोध किया। इसी प्रकार, सभापति प्रसाद कुमार ने निर्वाचन क्षेत्र में 7 सड़कों के लिए केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि योजना (सीआरआईएफ) के तहत धन जारी करने का अनुरोध किया। चेवेल्ला सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, पेद्दापल्ली सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा, चेन्नुरु विधायक गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी, तेलंगाना विधान सचिव डॉ. वी नरसिम्हा चार्युलु, स्पीकर ओएसडी पी. वेंकटेशम और नेता माणिक रेड्डी के साथ सभापति गद्दाम प्रसाद कुमार ने नितिन गडकरी से मुलाकात की।

पास्को मामले के आरोपी को पांच साल कठोर कारावास की सजा

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अब्दुल्लापुरमेट पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर एक नाबालिग लड़की को जबरन कैद करने, छेड़छाड़ करने और यौन उत्पीड़न का प्रयास करने के मामले में आरोपी ऑटो चालक भीमनपल्ली राजू निवासी पेद्दा अंबरपेट (जी), अब्दुल्लापुरमेट (एम), रंगारेड्डी को पास्को अधिनियम के तहत पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। इस मामले में अब्दुल्लापुरमेट पुलिस स्टेशन के तहत धारा 354,354 (ए), 341, 366,323 और एसईसी 7 आर/डब्ल्यू 8, पोक्सो अधिनियम, अब्दुल्लापुरमेट पीएस एससी संख्या 1042/2018, रंगा रेड्डी, एलबी नगर में पोक्सो अधिनियम के तहत बलात्कार और बलात्कार के तहत मामला दर्ज किया गया है। फास्ट ट्रैक स्पेशल जज ने आरोपी को दोषी करार दिया। इस मामले में अभियुक्त को पाँच वर्ष के सश्रम कारावास एवं 12,500 रूपये जुर्माने की सजा सुनाई गई।

मुस्लिम और आदिवासी समुदायों के बीच शांति बहाल को लेकर हुई उच्च स्तरीय बैठक

आदिवासी, मुस्लिम नेताओं की सीएम रेवंत रेड्डी के साथ संयुक्त बैठक 28 या 29 सितंबर को तय

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जैनूर, कोमरमभीम आसिफाबाद जिले में मुस्लिम और आदिवासी समुदायों के बीच शांति और सद्भाव बहाल करने के प्रयास में, तेलंगाना सरकार के सलाहकार (एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक) मोहम्मद अली शब्बीर ने मंगलवार को तेलंगाना सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसरी सीतक्का, खानपुर विधायक वेदेमा भोज्जू, एमएलसी दांडे विट्ठल, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ.एस. वेणुगोपाल चारी, प्रख्यात शिक्षाविद् महबूब आलम खान, अल्पसंख्यक कल्याण के विशेष सचिव तफसीर इकबाल और आसिफाबाद जिले के मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए। चर्चा 4 सितंबर को जैनूर में भड़के सांप्रदायिक दंगों के बाद की स्थिति को संबोधित करने पर केंद्रित थी। नेताओं ने दोनों समुदायों द्वारा अपने मतभेदों को सुलझाने और अशांति से पहले मौजूद लंबे समय से चले आ रहे शांतिपूर्ण संबंधों को बहाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक के दौरान, मुस्लिम और आदिवासी दोनों नेताओं ने किसी भी अंतर्निहित मतभेद से इनकार किया।

उन्होंने दंगों को भड़काने के लिए कुछ बाहरी तत्वों की निंदा की, जो समुदायों के बीच कलह पैदा करने के लिए एक अलग घटना का फायदा उठाते हैं। नेताओं ने शांति और भाईचारे को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की जो सदियों से उनके संबंधों की पहचान रही है। इस अवसर पर बोलते हुए शब्बीर अली ने कहा कि मुस्लिम नेताओं ने हाल ही में उनके क्षेत्रों में शांति भंग करने के प्रयासों पर चिंता व्यक्त की।

अन्नदाताओं के समर्थन में भाजपा 24 घंटे पहल को तैयार : महेश्वर रेड्डी

अन्नदाताओं को धोखा दे रहे हैं कांग्रेसी सरकार

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधानमंडल दल नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी ने कहा कि इंद्रा पार्क में भाजपा किसान गारंटी साधना दीक्षा के नाम से शुभारंभ होगा। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं के समर्थन में भाजपा 24 घंटे पहल को तैयार है। भाजपा विधायक, सांसद, वरिष्ठ नेता 30 सितंबर को सुबह 11 बजे से 24 घंटे के लिए पहल करेंगे।

सत्ता में आने के नौ महीने बाद भी कांग्रेस सरकार जनता से किए वादे पूरे नहीं कर रही है। भाजपा आश्वासन पूरा होने तक अन्नदाताओं से संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि वे छह गारंटी को वैधता देंगे और कम से कम विधानसभा में इसकी चर्चा नहीं की। 6 गारंटी के तहत किसानों को दिए गए आश्वासन भी पूरे नहीं किए गए हैं। अगर वे किसी गांव में जाएंगे तो देवताओं को कोसेंगे और किसानों को यह कहकर धोखा देंगे कि हम उनका कर्ज माफ कर देंगे।

विशेषज्ञ यह नहीं कहते कि किसान कर्ज माफी के लिए 40 हजार करोड़ रुपये की जरूरत होगी। आप कैबिनेट में 30 हजार करोड़ की मंजूरी देंगे। आपने किसानों के लिए सिर्फ 17 हजार करोड़ रुपये खर्च किये हैं। उन्होंने कहा कि वे किसान भरोसा को 10 हजार नहीं 15 हजार देंगे। किसान भरोसा पर अभी तक अमल नहीं हुआ है। क्या आप फिर से रैतू भरोसा से छुटकारा पाने की कोशिश कर रहे हैं? आपके मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव का कहना है कि हमें नियोक्ताओं से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे किसान मजदूरों को 12000 हजार देंगे। घोषणापत्र में चावल के लिए 'बोनस' की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सारे बोनस शब्द सब फर्जी शब्द हैं। उन्होंने कहा कि आपकी सरकार किसानों की तलाश करने वाली सरकार है। इस महीने की 30 तारीख से 1 अक्टूबर तक हम इंद्रा पार्क में दीक्षा लेंगे। इस शुरुआत में बीजेपी के सभी विधायक और सांसद शामिल होंगे।

राज्यपाल से मुलुगु को नगर पालिका का दर्जा देने वाले विधेयक को मंजूरी देने का आग्रह

हैदराबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीताक्का ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की और मुलुगु ग्राम पंचायत को नगर पालिका का दर्जा देने वाले विधेयक को मंजूरी देने का औपचारिक अनुरोध किया। यह विधेयक 2022 में विधानसभा द्वारा पारित किया गया था, लेकिन तकनीकी मुद्दों के कारण लंबित रहा। मुलुगु को नगर पालिका में बदलने के उद्देश्य से बनाए गए इस विधेयक में पिछली सरकार द्वारा की गई गलतियों के कारण देरी हुई है। हालांकि पिछली सरकार ने मुलुगु नगर पालिका मुद्दे को तेलंगाना नगर संशोधन विधेयक में शामिल कर लिया था, लेकिन उसी विधेयक में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) अधिनियम में संशोधन का भी प्रस्ताव था। इस ओवरलैप ने भ्रम और जटिलताएं पैदा कीं। विधायकों के बीच अव्यवस्था के बावजूद, विधेयक 2022 में पारित किया गया। हालांकि, कानूनी और तकनीकी जटिलताओं के कारण, पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेज दिया, जिससे मुलुगु नगर पालिका विधेयक अधर में लटका हुआ है। अपनी बैठक के दौरान, सीताक्का ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को विधेयक के आवश्यक विवरण प्रदान किए और मुलुगु को नगर पालिका का दर्जा देने के लिए उनकी मंजूरी की अपील की।

पवन कल्याण ने दुर्गा मंदिर में सफाई अभियान चलाया

विजयवाड़ा, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरुमाला लड्डू मिलावट की घटना के मद्देनजर प्रायश्चित उपवास शुरू किया है। इसके तहत उन्होंने मंगलवार को यहां इंद्रकीलाद्री पर कनकदुर्गा मंदिर में सफाई अभियान चलाया। उन्होंने मंदिर की सीढ़ियों की सफाई की और सीढ़ियों को पीले और केसरिया रंग से रंगा। कार्यक्रम का आयोजन पवन कल्याण ने वैदिक विद्वानों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच किया। कार्यक्रम के बाद बोलते हुए पवन कल्याण ने तिरुपति लड्डू मिलावट की घटना पर अभिनेता प्रकाश राज द्वारा की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सवाल किया कि जब प्रकाश राज हिंदुओं के बारे में बोलते हैं तो उनका क्या संबंध है। पवन कल्याण ने कहा, मैंने हिंदू मंदिर में अशुद्धता के बारे में बात की। प्रकाश राज का इससे क्या संबंध है? क्या मैंने दूसरे धर्म को दोषी ठहराया? क्या मैंने इस्लाम और ईसाई धर्म के बारे में कुछ गलत कहा है? तिरुपति में अपवित्रता हुई। यह कहना गलत कैसे हो सकता है कि ऐसा नहीं होना

चाहिए? अगर कुछ गलत होता है तो क्या आपको बात नहीं करनी चाहिए? अगर देवताओं की मूर्तियों का सिर काटा जाता है तो बात नहीं करनी चाहिए। उनमें से प्रत्येक के लिए क्या पागलपन हो रहा है। आप किसके बारे में बात कर रहे हैं? मैं प्रकाश राज का सम्मान करता हूं। क्या मुझे उस समय नहीं बोलना चाहिए जब मेरे द्वारा पालन किए जाने वाले धर्म में अशुद्धता हो। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग सनातन धर्म पर अपनी मर्जी से बोल रहे हैं। उन्होंने पूछा, क्या आप इस्लाम पर बोल सकते हैं? क्या आप जीसस के बारे में बात कर सकते हैं? अभिनेता प्रकाश राज ने तिरुपति में लड्डू विवाद पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का नाम भी लिया। यह एक ऐसी घटना है जो उस राज्य में हुई है जहां आप उपमुख्यमंत्री हैं। जांच करें और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करें। आप अनावश्यक भय क्यों पैदा कर रहे हैं और इसे राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय क्यों बना रहे हैं? हमारे देश में मौजूदा धार्मिक तनाव ही काफी है। केंद्र में आपके मित्रों का धन्यवाद, प्रकाश राजू ने ट्वीट किया। हालांकि, अभिनेता और एमएए एसोसिएशन के अध्यक्ष मंचू विष्णु ने प्रकाश राज की पोस्ट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

इलाज के बाद युवक की मौत

परिजनों ने किया प्रदर्शन

मंचेरियल, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लक्सेटीपेट में मंगलवार को एक युवक की मौत के लिए ग्रामीण चिकित्सक (आरएमपी) को जिम्मेदार ठहराते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों ने सड़क पर रास्ता रोको प्रदर्शन किया। लक्सेटीपेट मंडल के कोरविचेल्मा गांव के सरकारी नौकरी के इच्छुक 26 वर्षीय बत्तुला मधुकर को मंगलवार को हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। सोमवार को उन्होंने दांडेपल्ली मंडल के कन्नेपल्ली गांव के आरएमपी बोड्डु श्रीनिवास से कमजोरी का इलाज करवाया था। श्रीनिवास द्वारा कुछ इंजेक्शन लगाने के बाद उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। श्रीनिवास के परिजनों ने न्याय और कार्रवाई की मांग को लेकर कुछ देर के लिए यातायात जाम कर दिया। यातायात पूरी तरह से ठप हो गया।

ट्रक पलटने के बाद स्थानीय लोगों ने लूटी मछलियां

महबूबाबाद, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मरीपेडा के ग्रामीणों ने मंगलवार को सड़क के बीचोंबीच ताजा मछलियां पकड़ीं, जब जीवित मछलियों से भरा एक ट्रक पलट गया और उसमें लदी मछलियां सड़क के बीचोंबीच बिखर गईं। यह घटना तब हुई जब जीवित मछलियों से भरा एक ट्रक खम्मम से वारंगल की ओर जा रहा था और मारीपेडा में सड़क के बीचोंबीच पलट गया। दुर्घटना के कारण मछलियां व्यस्त सड़क पर गिर गईं और अंततः वहां खड़े लोगों के बीच लूटपाट की होड़ मच गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को मछलियां इकट्ठा करने से रोका। घटना के कारण सड़क के दोनों ओर भारी जाम लग गया। बड़ी संख्या में वाहनों के रुक जाने के बाद दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को वहां से हटाया गया और यातायात सुचारू किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

टीटीडी ने लड्डू में तंबाकू की थैली होने के आरोपों से किया इनकार

तिरुमाला, 24 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ने स्पष्ट किया है कि पवित्र लड्डू प्रसादम में तंबाकू की थैली होने की अफवाह झूठी है। कुछ भक्तों द्वारा श्रीवारी लड्डू प्रसादम में तंबाकू की थैली होने के बारे में सोशल मीडिया पर इस तरह के दावे फैलाना अनुचित है। तिरुमाला में लड्डू श्री वैष्णव ब्राह्मणों द्वारा अत्यंत श्रद्धा, समर्पण और नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए तैयार किए जा रहे हैं, जो हर दिन लाखों लड्डू तैयार कर रहे हैं। ये लड्डू सीसीटीवी निगरानी में भी तैयार किए जा रहे हैं। लड्डू बनाने की सुव्यवस्थित प्रणाली के बारे में इस तरह की गलत सूचना फैलाना दुर्भाग्यपूर्ण है। भक्तों से अनुरोध है कि वे इस पर ध्यान दें।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान
आपको
सीएसआईआर-एनजीआरआई खुला दिवस
के अवसर पर सादर आमंत्रित करता है।
26 सितम्बर 2024
सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक
(प्रवेश दुपहर 2:30 बजे बंद होगा)
विवरण के लिए संपर्क करें :
सूचना प्रभाग
040-27012796/27012364
सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान
(वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद)
उप्पल रोड, हैदराबाद - 500 007
निम्नलिखित पर हमें अनुसरण करें
www.ngri.res.in facebook.com/csirngrihyd twitter.com/csirngri youtube.com/@csir-ngri/featured
अधिक जानकारी के लिए हमसे संपर्क करें: ई-मेल: information@ngri.res.in

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.